हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

हर काम मन के मुताबिक नहीं होता, जो हो रहा है उसे स्वीकार करना भी जरूरी है

एक सत्र में कलेक्टर गौरव कुमार सिंह, पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला और एनआरडीए के सीईओ चंदन कुमार शामिल हुए।

छग में उद्योग-कारोबार, शिक्षा, अस्पताल और रियल एस्टेट में बड़ी संभावना, विकास लगातार, पर गति बढ़ाने की जरूरत

हरिभूमि-आईएनएच के जिला संवाद में डा. हिमांशु द्विवेदी के सवालों का व्यापार-उद्योग जगत ने दिया बेबाकी से जवाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि-आईएनएच के शनिवार को मैक कालेज सभागार में आयोजित रायपुर जिला संवाद में कारोबारियों ने खुलकर अपनी बात रखीं। उन्होंने कहा कि राज्य बनने के बाद रायपुर का उद्योग, व्यापार, रियल एस्टेट, शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र में अच्छा विकास हुआ है। विकास का यह काम लगातार हो रहा है। उन्होंने इस विकास की रफ्तार को और तेज करने पर भी जोर दिया गया। सात सत्रों में आयोजित इस संवाद की कमान संभाल रहे प्रधान संपादक डा. हिमांशु द्विवेदी के सधे हुए सवालों का इन कारोबारियों ने मजबूती से जवाब दिया। संवाद के दूसरे सत्र में डा. हिमांशु द्विवेदी ने व्यापार जगत के दिग्गज चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी, कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी, आईटीएसए हॉस्पिटल के सह संस्थापक ▶▶| शेष पेज 6 पर

हरिभूमि खास

पर्यटन क्षेत्र में काम करने की जरूरत : राजेश अग्रवाल

कार्यक्रम के प्रारंभ में राजेश अग्रवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ को बने 25 साल हो गए हैं। इन सालों में राजधानी रायपुर का भी बहुत विकास हुआ है। कृषि, उद्योग, शिक्षा से लेकर हर क्षेत्र में विकास हुआ है। मैं कोई राजनीतिक व्यक्ति नहीं हूं, इसलिए मैं इसमें नहीं पड़ना चाहता हूं कि किस पार्टी की सरकार में क्या हुआ है। मैं इतना कहना चाहता हूं कि हर क्षेत्र में विकास हुआ है। उन्होंने कहा, हमारे व्यापारी वर्ग के लोग हैं, व्यापारी तो ▶▶| शेष पेज 6 पर

सरकार व्यापारियों के हित में काम करती है : सतीश थौरानी

छत्तीसगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा, प्रदेश में व्यापार अच्छा चल रहा है। चैंबर कोई राजनीतिक संस्था नहीं है। यह व्यापारियों के हित में काम करता है। प्रदेश की सरकार भी व्यापारियों के हित ▶▶| शेष पेज 6 पर

रायपुर की पहचान अब देश विदेश में : अमर पारवानी

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने कहा, एक वह समय था जब हम लोग बाहर जाते थे तो रायपुर के बारे में बताना पड़ता था कि रायपु भिलाई स्टील प्लांट के पास पड़ता है। लेकिन छत्तीसगढ़ के ▶▶| शेष पेज 6 पर

रायपुर बन रहा है अब हेल्थ हब : सुनील बलानी

आईटीएसए हॉस्पिटल के सह संस्थापक और निदेशक सुनील बलानी कहा, मैंने अस्पताल खोलने का फैसला इसलिए किया, क्योंकि हमारे प्रदेश के लोगों को अच्छी सुविधा के लिए बड़े शहरों की तरफ जाना पड़ता है। मुझे खुद ▶▶| शेष पेज 6 पर

बृजमोहन अग्रवाल ने कहा-मैं लोगों के दिलों का मैनेजमेंट करता हूं, उसी से हर चुनाव में जीतता हूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने आईएनएच-हरिभूमि के जिला संवाद कार्यक्रम में खुलकर अपने मन की बात कीं। रायपुर के विकास पर जवाब दिए और अपने राजनीतिक जीवन पर भी खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि मैं रायपुर का 8 बार विधायक रहा। लोगों के दिलो का मैनेजमेंट करता हूं, इसलिए चुनाव जीतता हूं। दिल सबके पास होता है, दोनों पार्टी के लोगों के दिलों को जीतने का मैनेजमेंट करता हूं। रायपुर की जनता का स्नेह रहा, जनता और कार्यकर्ताओं ने मुझे इस मुकाम तक पहुंचाया है। हर बार आपके मन के अनुसार काम हो ऐसा संभव नहीं है, अतः जो हो रहा है उसे स्वीकार करना आवश्यक होता है। चुनाव की चुनौतियों के बारे में बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि हर चुनाव को चुनौती ▶▶| शेष पेज 6 पर

लोगों का जीवन स्तर उठाने का काम कर रही सरकार

छत्तीसगढ़ की पिछली सरकार और वर्तमान सरकार के कामकाज को लेकर उन्होंने कहा, सरकार, सरकार होती है। सबका काम सरकार को करना होता है। जिस सरकार का स्थायित्व नहीं होता, वहां पर भ्रष्टाचार अधिक होता है। कांग्रेस सरकार के पहले 15 साल भाजपा की सरकार थी। वहां पर स्थायित्व था, इसलिए अच्छे कार्य हुए। वर्तमान सरकार केंद्र के सहयोग से अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मुफ्त में सुविधाएं देने से विकास कार्य में कटौती होती है। रमन सरकार के कार्यकाल में जीतने काम हुए वह अपने आप में उदाहरण हैं। आज सार्वजनिक कम और व्यक्तिगत काम ज्यादा हो रहे हैं। वर्तमान सरकार में किसानों को धान की कीमत 3100 रुपए, महतारी बंदन, किसानों को पुराना बोनस, पीएम आवास देने का वादा निभाया, इसके माध्यम से लोगों का जीवन स्तर उंचा उठाने का काम किया जा रहा है।

पहली बार कमाने खाने गए युवा की लाश तक नहीं लौटी

आतंक के शिकार युवक का घर पर तीन साल का बेटा कर रहा इंतजार

कुलगाम में आतंकी हमला: छत्तीसगढ़ के दो मजदूरों की मौत

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के दो प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई। इनमें सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले का मजदूर भूपेन्द्र भैना भी शामिल था। 24 साल का भैना पहली बार कमाने-खाने राज्य से बाहर गया था। उसे क्या मालूम था कि यह उसकी आखिरी यात्रा होगी। उसका एक तीन साल का मासूम बेटा है जो दादी और बुआ के साथ गांव में ही है। फिलहाल परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। वे भूपेन्द्र का शव गांव लाने का आग्रह कर रहे हैं। इस हमले में मारे गए दूसरा मजदूर सक्ती जिले के मालखरौदा विकासखंड के बुंदेली गांव का था। खबर है दोनों मृतकों का कुलगाम में ही अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलाईगढ़

हरिभूमि फॉलोअप

बता दें कि आतंकियों ने मजदूरों से उनका नाम और पहचान पूछने के बाद उन पर गोलियां बरसा दीं, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम छुईहा निवासी 24 वर्षीय भूपेंद्र भैना (पिता– दशरथ भैना, माता– कचरा बाई भैना) शामिल हैं। भूपेंद्र करीब तीन-चार महीने पहले पहली बार रोज़गार की तलाश में जम्मू-कश्मीर के एक ईंट-भट्ठे में काम करने गया था। परिवार को क्या पता था कि यह उसकी पहली ही नहीं, आख़िरी यात्रा भी साबित होगी। भूपेंद्र के पिता दशरथ भैना पिछले लगभग नौ महीने से हिमाचल प्रदेश में मजदूरी कर रहे हैं। घर में उनकी छोटी बहन, दादी और तीन वर्षीय मासूम बच्चा है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की सूचना मिलते ही सारंगढ़-बिलाईगढ़ कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू, पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ,एस डी एम प्रफुल्ल रजक सहित प्रशासनिक अधिकारी भूपेंद्र के घर पहुंचे। अधिकारियों ने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया तथा शासन की ओर से हर संभव सहायता और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। इस दौरान भूपेंद्र की बहन ने भावुक अपील करते हुए शासन से अपने ▶▶| शेष पेज 6 पर

भूपेंद्र भैना

दीपक रात्रे

रोजी-रोटी के लिए किया था पलायन

जांजगीर-चाम्पा। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में हुए आतंकी हमले में छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले के एक मजदूर की मौत हो गई। बुंदेली के रहने वाले मजदूर ने रोजी रोटी के लिए पलायन किया था, लेकिन आतंकी हमले का शिकार हो गया। घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया है। सक्ती जिले के मालखरौदा ब्लॉक के ग्राम बुंदेली के रहने वाले मजदूर दीपक रात्रे ने रोजी रोटी के लिए जम्मू-कश्मीर पलायन किया था। वह जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के केलम क्षेत्र में ईंट भट्ठे में काम कर रहा था।

कश्मीर में ही होगा अंतिम संस्कार

भूपेंद्र भैना के छोटे भाई अनुराग भैना ने बताया कि उनके परिवार को इस घटना के बारे में अपने मामा से पता चला, जो अभी जम्मू-कश्मीर में ही हैं। हमारे माता-पिता की तबीयत ठीक नहीं है और हम कश्मीर जाने की हालत में नहीं हैं। अधिकारियों ने हमें बताया है कि मेरे भाई का अंतिम संस्कार जम्मू-कश्मीर में ही किया जाएगा। उसने आगे कहा, मेरा भाई भूपेंद्र भईना पिछले चार-पांच महीनों से जम्मू-कश्मीर में काम कर रहा था। शुक्रवार रात मुझे अपने मामा गणपत का कॉल आया और उन्होंने कहा कि भूपेंद्र को आतंकवादियों ने गोली मार दी है। वह अपने पीछे अपनी पत्नी और तीन साल के बेटे को छोड़ गया है। जब उनसे पूछा गया कि राज्य के बाहर मजदूर के तौर पर काम करके वे कितनी अधिक कमाई कर पाते हैं, तो अनुराग भईना ने कहा, हमें रोजाना लगभग 150 से 250 रुपये अधिक मिलते हैं।

साय ने शोक जताया, 20-20 लाख का ऐलान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आतंकी हमले में सक्ती जिले के निवासी दीपक रात्रे तथा सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के निवासी भूपेंद्र भैना के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने घोषणा की कि राज्य सरकार की ओर से दोनों दिवंगत श्रमिकों के परिजनों को 20-20 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाएगी। श्री साय ने इस जघन्य और अमानवीय आतंकी घटना की कठोर शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना मानवता के विरुद्ध अपराध है और ऐसे कायराना कृत्य किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में छत्तीसगढ़ सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने अधिकारियों को जम्मू-कश्मीर सरकार के अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए हैं।

कार की चपेट में आने से पिता-पुत्र की मौत, पत्नी घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

रजगामार मार्ग पर डूमरडीह के समीप एक तेज़ रफ्तार कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार पिता और पुत्र की मौत हो गई वहीं घायल पत्नी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ग्राम मौहर निवासी चेत राम राठिया स्कूटी में अपनी पत्नी सुमित्रा राठिया और 6 वर्षीय बेटे दिशांत राठिया के साथ अपने घर वापस लौटे रहे थे ।इसी दौरान डूमरडीह चौक पर पीछे से आ रही कार के चालक ने स्कूटी सवार राठिया परिवार को चपेट में ले लिया। हादसे में 6 वर्षीय दिवास की मौके पर ही मौत हो गई वहीं चेत राम राठिया गंभीर रूप से घायल हो गए। चेतराम को उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया जहां उपचार के दौरान चेतराम की भी मौत हो गई।

कानून में संशोधन को राष्ट्रपति की मंजूरी

पेपर लीक कानून पर मुहर, बनेंगे फास्ट ट्रैक कोर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सार्वजनिक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक मामलों में आरोपियों के खिलाफ त्वरित सुनवाई के लिए राज्यों को फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित करने का अधिकार देने तथा सजा को और कड़ा करने वाले संशोधित कानून को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी मिल गई है। राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, विधि मंत्रालय ने बताया कि संसद के दोनों सदनों से इस सप्ताह पारित लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपनी मंजूरी दे दी है।

संशोधित कानून के तहत अब प्रश्नपत्र लीक से जुड़े मामलों की जांच दो महीने के भीतर पूरी करनी ▶▶| शेष पेज 6 पर

2024 में लाया गया था मूल कानून

वर्ष 2024 का मूल कानून उस समय लाया गया था, जब सरकार प्रश्नपत्र लीक के कई विवादों का सामना कर रही थी। वर्ष 2024 के कानून से पहले केंद्र सरकार और उसकी एजेंसियों द्वारा आयोजित लोक परीक्षाओं में अपनाए जाने वाले ▶▶| शेष पेज 6 पर

दो वर्ष पुराने अधिनियम में संशोधन

यह नया कानून दो वर्ष पुराने अधिनियम में संशोधन करते हुए जुर्माने की राशि बढ़ाता है और प्रश्नपत्र लीक के दोषियों के लिए अधिक कठोर दंड का प्रावधान करता है। हालिया छात्र आंदोलनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस कानून और त्वरित सुनवायी अदालतों के गठन का आश्वासन दिया था। कानून में 15 तरह के अवैध कृत्यों का उल्लेख किया गया है, जिनमें प्रश्नपत्र लीक करना, ओएमआर शीट से छेड़छाड़, फर्जी वेबसाइट तैयार करना और फर्जी प्रवेश पत्र जारी करना शामिल हैं।

पहले इसलिए लाया गया था कानून

पूर्व अधिनियम का उद्देश्य संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी), रेलवे, बैंकिंग भर्ती परीक्षाओं, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) तथा अन्य द्वारा आयोजित लोक परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर रोक लगाना था। संशोधित कानून के तहत सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को त्वरित सुनवायी अदालतें गठित करने का निर्देश दिया जाएगा। इन अदालतों को आरोप-पत्र दाखिल होने के तीन महीने के भीतर मुकदमे का निपटारा करना होगा।

तरकश

संजय के दीक्षित

कलेक्टर और 50 लाख की पूजा

सूबे में एक कलेक्टर की आधा करोड़ की तांत्रिक पूजा को लेकर बड़ी चर्चा है। बताते हैं, कामख्या देवी के किसी पंडित ने कलेक्टर को सलाह दी कि आप 50 लाख वाला तांत्रिक अनुष्ठान करा लो...आपका विकेट सुरक्षित रहेगा। कलेक्टर साब ने आव-देखा का ताव, यस कर दिया। अब कामख्या देवी में इतनी महंगी पूजा होती भी है या पंडित ने उन्हें ठग लिया, इसका पता नहीं। मगर उन्होंने यह बात अपने प्रियतमा को बता दी। अब किसी फेमिनिन जेंडर को जानकारी हो जाए, और बात पसरे नहीं, ऐसा संभव है क्या? सो, बात मार्केट में आ गई। हालांकि, विकेट पर टिके रहने के लिए किसी कलेक्टर के लिए 50 लाख कुछ भी नहीं है। कलेक्टर जिले का मालिक होता है। डीएमएफ ना भी हो तो, एक आदिवासी जमीन को बेचने की परमिशन में छोटे जिलों के कलेक्टरों को भी कई खोखा मिल जाते हैं। बहरहाल, आधा करोड़ वाले अनुष्ठान का कमाल तो है, आदिवासी स्टेट में खुलेआम बड़े-बड़े धतकरम करने के बाद भी उनका विकेट मुफीद है तो कुछ तो बात है।

एसपी को दंडाधिकारी पावर?

नए पुलिस कानून में जिलों के एसपी और एडिशनल एसपी को कार्यपालिक दंडाधिकारी पावर देने का प्रावधान किया गया है। अधिकांश राज्यों ने इसे इंप्लीमेंट कर दिया है, क्योंकि इसमें स्टेट को मार्क्स मिलता है। छत्तीसगढ़ को अभी इसमें जीरो नंबर मिल रहा। बताते हैं, मुख्य सचिव ने गृह विभाग के रिव्यू में इसको लेकर सवाल भी किया था कि इसमें जब नंबर मिलना है तो करने में क्या दिक्कत है। मगर अभी इस पर कोई सुगबुगाहट नहीं है। हालांकि, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट का अधिकार ट्रांसफर होने से कलेक्टरों का कुछ नुकसान नहीं होना है। कार्यपालिक दंडाधिकारी में सिर्फ 151 का अधिकार दिया गया है, जो तहसीलदारों के पास रहता है। नए कानून में एसपी, एसीपी को 151 का अधिकार इसलिए ट्रांसफर किया गया कि कभी आधी रात को 151 में किसी को गिरफ्तार किया गया तो तहसीलदार या एसडीएम को जमानत देने के लिए कहां ढूंढने जाएंगे। हालांकि, राजस्व अधिकारियों का कहना है, पुलिस के पास कार्यपालिक दंडाधिकारी पावर जाएगा तो रेट बढ़ जाएगा। अभी मुजरिम अगर गरीब रहा तो हजार रुपए में काम चल जाता है। 500 वकील लेता है और 500 एसडीएम या तहसीलदार। पुलिस के पास अगर ये अधिकार गया तो फिर रेट काफी हाई हो जाएगा। हालांकि, इस तर्क में दम नहीं दिखता। आखिर, छत्तीसगढ़ के एसपी और एसीपी इतने गरीब नहीं कि पांच सौ, हजार ले लेंगे। इसलिए सीएस साब को दोबार रिमाइंड कर इसका क्रियान्वयन करा देना चाहिए।

रिकार्ड विजिट

सीएम विष्णुदेव साय तीन दिन के दिल्ली दौरे में थे। उनका यह दौरा कई मायनों में अलग रहा। संभवतः किसी सीएम का यह पहला विजिट होगा, जिसमें दिल्ली में इतने सारे प्रभावशाली शख्सियतों से मुलाकात हुई। सीएम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिले और संसद में हंगामे, क्रायसिस के बीच पीएम नरेंद्र मोदी से भी। मंत्रियों में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रेल मंत्री आश्वनी वैष्णव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह, आदिम जाति मंत्री जुएल उरांव, संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और फूड तथा एचआडी मंत्री प्रह्लाद जोशी। रायपुर लौटते-लौटते उनकी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से भी मुलाकात हो गई। याने प्रेसिडेंट, पीएम, अमित शाह समेत छह यूनियन मिनिस्टर और फिर पार्टी अध्यक्ष। इसके बाद दिल्ली में अब बचता क्या है? असल में, बस्तर से नक्सलियों के खात्मे के बाद भारत सरकार की प्रायरिटी में छत्तीसगढ़ काफी उपर आ गया है। छत्तीसगढ़ को वेटेज देने के संदर्भ में उपर से क्लियर इंस्ट्रक्शन भी है। इसलिए, किसी भी मंत्री से बात करो, तुरंत टाईम मिल जाता है। कुछ भूमिका सीएम की टीम की भी है। पीएस टू सीएम सुबोध सिंह दिल्ली में रहे हैं, उनका वहां बढियां कनेक्शन है। बहरहाल, कुल मिलाकर सीएम का यह धुंआधार दिल्ली दौरा रहा।

देवपुरूष के नाम पर महापाप!

सेम इसी हेडिंग से एक जून 2025 को इसी जगह पर तरकश में खबर लगी थी और फिर उसे रिपीट करना पड़ रहा तो आप समझ सकते हैं कि झंकझोरने वाला कोई मसला होगा। जी हां, ऐसा ही है। दरअसल, छत्तीसगढ़ में दूसरी बार सरकार बनने के बाद बीजेपी ने तय किया था कि सूबे के सभी 182 नगरीय निकायों में अटल पार्क बनाया जाएगा और उसमें धातु की अटल जी की प्रतिमा लगाई जाएगी। इसके लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने 45 करोड़ रुपए स्वीकृत किया था। मजरा इसी 45 करोड़ से शुरू होता है। तरकश में हमने एक साल पहले चेताया था कि टेंडर होने के बाद भी रायपुर में कुछ लोग दबाव बना रहे कि अटल जी की मूर्ति टेंडर से बाहर जाकर अनाधिकृत रूप से पांच लोगों से खरीदा जाए। इसको लेकर प्रसिद्ध मूर्तिकार और पद्मश्री नेल्सन ने नगरीय प्रशासन के डायरेक्टर से लिखित शिकायत की थी कि अनुभवहीन लोगों को मूर्ति सप्लाई का काम दिया जा रहा। इसमें व्यापक गड़बड़ी हो सकती है। मगर वाह रे सिस्टम। इसके बाद भी होश नहीं आया। और अनाड़ी लोगों से वन-टू-का-फोर करते हुए मूर्तियां ले ली गई। अब सुनिये....कई निकायों की मूर्तियां पहली बारिश में ही खराब होने लगी। कटघोरा नगर पंचायत की अटल प्रतिमा को धातु की बजाए सीमेंट की निकली। इसलिए, बारिश से उसकी परतें निकल गई। वहां के बीजेपी अध्यक्ष ने इसकी शिकायत की। और नगरीय प्रशासन विभाग ने वहां के सब इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया।

बलि का बकरा

जब नगरीय निकायों को फोन करके निर्देशित किया गया था कि रायपुर के पांच ठेकेदारों से ही अटलजी की प्रतिमाएं खरीदनी है तो फिर प्रश्न यह है कि कटघोरा नगर पंचायत के सब इंजीनियर का इसमें क्या कसूर। दरअसल, ऐसे कृत्यों की वजह से ही बलि का बकरा मुहावरा बनाया गया होगा। आखिर किसी पर भी ठीकरा फोड़ना ही था। क्योंकि, मामला बीजेपी के देवपुरूष की प्रतिमा में भ्रष्टाचार से जुड़ा था...सोशल मीडिया में इस पर काफी तीखी प्रतिक्रिया आ रही थी। वैसे भी बड़े लोगों के खिलाफ कभी कार्रवाई कहां होती है। मगर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या पैसे के लिए इतना नीचे गिरा जा सकता है? अटलजी के प्रति बीजेपी ही नहीं पूरा देश श्रद्धा रखता है। आम आदमी भी कम-से-कम अटलजी जैसे वीराट शख्सियत की प्रतिमा मामले में कुछ इधर-उधर करने से पहले सोचेगा। मगर बीजेपी के सिस्टम में बैठे लोग....?

आईएएस, छुट्टी और डेपुटेशन

आईएएस आर शंगीता पिछली कांग्रेस सरकार में कारण कोई भी हो, पूरे पांच साल लीव पर रहीं। दिसंबर 2023 में बीजेपी की सरकार आई तो वापस ज्वाईन की और फिर छह महीने की लीव पर अमेरिका जा रही हैं। शंगीता अच्छी अफसर हैं। एक तो सिस्टम ने उनसे शराब बिकवाकर अच्छा काम नहीं किया। जाहिर है, इस विभाग में कभी भी अच्छे अफसरों को पोस्ट नहीं करना चाहिए, क्योंकि वहां पैसे गिनने के अलावे, कोई काम नहीं होता। बहरहाल, 6 मई के आईएएस ट्रांसफर में शंगीता को अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन का सिकेट्री बनाया गया और उन्होंने तीन महीने में ही विभाग को हिलाकर रख दिया। चुनावी दृष्टि से नगर निगम बड़ा महत्वपूर्ण विभाग है। पता नहीं क्यों, इतना अच्छा काम कर रही शंगीता को अवकाश कैसे स्वीकृत कर दिया गया। हालांकि, ये पहली बार नहीं हुआ है कि अच्छे अफसरों को सिस्टम ने सुध नहीं लिया। दिवंगत आईएएस एम. गीता बढ़ियां हैंड थीं। वे राज्य बनने के 16 साल बाद छत्तीसगढ़ लौटी थीं तो बीबीआर सुब्रमणियम 17 साल बाद दिल्ली से वापस आए। 2003 बैच की आईएएस ऋतु सेन भी रिजल्ट देने के नाम से जानी जाती हैं। उनके कलेक्टर रहने के दौरान उनके चलाए स्वच्छता अभियान से अंबिकापुर आज भी रैंक कर रहा है। वे पिछले 13 साल से रायपुर से बाहर हैं। श्रुति सिंह पांच साल यूपी में डेपुटेशन पर रहीं और पांच साल से दिल्ली में रेजिडेंट कमिश्नर हैं। याने 10 साल से छत्तीसगढ़ से आउट। इसी तरह नीरज बंसोड़ और संगीता पी का भी पांच साल से अधिक हो गया है। सवाल उठता है, जब सुबोध सिंह, मुकेश बंसल और अमरेश मिश्रा को तीन साल में डुपेटेशन से बुलाया जा सकता है तो लंबे समय से जमे अफसरों को क्यों नहीं। जाहिर है, छत्तीसगढ़ से लंबे समय से बाहर कई अफसर काफी अच्छे हैं। वे अगर यहां होते तो राज्य का भला होता, ब्यूरोक्रेसी में काम को लेकर स्वस्थ्य प्रतिस्पर्धा होता। चीफ सिकरेट्री को सरकार से बात कर अच्छे अफसरों को बुलाने का प्रयास करना चाहिए।

महिला अफसर का वीआरएस

भारतीय राजस्व सेवा की अफसर पिछले कई साल से डेपुटेशन पर मंत्रालय में पदस्थ थी। सुनने में आ रहा कि उनका डेपुटेशन नहीं बढ़ा तो उन्होंने स्वेच्छिक सेवानिवृत्ति की अर्जी लगा दी है। याने वे नौकरी छोड़ रही हैं। छत्तीसगढ़ में अमन सिंह के बाद वे दूसरी आईआरएस अफसर होंगी, जो नौकरी छोड़ रही हैं। हालांकि, अमन सिंह का मसला दूसरा था। वे तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ0 रमन सिंह के सिकेट्री थे। डेपुटेशन एक्सटेंड नहीं हुआ, तो उन्होंने नौकरी से त्यागपत्र दे दिया था। अब महिला आईआरएस का क्या मामला है, पता नहीं।

आईपीएस को नोटिस

पुलिस मुख्यालय ने एक आईपीएस अधिकारी को कारण बताओ नोटिस थमा दी है। बताते हैं, पिछले महीने एक जिले के एसपी रहते आईपीएस ने बिना मुख्यालय को सूचित किए, दूसरे प्रदेश का दौरा कर आए थे। खुफिया विभाग को इसका पता चल गया। नियम यह है कि एसपी को जिला छोड़ने की सूचना अपने आईजी के साथ पीएचक्यू को देना चाहिए। मगर न उन्होंने आईजी को बताया और न पीएचक्यू को। और तफरीह करने दूसरे राज्य चले गए। पीएचक्यू के अधिकारियों ने संबंधित आईजी से पूछा तो आईजी बोले, साब ये तो पहले भी मुझे बताए बिना कई बार दिल्ली, मुंबई जा चुका था। यह सुनकर पुलिस मुख्यालय ने अफसर को सबक सिखाने का फैसला किया।

साल में दो विदेश दौरा

आईपीएस की किस्मत खराब थी, बिना इजाजत अदर स्टेट चले गए और पकड़े गए। छत्तीसगढ़ में तो ये कॉमन हो गया है। कलेक्टर, एसपी बिना जीएडी या पीएचक्यू को इंफार्म किए जिला छोड़ देते हैं। कुछ महीने की पहले की बात है, एक कलेक्टर, एसपी बिना किसी को बताए शादी में मुंबई चले गए थे। मुख्य सचिव भी दो-एक कलेक्टरों को बिना नाम लिए टोक चुके हैं, कि जिला छोड़ वे घूमते रहते हैं। अब तो एक और चीज हो रही। फील्ड में रहते कलेक्टर, एसपी साल में दो-दो बार विदेश घूमकर आ जा रहे। ये सही है कि विदेश जाना अब खास कॉस्टली नहीं रहा, मगर कोई लिमिट तो होनी चाहिए। मुख्यमंत्री से लेकर कई मंत्री एक बार ही फॉरेन जा पाए हैं, मगर शायद ही कोई अफसर होगा, जो ढाई साल में चार-पांच देश न घूम आया होगा। आईएएस, आईपीएस तो बड़ी बात, राप्रसे और रापुसे भी पीछ्रे नहीं। एक एडिशनल एसपी को पीएचक्यू की फटकार के बाद विदेश में सैर-सपाटे की फोटो सोशल मीडिया से हटाना पड़ा।

लोहा चोर जनप्रतिनिधि

छत्तीसगढ़ के करप्शन के वायरस से केंद्र सरकार की कंपनियां भी अब अछूती नहीं रही। बात एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट कहे जाने वाले बीएसपी की कर रहे हैं। पुलिस ने 250 टन लोहा चोरी के मामले में दर्जन भर लोगों को पकड़ने के अलावा भिलाई स्टील प्लांट के जीएम, एजीएम को भी गिरफ्तार किया। पुलिस के राडार पर सीआईएसएफ के कई अधिकारी भी है। जाहिर है, बीएसपी में 600 सीआईएसएफ के जवान तैनात हैं। मगर आश्चर्य कि जहां से ट्रक-के-ट्रक लोहा पार हो रहा था, वहां पर सीआईएसएफ ने उस प्वाइंट पर न किसी जवान को तैनात किया और न ही वहां सीसीटीवी कैमरा लगवाया। याने पूरी मिली-जुली कुश्ती थी। पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि सिर्फ मार्च से लेकर अब तक 3000 टन लोहा चोरी हुई है, जो करीब 16-17 करोड़ की होती है। हालांकि, बीएसपी में लोहा चोरी का खेल प्रबंधन और माफियाओं के साथ मिलकर करीब दशक भर से चल रहा था। वो तो एसएसपी विजय अग्रवाल का कमाल कि वे किसी की परवाह नहीं करते, सो गिरोह पर हाथ डाल दिए। बहरहाल, वहां के लोगों का कहना है, भिलाई के अधिकांश जनप्रतिनिधि लोहा चोरी करते-करते नेता बन गए। भिलाई के 90 परसेंट सफेद कपड़े पहनने वाले लोहा चोरी कर बड़े और सम्मानित आदमी बन बैठे। उन चोरों के कार्यक्रमों में बड़े-बड़े लोग, नेता-मिनिस्टर पहुंचते हैं।

किस्मत-किस्मत की बात

अफसरों की पोस्टिंग में किस्मत का भी बड़ा रोल रहता है। अब देख ही रहे हैं, कवर्धा के कलेक्टर गोपाल वर्मा पूर्व मुख्यमंत्री के सगे भांजी दामाद हैं। कांग्रेस सरकार में वे एलायड कोटे से डंके की चोट पर आईएएस बनें और कुछ ही दिन बाद उन्हें खैरागढ़ की कलेक्टरी मिल गई। दिसंबर 2023 में सरकार बदली तो लगा कि वर्मा जी के अच्छे दिन अब चले गए। मगर वर्मा जी ने तो कमाल कर दिया। डिप्टी सीएम के गृह जिले में कलेक्टर बन गए और अब तो दो साल होने जा रहे हैं। कवर्धा में दो एसपी बदल गए...पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र छवई से तो उनकी तनातनी हो गई थी। मगर वर्मा जी को कोई हिला नहीं पाया। ये होती है किस्मत। कई अफसर आज भी पिछली सरकार के लेवल को धो नहीं पाए हैं तो आधा दर्जन से अधिक आईपीएस अधिकारी ढाई साल बाद भी बियाबान में पड़े हैं। मगर दामाद बाबू का जलवा देखिए। तभी तो ब्यूरोक्रेसी में लोग चुटकी ले रहे...वर्मा जी की कुंडली देखनी पड़ेगी....आखिर जिस जिले में सिद्धार्थ परदेशी, मुकेश बंसल, सोनमणि बोरा, दयानंद, अवनीश शरण जैसे कलेक्टर रहे हैं, वहां वर्मा जी डटे हुए हैं। अलबत्ता, गंभीर सवाल ये भी कि सिस्टम का कोई मापदंड है भी या नहीं! एक तरफ, ढाई साल गुजरने के बाद भी पिछली सरकार के कई अफसरों को लेकर नाक-भौं सिकोड़ा जाता है, और दूसरी तरफ दामाद बाबू...?

पीएससी खाली क्यों?

छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी सरकारी परीक्षा एजेंसी पीएससी में चेयरमैन प्लस थ्री मेंबर का सेटअप एपूव्ह हुआ था। मगर विडंबना है कि इस समय वन प्लस वन की स्थिति है। याने एक चेयरमैन और एक मेंबर। बता दें, पीएससी के गठन के बाद ऐसा कभी नहीं हुआ कि पूरे तीन मेंबर रहे हों। इस समय तो स्थिति और खराब हो गई है। ऐसा नहीं कि कोई पीएससी का मेंबर नहीं बनना चाहेगा। पीएससी मेंबर का पद चीफ सिकरेट्री के समकक्ष होता है, बंगला-गाड़ी, नौकर और चार लाख के करीब सेलरी मिलती है। मगर पिछली सरकार ने भी मेंबरों के सभी पद नहीं भरे और इस सरकार में भी यही हो रहा है। परीक्षाओं के आयोजन में महीनों से लेकर सालों विलंब होने की वजह भी शायद यही होगी। सिस्टम चाहे तो अच्छी छबि वाले शिक्षाविदों या रिटायर अधिकारियों को पोस्ट किया जा सकता है।

चौयरमैनों के नाते-रिश्तेदार

छत्तीसगढ़ पीएससी के साथ विडबंना यह है कि या तो परीक्षा घपले-घोटालों की भेंट चढ़ गई या फिर चेयरमैन या मेंबरों के नाते-रिश्तेदार डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी बन गए। इसमें जेल की सैर कर रहे टामन सिंह सोनवानी सबसे आगे हैं। हालांकि, टामन सिंह ने सीमाओं को लांघ दिया, इसलिए एक्सपोज हो गए। वरना, प्रदीप जोशी को छोड़ अधिकांश चेयरमैनों के बेटे-बेटियां आज की तारीख में डिप्टी कलेक्टर या कलेक्टरी कर रही हैं। जिसके बच्चे नहीं, वे अपने भाई-बहनों के बच्चों को उपकृत कर गए।

सबसे बड़ा रुपैया!

डायन भी एक घर छोड़कर चलती है। मगर छत्तीसगढ़ के डॉक्टर्स जेबकटी में ऐसे ब्लाइंड हो गए हैं कि अपना-पराया, बिरादरी की भी परवाह नहीं। मसला राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज की एक इंटर्न स्टूडेंट का है। एमबीबीएस के फायनल ईयर की स्टूडेंट्स को कैंसर डिटेक्ट हुआ। ऑपरेशन से पहले वह एक रुपए में सरकारी जमीन लेकर पैथोलेब खड़ा करने वाले धनपशुओं के इंस्टिट्यूट में पहुंची। छात्रा के परिजनों का कहना है कि तीन हजार के टेस्ट के बदले 12500 रुपए वसूला गया। वो भी गलत रिपोर्ट का। जिस अस्पताल में ऑपरेशन हुआ, वहां का टेस्ट रिपोर्ट बिल्कुल उल्टा आया। मेडिकल छात्रा ने पैथोलेब से आग्रह किया, एक तो रेट ज्यादा, वो भी गलत रिपोर्ट...कम-से-कम कुछ पैसा ही वापस कर दें। छात्रा छत्तीसगढ़ की है, आर्थिक दृष्टि से कमजोर भी। मगर धनपशुओं ने टका-सा जवाब दे दिया...पैसा वापस करने का सवाल ही नहीं। रायपुर के डॉक्टर बिरादरी को इस पर विचार करना चाहिए...एमबीबीएस की छात्रा, कैंसर से पीड़ति...फिर भी धरती के भगवान का दिल नहीं पसीजा? क्या पैसा ही सब कुछ हो गया है?

अंत में दो सवाल आपसे?

1. कलेक्टरी सुरक्षित रखने के लिए आधा करोड़ की पूजा कराने वाले कलेक्टर किस संभाग के हैं?

2. क्या ये सही है कि मंत्रिमंडल की सर्जरी अब अगले अक्टूबर, नवंबर तक के लिए टल गया है?

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

आर्डर आने से पहले एनालॉग का प्रोडक्शन बंद, पनीर ही नहीं मक्खन और दही भी बैन, असली की कीमत बढ़ने के आसार

भौतिक सत्यापन के लिए निकली एफडीए की टीम, नियम तोड़ने पर कार्रवाई की चेतावनी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

मिल्क पावडर और पाम ऑयल से बनने वाले एनालॉग पर प्रतिबंध का आर्डर आने से पहले ही फैक्ट्रियों में प्रोडक्शन बंद कर दिया गया था। शासन ने पनीर के अलावा इस तरीके से बनने वाले मक्खन और दही पर भी बैन किया है। नकली पनीर की बिक्री बंद होने के बाद असली की कीमत दोगुनी होने के आसार हैं। इधर आदेश का पालन कर भौतिक सत्यापन के लिए एफडीए की टीम निरीक्षण के लिए निकली। संचालकों को चेताया गया है कि नियम तोड़ने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार एनालॉग पनीर के साथ असली दुग्ध उत्पादों का भ्रम पैदा करने वाले खाद्य पदार्थों पर खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत एक साल का प्रतिबंध लगाया गया है। अधिकारिक सूत्रों का कहना है कि आवश्यकता होने पर आदेश का एक्सटेंशन किया जाएगा। एनालॉग पनीर के अलावा डिमांड की वजह से मक्खन,

क्रीम और दही का निर्माण भी मिल्क पावडर और पाम ऑयल से किया जाता है जिसके भी निर्माण और प्रतिबंध के दायरे में लाया गया है। एनालॉग पर प्रतिबंध की जानकारी पहले ही कारोबारियों तक पहुंच चुकी थी इसलिए पिछले तीन-चार दिनों से इन फैक्ट्रियों में उत्पादन बंद किया जा चुका है। रायपुर जिले समेत प्रदेश में करीब डेढ़ दर्जन स्थानों पर एनालॉग पनीर का निर्माण किया जाता है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे आदेश के पालन का भौतिक सत्यापन करें और नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई करें। माना जा रहा है कि एनालॉग पनीर सहित अन्य नकली दुग्ध उत्पादों का निर्माण बंद होने के बाद असली के दामों में आने वाले दिनों में बढ़ोतरी होने के आसार बन रहे हैं।

एनालॉग पर प्रतिबंध की खबर पहले ही लीक होने की वजह से इस सस्ते पनीर की जमाखोरी की आशंका भी है। जानकारों का कहना है कि बड़ी मात्रा में पनीर की खपत करने वाले होटलों और रेस्टोरेंट में इसका स्टॉक सुरक्षित किया जा चुका है। विभागीय अधिकारियों का तर्क है कि इस संदेह के आधार पर आने वाले दिनों में ऐसे संस्थानों को जांच के दायरे में लाया जा सकता है। राजधानी समेत प्रदेश में पिछले कुछ सालों से स्ट्रीट फूड का चलन बढ़ा है। इसमें पावभाजी का व्यापार भी फल फूल रहा है जो अपने ग्राहकों को जमकर मक्खन परोस रहे हैं। इन सब बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए दुग्ध उत्पाद होने का अहसास कराने वाले मिल्क पॉवडर और पाम ऑयल से बनने वाले उत्पादों को प्रतिबंधित किया गया है।

रायपुर जिले के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम शनिवार को भाठागांव के फर्म मेसर्स केएलपी, निमोरा स्थित एसजे डेयरी प्रोडक्ट्स, बीरगांव स्थित मेसर्स कांशी एग्रो एवं श्री सावरिया सेठ मिल्क प्रोडक्ट्स का निरीक्षण किया। जांच में सभी फर्मों में एनालॉग या अन्य कोई खाद्य पदार्थ का विनिर्माण/संग्रहण या विक्रय होना नहीं पाया गया है। सभी निर्माताओं को स्पष्ट निर्देश दिया गया कि राज्य में एनालॉग के प्रतिषेध आदेश का पूर्णतः पालन करे अन्यथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अतर्गत कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। साथ ही जिन निर्माता फर्मों के लाइसेंस में ऐसे प्रतिषेध उत्पाद अंकित हैं, उन्हें आवश्यक संशोधन कराते हुए नियमानुसार अनुपालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

कड़ी कार्रवाई होगी

प्रतिबंधित वस्तुओं का अगर निर्माण करते कोई पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मैदानी अमले को इस बात की सख्त हिदायत दी गई है कि इनका निर्माण और बिक्री पर नजर रखे।

- **दीपक अग्रवाल**, नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन \

शब्द पहेली - 6305

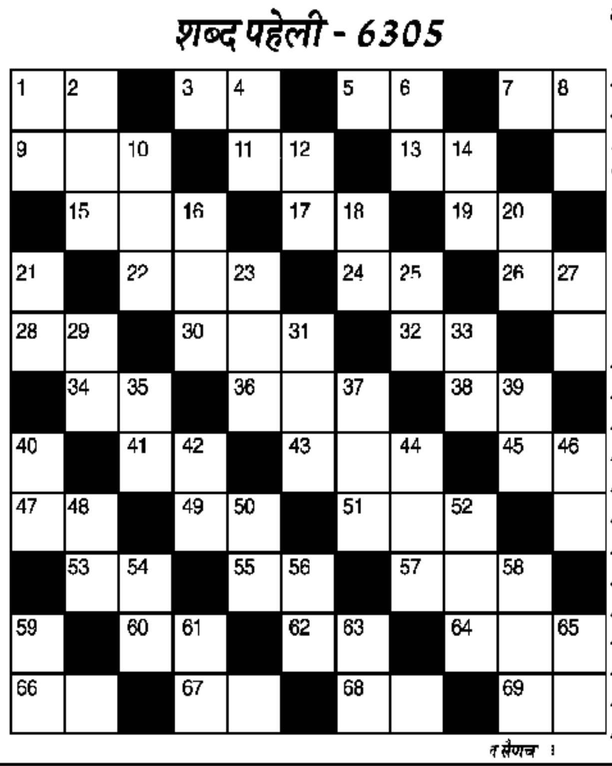

बाएँ से दाए

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली- 6304 का हल

■	स	र	ग	ना	■	आ	म	रा	य	■
फि	■	न	ज	ला	■	फि	क	र	■	त
त	ल	■	ल	य	■	स	र	■	ला	ल
र	ह	ना	■	क	हा	र	■	ज	ल	वा
त	र	सा	ना	■	ति	■	ज	ल	च	र
■	■	■	र	ह	म	दि	ल	■	■	■
ब	ग	दा	द	■	ता	■	न	ज	रा	ना
र	य	ल	■	स	ई	स	■	य	ह	रा
ग	ला	■	स	दा	■	ल	स	■	त	य
द	■	ग	ली	चा	■	बा	न	र	■	ण
■	का	श्त	का	र	■	र	म	जा	न	■

सूडोकु नवताल- 6315

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 6314 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 टॉप-4 में एंट्री पांच महिला बॉक्सरों का धमाकेदार प्रदर्शन

जैस्मिन लंबोरिया

सोने की बरसात... बॉक्सिंग में 7 गोल्ड जीतकर भारत ने रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का 10वां दिन भारत के लिए कमाल का रहा। शनिवार का दिन बॉक्सर के नाम रहा। महिला बॉक्सरों के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद भारत के सचिन सिवाच पुरुष 60 किग्रा वर्ग में नामीबिया के ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो के खिलाफ फाइनल जीतकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। भारत ने पहली बार राष्ट्रमंडल खेलों के एक ही संस्करण में बॉक्सिंग में रिकॉर्ड 7 गोल्ड मेडल अपने नाम कर इतिहास रच दिया। पुरुषों के 60 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले में सचिन सिवाच ने नामीबिया के ▶▶|शेष पेज 6 पर

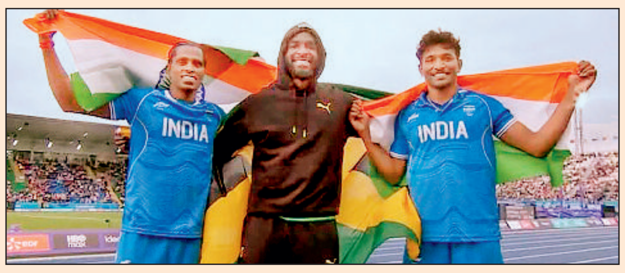

अब तक 12 गोल्ड, 16 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज के साथ 36 मेडल

शनिवार को खिलाड़ियों के दमदार प्रदर्शन के दम पर भारत अब 12 गोल्ड, 16 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज के साथ कुल 36 मेडल हासिल कर मेडल टैली में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। शुक्रवार को इवेंट खत्म होने तक भारत 10वें स्थान पर था, लेकिन लगातार मेडल जीतकर अब भारत ने अपनी स्थिति को और मजबूत कर ली है।

बॉक्सिंग में जीता गोल्ड

- अंकुश पंघाल ने इंग्लिश बॉक्सर को 4-1 से हराया
- सचिन सिवाच के आखिरी पंच से सोना आया
- अरुंधति चौधरी ने इंग्लैंड की कैंथले रीड को 5-0 से हराया
- प्रिया घंघास की संघर्षपूर्ण जीत
- साक्षी चौधरी ने इंग्लैंड की खिलाड़ी को 5-0 से हराया
- प्रीति पवार ने कनाडाई मुक्केबाज को हराया
- जैस्मिन लांबोरिया ने मिशेला वॉल्स को 5-0 से मात दी

पैरा शॉट पुटर सोमन ने गोल्ड जीता

पैरा शॉट पुट इवेंट की एफ-57 कैटेगरी में भारत के सोमन राणा ने सीजन बेस्ट थ्रो के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। एक अन्य भारतीयय शुभम जुयाल ने सिल्वर पाया। सोमन राणा ने 13.40 मीटर गोला फेंका। शुभम जुयाल ने 13.28 मीटर थ्रो किया। एफ-57 कैटेगरी में वे खिलाड़ी आते हैं, जिनके कम के नीचे के अंग (पैरों) कमजोर होते हैं। लेकिन

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

31 जुलाई तक 5.9 करोड़ आईटीआर दाखिल

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने शनिवार को कहा कि 31 जुलाई तक कर निर्धारण वर्ष (एवाई) 2026-27 के लिए 5.9 करोड़ से अधिक आयकर रिटर्न दाखिल किए जा चुके हैं। कर निर्धारण वर्ष 2026-27 के लिए बिना किसी जुर्माने और ब्याज के आयकर रिटर्न 1 और 2 दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई थी। यह तिथि उन करदाताओं के लिए थी, जिनके खातों का ऑडिट होना अनिवार्य नहीं है।

ब्राउन शुगर के साथ असम का व्यक्ति गिरफ्तार

इंफाल। मणिपुर के जिरिबाम जिले में पुलिस ने असम के एक व्यक्ति को 5.21 किलोग्राम ब्राउन शुगर (मादक पदार्थ) के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि असम के कछार जिले की सीमा से सटे जिरिबाम थाना क्षेत्र के लेइनगांगपोकपी इलाके में एक चार पहिया वाहन को जांच के लिए रोका गया था। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से यह मादक पदार्थ बरामद हुआ। इसके बाद कार चला रहे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया।

बाढ़ और भूस्खलन में चार की मौत

इडुक्की/कोट्टायम। केरल में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के बीच शनिवार को इडुक्की और कोट्टायम जिलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई तथा कई अन्य लोगों को बचाया गया। मृतकों की पहचान जोसेफ (24) और उसकी मां रेजिना जॉनी (46) के रूप में की गयी है। मृतकों में इडुक्की जिले के कुडयाथूर के निकट अड्रूमाला क्षेत्र की रहने वाली सुमति शामिल हैं। भूस्खलन का मलबा उनके घर पर आ गिरा, जिससे उनकी मौत हो गई।

ट्रक की टक्कर से स्कूटर सवार दो बच्चों की मौत

कोलकाता। कोलकाता के उत्तरी बाहरी इलाके में शनिवार सुबह पिता के साथ स्कूटर पर सवार होकर स्कूल जाते समय ट्रक की टक्कर लगने से दो सगे भाइयों की मौत हो गई। यह हादसा उत्तर 24 परगना जिले के बरानगर स्थित मलिक कॉलोनी के निकट बी. टी. रोड पर हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह हादसा तब हुआ जब स्कूटर चालक वाहन को सड़क के किनारे पड़े निर्माण सामग्री के बीच से निकलने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने बताया कि दोनों बच्चे खालसा स्कूल के छात्र थे और उनकी उम्र पांच और सात वर्ष थी।

1 अगस्त से कई नियमों में बदलाव, थोड़ी राहत-थोड़ी आफत, इकम टैक्स रिटर्न फाइल करने पर अब चुकानी पड़ेगी लेट फीस

तत्काल टिकट के लिए लेना होगा टोकन
कमर्शियल सिलेंडर 192 रुपए सस्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

होटल और रेस्तरां जैसे प्रतिष्ठानों में उपयोग होने वाली वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में शनिवार को बड़ी कटौती की गई। इसके तहत 19 किलोग्राम के एलपीजी के सिलेंडर के दाम में 192 रुपए की कमी की गयी है। वहीं विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में 5 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। यह बदलाव अंतरराष्ट्रीय मानक दरों के रुख को देखते हुए किया गया है। दिल्ली में 19 किलोग्राम का वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर अब 2,930 रुपए के बजाय 2,738 रुपए का मिलेगा। वहीं, एटीएफ की कीमत 110 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 115 रुपए प्रति लीटर कर दी गई है। यह लगातार दूसरा महीना है, जब वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में कटौती की गई है।

खास खबर

अगस्त की पहली तारीख में बड़ा बदलाव हुआ है। इसका सीधा असर हमारे और आपके जेब पर पड़ेगा। तत्काल टिकट, एलपीजी सिलेंडर, केवाईसी में नए नियम लागू हो गए हैं। रेलवे में तत्काल टिकट के लिए अब टोकन लेना जरूरी हुआ। कमर्शियल सिलेंडर 192 रुपए सस्ता हो गया। इसके अलावा 3 से 5 अगस्त को होने वाली आरबीआई की मीटिंग में नई ब्याज दरों पर फैसले लिया जाएगा, जिसका आपकी ईएमआई पर असर पड़ सकता है।

तत्काल टिकट का नया सिस्टम

रेलवे में तत्काल टिकट के लिए नया टोकन सिस्टम लागू हो गया। अमूमन देखा जाता है कि तत्काल टिकट के लिए काउंटर पर लोगों को लंबी लाइन लगानी होती थी। और टोकन भी अलग-अलग काउंटर पर मिलता था। लेकिन आज से ऐसा नहीं होगा। आप टोकन लेकर जा सकते हैं। नंबर आने पर टिकट मिलेगा। इससे लोगों का समय भी बचेगा।

उज्जवला गैस के लिए ई-केवाईसी जरूरी

सभी लाभार्थियों को सब्सिडी के लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य हो गया है। अगर आप भी एलपीजी सिलेंडर पर सब्सिडी का लाभ उठाते हैं तो ई-केवाईसी जरूर करवा लें।

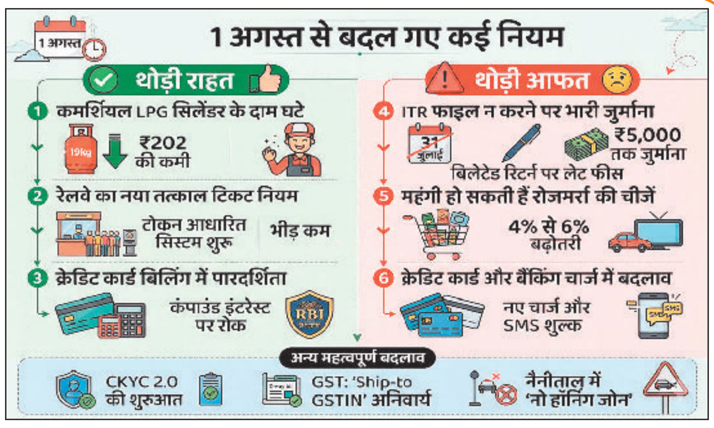

आरबीआई मॉनेटरी पॉलिसी से ईएमआई और एफडी दरों पर असर

रिजर्व बैंक की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक 3 अगस्त से 5 अगस्त तक आयोजित होगी। इसके फैसलों का ऐलान 5 अगस्त को किया जाएगा। ब्याज दरों में बदलाव की उम्मीद कम है, लेकिन अगर इसमें कोई भी बदवाल होता है तो आने वाले हफ्तों में आपके लोन की ईएमआई, एफडी रिटर्न्स और लोन पर असर होगा।

केवाईसी 2.0 की शुरुआत

शनिवार से से बैंकिंग, इंश्योरेंस और म्यूचुअल फंड सेक्टर केवाईसी 2.0 प्रक्रिया शुरू कर रहा है। नए सिस्टम के अनुसार सभी वित्तीय संस्थाएं एक सेंट्रल डेटाबेस से ग्राहकों की वेरीफाइड डीटेल्स का एक्सेस लेंगे। इस प्रक्रिया से ग्राहकों को बार-बार ई-केवाईसी के झंझट से मुक्ति मिल जाएगी।

क्रेडिट कार्ड ग्राहकों को भी राहत

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तरफ से क्रेडिट कार्ड के बिलिंग रूल में बदलाव किया गया है। नए नियमों के अनुसार अगर कोई व्यक्ति अपने क्रेडिट कार्ड का बिल समय से पूरा नहीं भर पाता है तो बचे हुए पैसों के भुगतान के लिए समय पेनाल्टी, टैक्स आदि शामिल नहीं किया जाएगा। इससे अब ब्याज का खर्च समय से भुगतान ना होने पर कम होगा।

हाईकोर्ट ने जारी किया आदेश

शहीद की पत्नी के वेतन में कटौती, आदेश रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

नक्सल हिंसा में शहीद पुलिसकर्मी की पत्नी को अनुकंपा नियुक्ति के बाद स्वीकृत वेतन में बिना किसी पूर्व सूचना और सुनवाई के कटौती के मामले में हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक, बालोद द्वारा जारी वेतन कटौती के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि कर्मचारी के वेतन का पुनर्निर्धारण या कटौती, गंभीर वित्तीय प्रभाव डालती है। लिहाजा इस तरह का आदेश जारी करने से पहले कर्मचारी को नोटिस देकर उसका पक्ष सुनना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत अनिवार्य है।

याचिकाकर्ता जयश्री कौशिक के पति विनोद कौशिक नक्सलवाद के खिलाफ अभियान के दौरान शहीद हुए थे। पति के शहीद होने के बाद जयश्री कौशिक को 18 सितंबर 2018 को जिला बल, बालोद में सब-इंस्पेक्टर ▶▶|शेष पेज 6 पर

वेतन कटौती का आदेश निरस्त

वेतन में कटौती का निर्णय लेने से पहले याचिकाकर्ता को न तो कारण बताओ नोटिस जारी किया गया और ना ही अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। वेतन कटौती जनवरी 2020 से लागू भी कर दी गई, जबकि आदेश की प्रति उन्हें फरवरी 2020 में दी गई। इसके बाद एसपी के आदेश को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने अपने फैसले में शीर्ष अदालत के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि वेतन का पुनर्निर्धारण अथवा उसमें कटौती कर्मचारी के लिए गंभीर वित्तीय प्रभाव पैदा करती है। यह उसके खिलाफ सिविल परिणाम वाला आदेश है।

पीओके में 'ब्रॉड पीक' पर हिमस्खलन

पाक की चोटी पर बर्फीला तूफान मशहूर पर्वतारोही निर्मल की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| काठमांडू

नेपाल के दिग्गज पर्वतारोही निर्मल पुर्जा की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के गिलगित बाल्तिस्तान में स्थित 'ब्रॉड पीक' पर हिमस्खलन होने से मौत हो गई। स्थानीय मीडिया में शनिवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई। पुर्जा (43) गुरुवार को कराकोरम पर्वतमाला में के2 के पास स्थित 'ब्रॉड पीक' पर आए हिमस्खलन की चपेट में आने वाले 10 पर्वतारोहियों में शामिल थे। करीब 7,000 मीटर की ऊंचाई पर यह हिमस्खलन हुआ था। नेपाल के पर्वतारोहण प्राधिकरण ने बताया कि एक नेपाली पर्वतारोही समेत तीन पर्वतारोहियों के शवों की पहचान की जा चुकी है, जबकि छह अन्य के शवों का पता चल गया है।

'एलीट एक्सपीडिशन' ने सोशल मीडिया पर कहा, हमें बेहद दुख और गहरे शोक के साथ यह पुष्टि करनी पड़ रही है कि निर्मल 'निम्सदाई' पुर्जा की ब्रॉड पीक पर हिमस्खलन के बाद दुखद मृत्यु हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि देते हैं।

'ब्रॉड पीक' अभियान आखिरी सफर

'ब्रॉड पीक' अभियान पुर्जा के शानदार पर्वतारोहण करियर का अंतिम अभियान साबित हुआ। यह दुनिया का 12वां सबसे ऊंचा पर्वत है और इसे पर्वतारोहण के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण चोटियों में से एक माना जाता है। ब्रॉड पीक पर चढ़ाई पूरी करने के बाद वह आठ हजार मीटर की सभी 14 चोटियों पर दो बार चढ़ने का अपना मिशन पूरा करने वाले थे। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने पुर्जा और पांच अन्य नेपाली पर्वतारोहियों के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, /"निर्मल पुर्जा और अन्य दिवंगत पर्वतारोहियों की केवल शारीरिक यात्राएं समाप्त हुई हैं।

6 महीने में फतह की थी 14 चोटियां

पुर्जा ने वर्ष 2019 में दुनिया की 8,000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली सभी 14 चोटियों को केवल 6 महीने और 6 दिन में फतह कर नया रिकॉर्ड बनाया था। दुनिया की 14 सबसे ऊंची चोटियों पर सबसे तेज चढ़ाई का रिकॉर्ड बनाने के अलावा पुर्जा की उपलब्धियों में दुनिया के तीन सबसे ऊंचे पर्वत-एवरेस्ट, के2 और कंचनजंगा पर सबसे तेज चढ़ाई का रिकॉर्ड भी शामिल है। वह जनवरी 2021 में सर्दी के दौरान के2 पर सफलतापूर्वक पहुंचने वाले शुरुआती पर्वतारोहियों में भी शामिल थे।

घटना बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र के कर्राघाटी की

घर में घुसकर दो लोगों को घायल करने वाले तेंदुए का मिला शव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धमतरी

धमतरी जिले के बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र के कर्राघाटी गांव में शुक्रवार की रात एक तेंदुए ने घर में घुसकर दो व्यक्ति को घायल कर दिया। बाद में तेंदुआ को मृत अवस्था में पाया गया। तेंदुआ की मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम ▶▶|शेष पेज 6 पर

वनमंडलाधिकारी ने किया मुआयना

मृत वन्य प्राणी मादा तेंदुआ का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत कार्रवाई करते हुए वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। घटनाक्रम के दौरान वनमंडलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव एवं अधीनस्थ स्टाफ मौके पर मौजूद रहे। वनमंडलाधिकारी ने मौके का मुआयना किया। तेंदुआ का शव परीक्षण उपरांत मृत्यु की न्यायिक जांच के लिए बिसरा संग्रह कर शव दाह किया गया।

कश्मीर से केरल तक बिगड़े हालात, बाढ़ में बह गईं गाड़ियां नेशनल हाईवे बंद

किश्तवाड़ और शोपियां में बादल फटे, केरलम में 'धंस' गई जमीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में बारिश अब लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। जम्मू-कश्मीर, केरल, गुजरात और महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। कहीं नदियां उफान पर हैं और पानी बस्तियों में घुस गया है, तो कहीं लैंडस्लाइड की वजह से रास्ते बंद हो गए हैं। जम्मू के किश्तवाड़ और शोपियां में बादल फटने की घटना हुई। केरलम में भारी बारिश के कारण कई जिलों में भूस्खलन और बाढ़ आ गई। किश्तवाड़ जिले के चत्रू इलाके में शुक्रवार देर रात करीब दो बजकर तीस मिनट पर बादल फटने की घटना हुई। पानी का बहाव इतना तेज था कि इसमें गाड़ियां तक बह गईं। लोगों की संपत्ति को भी नुकसान हुआ है। शनिवार को शोपियां जिले के पेहलीपोरा इलाके में बादल फटने के बाद स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स तेजी से बचाव और

लोगों को सुरक्षित निकालने का ऑपरेशन चलाया। जोरदार बारिश की वजह से पानी और कीचड़ का तेज बहाव हुआ, जिससे इलाके के पांच घरों और एक स्कूल की बिल्डिंग में पानी भर गया। एसडीआरएफ की टीमें स्थानीय पुलिस के साथ तुरंत मौके पर पहुंचीं और प्रभावित इलाके से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। चत्रू-किश्तवाड़ नेशनल हाईवे पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है। उधर, केरलम में भारी बारिश के कारण कई जिलों में भूस्खलन और बाढ़ आ गई।

भूस्खलन की चपेट में आकर 6 की मौत

केरलम में कई हिस्सों में लैंडस्लाइड और जलभराव की घटनाएं सामने आई हैं। शनिवार शाम तक बारिश से 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 6 लोग अब भी लापता हैं। लापता लोगों की तलाश में राहत-बचाव टीमें लगातार जुटी हुई हैं। प्रभावित इलाकों में 65 राहत शिविर बनाए गए हैं, जहां 1,465 लोगों को सुरक्षित ठहराया गया है।

महाराष्ट्र में भी बिगड़े हालात

महाराष्ट्र के नांदेड़, जलगांव, अकोला और अमरावती में भी लगातार बारिश हो रही है। कई नदियां उफान पर हैं। निचले इलाकों में पानी भर गया है। कुछ जगहों पर सड़कें धंस गईं, जिससे लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई।

जश्न-ए-आजादी : राष्ट्रीय गीत को ही रखा गया इस वर्ष का थीम

लालकिले से पहली बार होगा वंदे मातरम का पूर्ण गायन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

विशेष खबर

इस बार 15 अगस्त को लालकिले पर आयोजित की जाने वाली देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ का जश्न हर मायने में पहले से काफी जुदा नजर आएगा। कारण, मुख्य समारोह की रखी गई थीम, 'राष्ट्रीय गीत' यानी 'वंदे मातरम' है। जिसे वर्ष 1947 में अंग्रेजों से भारत को मिली स्वतंत्रता के बाद पहली बार लालकिले पर संपूर्ण 6 छंदों (स्टेंजा) के साथ गाया जाएगा। यह प्रत्येक देशवासी के लिए किसी ऐतिहासिक क्षण से कम नहीं होगा। पूर्व में कानूनी रूप से इसके केवल शुरुआती 2 छंदों ▶▶|शेष पेज 6 पर

इसलिए नहीं होता था पूर्ण गायन

गौरतलब है कि पूर्व समय में देश के लोगों को वंदे मातरम के केवल 2 शुरुआती छंद गाने का ही कानूनी अधिकार मिला हुआ था। लेकिन अब केंद्र सरकार ने संसद में इस पर एक विधेयक पारित कर राष्ट्रीय गीत को भी राष्ट्रगान की तरह ही कानूनी सुरक्षा प्रदान कर दी है। जिसके बाद वंदे मातरम के गाए जाने के दौरान उसमें बाधा डालना या किसी को इसे गाने से रोकना भी अपराध माना जाएगा। जिसके लिए 3 साल तक की जेल, कारावास या दोनों हो सकते हैं। अभी तक राष्ट्रगान के अपमान पर ही इस तरह की सजा होती थी।

अतिथियों की संख्या 6,500

लालकिले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह का प्रत्यक्ष रूप से गवाह बनने वाले अतिथियों की कुल आंकड़ा 6 हजार 500 के करीब होगा। जिसमें केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थी जैसे आशा, आंगनवाड़ी, लखपती-ड्रोन दीदी, किसान, सरपंच और असंगठित क्षेत्र के गरीब मजदूर शामिल हो सकते हैं।

एनसीसी कैडेट गाएंगे वंदे मातरम

लालकिले पर वंदे मातरम का पूर्ण गायन करने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से देश की युवा ब्रिगेड के हाथ में होगी। जिसमें एनसीसी के कैडेट, एनएसएस और मॉय भारत के प्रतिनिधि मुख्य रूप से शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो भाषण लालकिले की प्राचीर से होगा। उसमें भी राष्ट्रीय गीत को संपूर्ण रूप से गाए जाने के विषय पर ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। समारोह में पीएम के ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय ध्वज को दी जाने वाली 21 तोपों की सलामी के लिए स्वदेशी तोप का ही इस्तेमाल किया जाएगा।

हाल ही में राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवा आंदोलन ने नए सवाल खड़े कर दिए हैं। अगर हम व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा। दूसरी ओर, इस आंदोलन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के अस्तित्व को भी नकारा नहीं जा सकता। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है, इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत है। ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

पुरानी पीढ़ी से अलग है जेन-जी और अल्फा

विश्लेषण

डा. चन्द्र त्रिखा
वरिष्ठ स्तंभकार

'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं।

यह स्वातंत्र्योत्तर भारत के इतिहास का पहला युवा-आंदोलन नहीं था। अतीत में भी जेन-जी हमारे देश के राजनीतिक पटल पर अनूठी इबारतें दर्ज करती रही है। 'सीजेपी' के बैनर तले यह अवश्य पहला ऐसा आंदोलन था जिसने युवा-संकल्प शक्ति के सामर्थ्य का परिचय दिया, लेकिन अब नए सवाल एवं नई चुनौतियां इस आंदोलन के प्रणेताओं के भी समक्ष उठने लगी हैं। पहली चुनौती इसके नाम की है। क्या 'सीजेपी' इसी नाम के साथ सक्रिय राजनीति में प्रवेश करेगी? दूसरी चुनौती, उन राजनीतिक शक्तियों की है जो आने वाले किसी भी चुनावी कवायद में 'सीजेपी' को भुनाने का प्रयास करेंगी। ऐसी शक्तियों में भी कहीं किसी भी स्तर पर मतैक्य नहीं है। ऐसी ढेरों अन्य चुनौतियां हैं जिन पर इस युवा संगठन को अन्य ऐसे ही मंचों से अपने अस्तित्व के बारे में सोचना होगा। समय का पहिया जब अपनी धुरी पर घूमता है तो वह केवल कैलेंडर के पन्ने नहीं पलटता बल्कि इंसानी सोच, समाज की संरचना और जीवन जीने के नजरिए को भी पूरी तरह से बदल देता है। आज हम जिस दौर में खड़े हैं, वह एक ऐसा ऐतिहासिक मुकाम है, जहां तीन अलग-अलग पीढ़ियां एक साथ, लेकिन बिल्कुल अलग-अलग दुनिया में जी रही हैं। एक तरफ हमारी पुरानी पीढ़ी है जिसने अभावों में से शुरुआत करके स्थिरता को अपना लक्ष्य बनाया। दूसरी तरफ जेन-जी है जिसने तकनीक को अपने हाथों में खिलौने की तरह पलता हुआ देखा है। अब, सबसे नई पीढ़ी यानी जेन-अल्फा दस्तक दे चुकी है, जिसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आभासी दुनिया कोई अजूबा नहीं बल्कि उनकी सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है। इन पीढ़ियों के बीच का अंतर केवल उम्र का नहीं है बल्कि यह अंतर उस पूरे परिवेश का है जिसने इनके दिमाग, भावनाओं और इनके जीवन मूल्यों को गढ़ा है। यह समझना बेहद दिलचस्प है कि पुरानी पीढ़ी से यह नई जेन-जी और जेन-अल्फा की पीढ़ी किन मायनों में और कितनी अलग है। तकनीक के साथ रिश्ते को ही लें तो पुरानी पीढ़ी के लिए तकनीक एक सुविधा थी जिसे उन्होंने अपनी आधी उम्र गुजारने के बाद बहुत हिचकिचाहट के साथ सीखा।

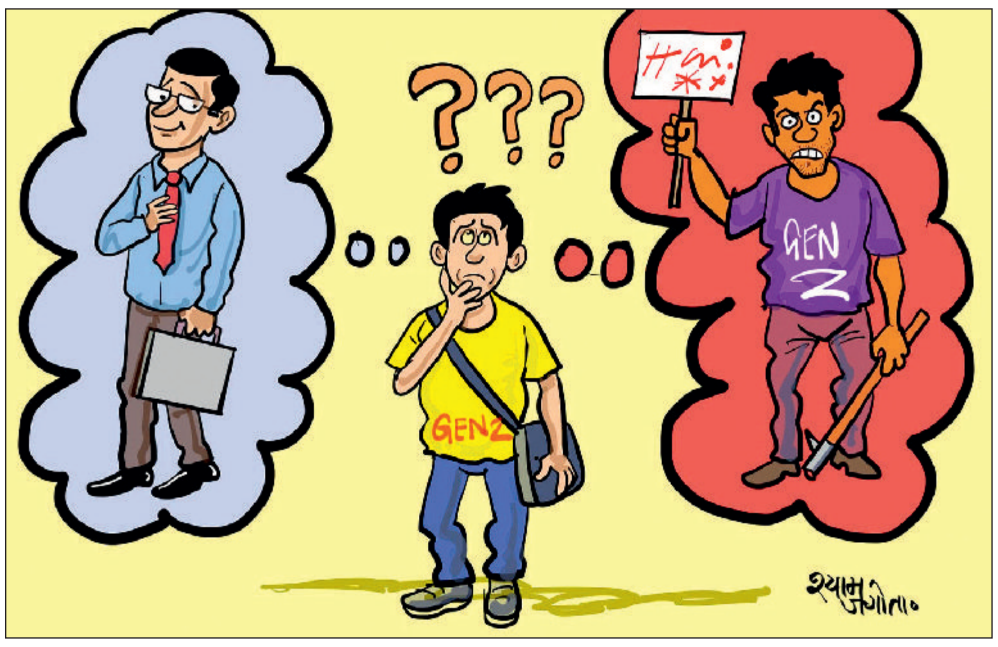

तीनों पीढ़ियां एक-दूसरे का सम्मान करें

अगर हम एक व्यापक दृष्टिकोण से देखें तो पुरानी पीढ़ी, जेन-जी और जेन-अल्फा के बीच यह अंतर किसी एक के पूरी तरह सही और दूसरे के गलत होने का नहीं है। यह केवल समय के साथ बहने वाली नदी की तरह है, जिसने समय की मांग के अनुसार हर मोड़ पर अपना स्वरूप बदला है। पुरानी पीढ़ी के पास अनुभव, स्थिरता, धैर्य और रिश्तों की वह गहरी समझ है जिसकी आज के इस अत्यधिक तेज रफ्तार और आभासी दौर को सख्त जरूरत है। जेन-जी के पास रूढ़ियों से लड़ने का अदम्य साहस, वैश्विक मुद्दों के प्रति गहरी चिंता और दुनिया को एक समान नजरिए से देखने की प्रगतिशील दृष्टि है। वहीं, जेन-अल्फा भविष्य की वह असीम और अज्ञात संभावना है जो तकनीक की चरम सीमा और मानवता के मूल स्वभाव के बीच एक नया संतुलन स्थापित करने की जिम्मेदारी उठाएगी। इन तीनों पीढ़ियों के बीच जो वैचारिक और व्यावहारिक खाई है, उसे किसी अंतहीन बहस, आरोप-प्रत्यारोप या आलोचना से नहीं भरा जा सकता। इसके लिए जरूरत है एक गहरी समझ और सहानुभूति की। पुरानी पीढ़ी को यह खुले मन से स्वीकार करना होगा कि दुनिया अब उनके बनाए गए पुराने नियमों से नहीं चल सकती और नई पीढ़ियों को भी यह समझना ही होगा कि कोई भी उन्नत तकनीकी जीवन के उस जमीनी अनुभव की जगह नहीं ले सकती जो पुरानी पीढ़ी ने दशकों के संघर्ष में कमाया है। जब ये पीढ़ियां एक-दूसरे के अंतर का सम्मान करना सीख जाएंगी, तभी हमारा समाज एक संतुलित, परिपक्व और समग्र विकास की दिशा में सही मायने में आगे बढ़ सकेगा।

तकनीकी बदलाव व आपसी संवाद

पुरानी पीढ़ी ने चिट्ठियों के दौर से लेकर लैंडलाइन और फिर बहुत बाद में स्मार्टफोन का सफर तय किया। इसके ठीक विपरीत, जेन-जी वह पहली पीढ़ी है जिसे डिजिटल नेटिव कहा जाता है। उन्होंने इंटरनेट के साथ ही आंखें खोलीं हैं। उनके लिए दुनिया की हर जानकारी उनकी उंगलियों पर रही है। जेन-अल्फा इन सबसे भी एक कदम आगे है। यह वह पीढ़ी है जो साल दो हजार दस के बाद पैदा हुई है और जिसे एआई नेटिव कहा जा सकता है। जेन-अल्फा के बच्चे जब बोलना भी नहीं सीखे थे, तब वे स्मार्टफोन और टैबलेट की स्क्रीन को स्वाइप करना जानते थे। उनके लिए एलेक्सा, सिरी और चैटजीपीटी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वाले टूल किसी इंसान की तरह ही उनके दोस्त और शिक्षक बन चुके हैं। तकनीक ने पुरानी पीढ़ी को दुनिया से जोड़ा था, जेन-जी ने तकनीक के जरिए अपनी एक अलग दुनिया बनाई, लेकिन जेन-अल्फा तकनीक के भीतर ही सांस ले रही है। इस तकनीकी बदलाव ने आपसी संवाद और भाषा के स्वरूप को भी पूरी तरह बदल कर रख दिया है। पुरानी पीढ़ी के लिए संवाद का अर्थ आमने-सामने बैठकर लंबी बातचीत करना था।

इंटरनेट स्लैंग और इमोजी

जेन-जी की भाषा इंटरनेट की गति से चलती है। उनके लिए एक लंबी फोन कॉल भी कई बार असुविधाजनक होती है क्योंकि वे टेक्स्ट मैसेज, वॉयस नोट्स और मीम्स के जरिए अपनी बात कहना ज्यादा पसंद करते हैं। उनकी भाषा में इंटरनेट स्लैंग और इमोजी का गहरा प्रभाव है, जहां एक छोटा सा चित्र पूरी भावना को व्यक्त कर देता है। जेन-अल्फा की संवाद शैली इससे भी अधिक दृश्य और त्वरित होने वाली है। वे ऐसी पीढ़ी हैं जो टेक्स्ट से ज्यादा वीडियो और इंटरैक्टिव माध्यमों पर निर्भर है। उनके लिए स्क्रीन पर चल रहे विजुअल्स ही उनके संवाद की प्राथमिक भाषा बन चुके हैं। इन पीढ़ियों के सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों में भी जमीन-आसमान का अंतर आ चुका है। पुरानी पीढ़ी के लिए समाज का मतलब उनका पड़ोस, उनका गांव या उनका शहर होता था। वे एक ऐसे ढांचे में पले-बढ़े जहां व्यक्ति से ज्यादा परिवार और समाज का महत्व था। लेकिन जेन-जी ने इस ढांचे को चुनौती दी है। उनके लिए समाज की कोई भौगोलिक सीमा नहीं है। वे दक्षिण कोरिया के पॉप संगीत को सुनते हैं, अमेरिकी मीम्स पर हंसते हैं और यूरोप के जलवायु अभियानों का हिस्सा बनते हैं।

एक-दूसरे से विपरीत रवैया

भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक स्तर पर इन पीढ़ियों का रवैया एक-दूसरे से बिल्कुल विपरीत है। पुरानी पीढ़ी ने कई युद्ध, अकाल और आर्थिक मंदी के दौर देखे हैं जिसने उन्हें भीतर से बेहद कठोर और सहनशील बनाया। दुख या तनाव को चुपचाप सह लेना ही उनके लिए जीवन जीने का एकमात्र तरीका था। इसके विपरीत, जेन-जी शायद इतिहास की पहली ऐसी पीढ़ी है जो अपने मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सबसे ज्यादा मुखर है। वे थेरेपी पर खुलकर बात करते हैं, अपनी कमजोरियों को छिपाने के बजाय दुनिया के साथ साझा करते हैं और अपने लिए भावनात्मक सीमाएं तय करते हैं। हालांकि, हर समय स्क्रीन से चिपके रहने और सोशल मीडिया पर एक परफेक्ट जीवन दिखाने के भारी दबाव ने जेन-जी को एंग्जायटी का शिकार भी बनाया है। जेन-अल्फा की स्थिति इस मामले में और भी जटिल है। यह वह पीढ़ी है जिसने अपने जीवन के शुरुआती और सबसे महत्वपूर्ण साल महामारी के कारण घर की चारदीवारी में बिताए हैं। उनका स्क्रीन टाइम बहुत अधिक है और असली इंसानी रिश्तों से उनका जुड़ाव कम होता जा रहा है जो उनके मनोवैज्ञानिक विकास के लिए भविष्य की बड़ी चुनौती बनने वाला है।

प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे कॉकरोच जनता पार्टी

उम्मीद

चरण जीत चरण
स्वतंत्र पत्रकार

भारत में संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था लागू होने के बाद देश के लोगों को यह अधिकार मिला कि वे अपना प्रतिनिधि चुन सकें। इस व्यवस्था को साधने के लिए एक तरफ जहाँ कुछ सामाजिक कार्यकर्ता देश सेवा की भावना से राजनीति में आए तो वहीं कुछ सत्ता लोलुप भी इस प्रक्रिया का फायदा उठाने के लिए राजनीति में आए। कुछ पहले से बने हुए दलों में शामिल हुए, जबकि कुछ ने जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा,और विचार के आधार पर राजनीतिक पार्टियां बना लीं। उस वक्त चूंकि देश गुलामी के दलदल से निकला था इसलिए भारतीय मतदाता इतना परिपक्व नहीं था कि राष्ट्र के मुद्दों को सर्वोपरि रखकर अपना मत व्यक्त कर सके। भारतीय मतदाता की इसी कमजोरी का फायदा उठाते हुए भारत में हज़ारों की संख्या में राजनीतिक दलों का उदय हुआ। इनमें से अधिकतर विचारधारा के अभाव में नष्ट हो गए। कुछ ने क्षेत्रीय पार्टी का रूप ले लिया। कुछ ने राज्यों की सत्ता हथिया ली। कुछ राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहे। पिछले दो दशकों में जबसे सोशल मीडिया का प्रादुर्भाव हुआ है, तब से ही कई दल बने और नष्ट हुए हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी का उदय

कॉकरोच जनता पार्टी सोशल मीडिया की सीलन भरी उस आभासी दुनिया की उपज है, जहां मात्र कुछ सेकंड की एक रील वायरल होने पर किसी व्यक्ति को रातों-रात स्टार बना सकती है। किसी को रातों-रात बदनाम करके उसकी जिंदगी तबाह कर सकती है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायधीश की एक साधारण टिप्पणी में निहित एक शब्द को लेकर बनाया गया एक सोशल मीडिया अकाउंट इतना वायरल हुआ कि उस पर फ़ॉलोअर्स की बाढ़ आ गई और रातों-रात मिलियन्स लोग एक इंस्टाग्राम अकाउंट से जुड़ गए। इस तरह से एक ऐसे प्लेटफॉर्म का जन्म हो गया, जहां देश के जेन-जी को अपनी बात रखने का मौका मिला। चूंकि विचार के नाम पर यह पार्टी रीढ़विहीन है इसलिए राजनीतिक रूप से हाशिए पर आ चुके दल कॉकरोच जनता पार्टी को न सिर्फ सहारा दे रहे हैं बल्कि अपने लिए भी एक छतरी तलाश कर रहे हैं। जेन-जी के नाम पर देश की युवा पीढ़ी को हथियार बनाकर पहले से स्थापित राजनीतिक दल अपनी रोटियां सेक रहे हैं। फिलहाल सरकार से एक मुद्दे पर अपनी मांगें मनवाने में सफल हो जाने वाली सीजेपी के सामने अब सबसे बड़ा संकट अपने अस्तित्व को बचाना और अपने उद्देश्य को स्थापित करना है

कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है, लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

सीजेपी की विचारधारा

भारतीय राजनीति में केवल दो ही पार्टियां ऐसी हैं जो एक निश्चित विचारधारा से जुडी हुई हैं। सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद को अपना प्रमुख एजेंडा मानती है। कांग्रेस धर्मनिरपेक्षता को अपनी प्रमुख विचारधारा मानती है। बाकी सभी पार्टियां जाति, धर्म, क्षेत्र, या भाषा के नाम पर अपना पोषण करती हैं। कॉकरोच जनता पार्टी स्वयं को जेन-जी के प्रतिनिधि के रूप में पेश करती है इसलिए उसके मुद्दे भी छात्रों से जुड़े हुए हैं। इनमें शिक्षा में सुधार, पेपर लीक, रोजगार के बेहतर विकल्प जैसे मुद्दे शामिल है। ऐसे मुद्दों से सरकार पर दबाव तो बनाया जा सकता है लेकिन एक राजनीतिक दल के रूप में अपनी पहचान बनाना बहुत मुश्किल है।

क्या है पार्टी का भविष्य एवं विकल्प

कॉकरोच जनता पार्टी का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह आने वाले समय में किन मुद्दों पर राजनीति करती हैं। अगर कॉकरोच जनता पार्टी भी अन्य दलों की भांति चुनावी राजनीति में कदम रखती है तो उसे अपने मुद्दे,उद्देश्य और विचार देश की जनता के सामने स्पष्ट करने होंगे। वर्ना बहुत सारे अन्य दलों की तरह वह भी चुनाव चिन्हों की भीड़ में एक सिम्बल मात्र बनकर रह जाएगी। सीजेपी के पास सबसे बेहतर विकल्प तो यही है कि वह एक प्रेशर ग्रुप की भांति कार्य करे। देश में समस्याओं और मुद्दों की कमी नहीं है। जिस तरह से पेपर लीक के मामले को राष्ट्रीय मुद्दा बनाकर मंत्री का इस्तीफ़ा कराना और एक बेहतर कानून बनाने के लिए सरकार को मजबूर करना ये किसी अन्य राजनीतिक दल के बस का काम नहीं था। देश की युवा शक्ति ने यह कर दिखाया है। एक और बड़ी चुनौती सीजेपी के सामने किसी भी राजनीतिक दल के द्वारा इस्तेमाल होने की है। आज जो पार्टियां अपनी प्रासंगिकता खोती जा रही हैं, वे किसी भी तरह के समझौते के लिए तैयार हो जाती हैं, उनसे बचने की ज़रूरत है। कॉकरोच की सबसे बड़ी खूबी ये है कि वह सबसे विपरीत परिस्थितियों में सर्वाइव कर सकता है। वहीं, उसका सबसे बड़ा दुर्गुण ये है कि वह खाता कम है खराब अधिक करता है। पहला गुण अच्छा है, लेकिन दूसरे से बचना होगा। मतलब सीधा सा है कि युवा पीढ़ी के वास्तविक मुद्दों को उठाना, उनके लिए संघर्ष करना, सरकारों को बेहतर विकल्प देने के लिए मजबूर करना, देश की युवा पीढ़ी के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कार्य करना। इस सोच के साथ जब तक कॉकरोच जनता पार्टी आगे बढ़ती रहेगी उसे जनता और युवाओं का समर्थन मिलता रहेगा, वर्ना एक बार विश्वास उठने के बाद फिर से खड़ा होना बहुत मुश्किल है।

असहमति की भाषा संवाद के रास्ते खुले रखे

मंथन

विनीत पाण्डेय
वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली का जंतर-मंतर लंबे समय से लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति का एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहां समय-समय पर विभिन्न वर्गों ने अपनी मांगों, असहमतियों और अपेक्षाओं को सामने रखा है। हाल के एक आंदोलन के दौरान भी जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में युवाओं की उपस्थिति देखने को मिली। इस आंदोलन की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें शामिल जेन जी ने अपने व्यक्तित्व के अनेक रंग प्रस्तुत किए। एक ओर ऐसे युवा थे जो अपने तर्कों और मांगों को पूरी गंभीरता के साथ रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर कुछ युवाओं की भाषा, नारे और प्रस्तुति शैली ने अलग कारणों से ध्यान आकर्षित किया। उनकी भाषा कई लोगों को अटपटी, अनगढ़ या असामान्य लगी।

यह स्थिति केवल किसी एक आंदोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बदलते सामाजिक और डिजिटल परिवेश का भी संकेत देती है। आज की पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया और रील्स के बीच बड़ा हुआ है। उसकी भाषा में मीम, इंटरनेट स्लैंग, व्यंग्य और लोकप्रिय सांस्कृतिक संदर्भ सहज रूप से शामिल हो गए हैं। इसलिए जब यह पीढ़ी सड़कों पर उतरती है, तो उसकी अभिव्यक्ति भी पारंपरिक आंदोलनों से अलग दिखाई देती है। हालांकि यह भी उतना ही सच है कि जेन जी को केवल उसकी भाषा से नहीं समझा जा सकता। हाल के आंदोलन में अनेक युवा ऐसे भी थे जो तथ्यों के साथ अपने अधिकारों, भविष्य और नीतिगत प्रश्नों पर गंभीर चर्चा कर रहे थे। इससे यह स्पष्ट होता है कि इस पीढ़ी के भीतर संवेदनशीलता और सामाजिक चेतना का भी एक मजबूत पक्ष मौजूद है। इसके विपरीत, कुछ सोशल मीडिया क्लिप्स में ऐसे नारे, टिप्पणियां और संवाद भी सामने आए जिनमें अत्यधिक अनौपचारिक भाषा, कटाक्ष या वायरल होने की प्रवृत्ति दिखाई दी। कई बार ऐसा लगा कि कुछ प्रतिभागी आंदोलन के मूल उद्देश्य से अधिक कैमरे की उपस्थिति के प्रति सजग हैं। यह प्रवृत्ति केवल भारत तक सीमित नहीं है। किसी पोस्टर की रचनात्मकता, किसी नारे की चुटीली पंक्ति या किसी छोटे वीडियो का वायरल होना कई बार आंदोलन के मूल मुद्दे से भी अधिक चर्चा का विषय बन जाता है। उदाहरण के लिए 2019 के हांगकांग आंदोलन में युवाओं ने डिजिटल तकनीक, ऑनलाइन मंचों और रचनात्मक पोस्टरों का व्यापक उपयोग किया।

वहीं, अमेरिका के ब्लैक लाइव्स मैटर आंदोलन में जेन जी ने सोशल मीडिया द्वारा जनसमर्थन जुटाने में बड़ी भूमिका निभाई। हर बार

जंतर-मंतर पर हाल के आंदोलन ने यह स्पष्ट कर दिया कि जेन-जी एकरूप नहीं है। इस पीढ़ी में गंभीर चिंतन करने वाले युवा भी हैं, तकनीक का रचनात्मक उपयोग करने वाले भी हैं और ऐसे लोग भी हैं जो अपनी अभिव्यक्ति में अत्यधिक अनौपचारिक या सनसनीखेज शैली अपनाते हैं।

यह सवाल भी उठा कि क्या आंदोलन का संदेश अधिक महत्वपूर्ण है या उसकी सोशल मीडिया प्रस्तुति? जेन जी की भाषा को समझने के लिए यह भी ध्यान रखना होगा कि भाषा हमेशा समाज के साथ बदलती है। जिस भाषा को एक पीढ़ी सहज मानती है, दूसरी पीढ़ी उसे असामान्य या असभ्य समझ सकती है। यह पीढ़ियों के बीच का स्वाभाविक अंतर है। लेकिन लोकतांत्रिक आंदोलनों में भाषा का महत्व इसलिए बढ़ जाता है क्योंकि वही आंदोलन की नैतिक शक्ति और विश्वसनीयता का आधार बनती है। यदि भाषा अत्यधिक आक्रामक, अपमानजनक या असंगत हो जाए, तो आंदोलन के वास्तविक मुद्दे पीछे छूट सकते हैं और चर्चा केवल शैली तक सीमित रह जाती है। सोशल मीडिया ने युवाओं को अभिव्यक्ति का अभूतपूर्व मंच दिया है। इसके सकारात्मक परिणाम भी हैं।

आज कोई भी युवा अपनी बात लाखों लोगों तक पहुंचा सकता है, तथ्यों को साझा कर सकता है और जनसमर्थन जुटा सकता है। इसी माध्यम ने त्वरित लोकप्रियता की चाह भी बढ़ाई है। कई बार कुछ लोग गंभीर विषयों को भी मनोरंजन या वायरल सामग्री में बदल देते हैं। आंदोलन जैसे गंभीर लोकतांत्रिक माध्यम में यह प्रवृत्ति सावधानी की मांग करती है। लोकतंत्र में विरोध और असहमति दोनों आवश्यक हैं, लेकिन उतना ही आवश्यक यह भी है कि असहमति की भाषा ऐसी हो जो संवाद के रास्ते खुले रखे।

प्रभावशाली आंदोलन केवल भीड़ से नहीं, बल्कि विचार, अनुशासन और विश्वसनीय संवाद से मजबूत बनते हैं। हर पीढ़ी अपनी भाषा लेकर आती है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा अंततः वही होती है जिसमें मतभेद के साथ मर्यादा, विरोध के साथ विवेक और उत्साह के साथ उत्तरदायित्व भी शामिल हो।

सह-भागीदारी का मार्ग अपनाए सरकार

व्यवस्था

डॉ. पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

डिजिटल युग में पले-बढ़े युवाओं की पीढ़ी 'जेन-जी' आज केवल सोशल मीडिया की प्रवृत्ति तय नहीं कर रही बल्कि वैश्विक स्तर पर सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक विमर्श को भी आकार दे रही है। भारत से लेकर नेपाल, बांग्लादेश और कई अन्य देशों तक, जेन-जी के नेतृत्व में हो रहे जन-आंदोलन और उनकी मांगों ने सत्ता संरचनाओं को सोचने पर मजबूर कर दिया है। सवाल यह उठता है कि आखिर यह पीढ़ी सरकार और उसकी व्यवस्था से असहज या नाराज क्यों है? और ऐसा क्या किया जाना चाहिए जिससे युवा स्वयं को शासन प्रक्रिया का हिस्सा महसूस कर सकें?

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है। कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं नीट, यूपीएसी, एसएससी, सीयूईटी की तैयारी में जीवन के कई वर्ष बिताने के बावजूद पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने और अदालती मुकदमों के कारण भर्तियों में देरी युवाओं के धैर्य को तोड़ रही है। पारंपरिक राजनीति और संवादहीनता भी इस नाराजगी का बड़ा कारण है। जब सरकारें युवाओं के मुद्दों पर सीधे संवाद करने के बजाय सोशल मीडिया ट्रोलिंग और प्रतिबंधों का सहारा लेती हैं तो युवाओं को लगता है कि उनकी आवाज को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की अनिश्चितता भी एक बड़ी वजह है। कोचिंग संस्कृति के बढ़ते दबाव, आर्थिक असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसे वैश्विक मुद्दों को लेकर इस पीढ़ी में चिंता और अनिश्चितता का माहौल है। नीतियां बनाते समय युवाओं के भविष्य और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी वास्तविक चिंताओं की अनदेखी हो रही है। प्रशासनिक पारदर्शिता का अभाव भी जेन-जी की नाराजगी बढ़ाता है। यह पीढ़ी 'इंस्टेंट फीडबैक' और 'रीयल-टाइम ट्रांसपेरेंसी' के दौर में बढ़ी हुई है। जब उन्हें सरकारी दफ्तरों में लालफीताशाही, भ्रष्टाचार और अपारदर्शी निर्णय प्रक्रिया दिखती है तो उनका तंत्र से भरोसा उठने लगता है। आज के युवा का भरोसा जीतने के लिए सरकारों को नीति व कामकाज में आवश्यक बदलाव लाना होगा और सह-भागीदारी का मार्ग अपनाना होगा। यदि सरकारें युवाओं को केवल 'वोट बैंक' या नीतिगत

जेन-जी की नाराजगी का प्रमुख कारण 'शिक्षित बेरोजगारी' और गिग इकोनॉमी की असुरक्षा है। पारंपरिक नौकरियों के अवसर सीमित हो रहे हैं और जो नए रोजगार जैसे गिग इकोनॉमी या डिलीवरी, राइड-शेयरिंग जॉब्स पैदा हो रहे हैं; उनमें सामाजिक सुरक्षा, पेंशन या दीर्घकालिक स्थिरता का अभाव है।

निर्णयों का 'लाभार्थी' मानने के बजाय 'सह-निर्माता' के रूप में देखना चाहती है तो उसे ढांचागत बदलाव करने होंगे। परीक्षा और रोजगार प्रणाली में आमूलचूल सुधार लाना होगा। एक पारदर्शी और समयबद्ध भर्ती ढांचे की सख्त जरूरत है। भर्ती प्रक्रियाओं के लिए एक राष्ट्रीय कैलेंडर और भ्रष्टाचार-मुक्त डिजिटल मूल्यांकन प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। पेपर लीक जैसे अपराधों पर कठोर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई दिखती नजर आनी चाहिए। भविष्य-उन्मुख कौशल और नौकरियों के लिए युवाओं को सक्षम बनाने की जरूरत है। केवल सरकारी नौकरियों के भरोसे रहने की बजाय एआई, डेटा साइंस, ग्रीन एनर्जी और क्रिएटर इकोनॉमी जैसे उभरते क्षेत्रों में युवाओं को तैयार किया जाए और गिग-वर्कर्स के लिए न्यूनतम वेतन व सामाजिक सुरक्षा कानून बनाए जाएं। जेन-जी की विचारशैली को डिकोड करने के लिए 'डिजिटल लोकतंत्र' और प्रत्यक्ष संवाद की जरूरत है। युवा संसद और ओपन डेटा पोर्टल इस दिशा में कारगर उपाय हैं। सरकार को नीति निर्माण से पहले युवाओं से सीधे सुझाव लेने के लिए आधुनिक प्लेटफॉर्म युवा-समीक्षा पोर्टल एवं एप्स बनाए जाएं। युवाओं के साथ सीधा और सच्चा संवाद जरूरी है। सरकार के नीति-निर्माताओं, और नौकरशाहों को विश्वविद्यालयों और स्टार्ट-अप हब्स में जाकर युवाओं के सवालों का जवाब देना चाहिए। नीति-निर्माण में युवाओं की सीधी भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है। मंत्रालयों में युवा सलाहकार बोर्ड बदलते वक्त की जरूरत हैं। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल और छात्र आत्महत्याओं जैसी त्रासदियों से निपटने के लिए काउंसलिंग के बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जाना आवश्यक है और कोचिंग संस्थानों के अनियंत्रित व्यावसायीकरण पर नकेल कसना जरूरी है।

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ▶▶ अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ▶▶ मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

अलर्ट

बिजनेस डेस्क

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बड़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरे की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों को उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।

विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्योरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्योरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।

- वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
- चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग।
- भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
- इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- ▶▶ एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- ▶▶ पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- ▶▶ यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- ▶▶ फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- ▶▶ अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगी। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

आने वाले दिनों में अमेरिकी फेडरल रिजर्व का ब्याज दर संबंधी फैसला, डॉलर इंडेक्स की चाल, अमेरिका के महंगाई और रोजगार के आंकड़े, वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम तथा केंद्रीय बैंकों की खरीदारी बुलियन बाजार की दिशा तय करेंगे। यदि फेड नरम रुख अपनाता है तो सोना और चांदी दोबारा मजबूती दिखा सकते हैं। वहीं मजबूत डॉलर और ऊंची ब्याज दरें बनी रहीं तो कीमतों में कुछ समय तक दबाव जारी रह सकता है।

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

अचानक पैसों की जरूरत में जल्दबाजी न करें

बिजनेस डेस्क

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपकी लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विदड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसों की जरूरत है और लोन पर चुकाया जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद कराना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

एफडी पर कैसे काम करता है लोन

अधिकांश बैंक अपनी एफडी के बदले लोन या ओवरड्राफ्ट की सुविधा देते हैं। आमतौर पर बैंक एफडी राशि का 75 से 90 प्रतिशत तक लोन उपलब्ध कराते हैं। इस दौरान आपकी एफडी जारी रहती है और उस पर पहले की तरह ब्याज मिलता रहता है। लोन पर ब्याज दर सामान्यतः एफडी की ब्याज दर से 1 से 2 प्रतिशत अधिक होती है। उदाहरण के लिए यदि एफडी पर 7 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है तो बैंक लगभग 8 से 9 प्रतिशत की दर पर लोन दे सकता है। इसलिए यह पर्सनल लोन की तुलना में काफी सस्ता विकल्प माना जाता है।

कब लेना चाहिए एफडी पर लोन?

यदि पैसों की जरूरत कुछ महीनों या कम अवधि के लिए है और आपको भरोसा है कि समय पर राशि वापस कर देंगे, तो एफडी पर लोन लेना अधिक समझदारी भरा फैसला हो सकता है। इससे आपकी एफडी सुरक्षित रहती है, ब्याज मिलता रहता है और जरूरत के समय तुरंत नकदी भी उपलब्ध हो जाती है। इसके अलावा एफडी पर लोन लेने की प्रक्रिया भी अपेक्षाकृत आसान होती है। चूंकि बैंक के पास आपकी एफडी पहले से सुरक्षा के रूप में होती है, इसलिए दस्तावेज कम लगते हैं और लोन जल्दी स्वीकृत हो जाता है।

कब तोड़नी बेहतर रहेगी एफडी

यदि आपको लंबे समय के लिए बड़ी राशि की आवश्यकता है और निकट भविष्य में लोन चुकाने की संभावना नहीं है, तो केवल ब्याज का बोझ बढ़ाने के बजाय एफडी तोड़ना बेहतर हो सकता है। ऐसी स्थिति में हर महीने ईएमआई या ब्याज चुकाने का दबाव नहीं रहेगा। हालांकि एफडी तोड़ने से पहले यह जरूर पता कर लें कि बैंक कितना ब्याज काटेगा और प्री-मैच्योर पेनाल्टी कितनी होगी। कई बार नुकसान अपेक्षा से कम होता है और एफडी बंद करना ज्यादा लाभदायक साबित होता है।

दोनों विकल्पों की तुलना

एफडी तोड़ने का सबसे बड़ा नुकसान ब्याज में कमी और पेनाल्टी है, लेकिन इसके बाद किसी प्रकार की देनदारी नहीं रहती। दूसरी ओर एफडी पर लोन लेने से निवेश सुरक्षित रहता है और एफडी पर ब्याज भी मिलता रहता है, लेकिन लोन की राशि पर अतिरिक्त ब्याज देना पड़ता है।यानी यदि जरूरत अस्थायी है तो एफडी पर लोन बेहतर विकल्प हो सकता है, जबकि लंबी अवधि की जरूरत में एफडी तोड़ना अधिक व्यावहारिक साबित हो सकता है।

इन बातों पर करें विचार

■ पैसों की जरूरत कितने समय के लिए है? ■ एफडी तोड़ने पर कितना ब्याज और कितना जुर्माना कटेगा? ■ एफडी पर लोन लेने पर कुल कितना ब्याज देना होगा? ■ क्या आपकी आय इतनी है कि समय पर लोन चुका सकें? ■ क्या आपके पास कोई अन्य बचत या आपातकालीन फंड उपलब्ध है?

पहले बनाएं इमरजेंसी फंड

वित्तीय योजनाकारों का मानना है कि हर व्यक्ति के पास कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड होना चाहिए। यदि ऐसा फंड पहले से तैयार है तो अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर एफडी तोड़ने या लोन लेने की नौबत कम आएगी।

40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

सही एसेट एलोकेशन और गलतियों से बचना है जरूरी

बिजनेस डेस्क

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।

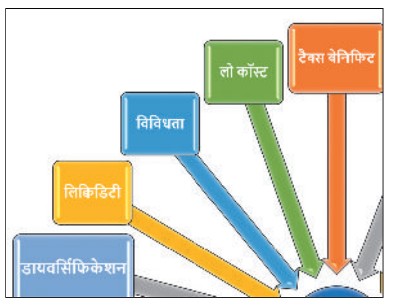

कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट गिबिन जॉन के अनुसार, यदि निवेशक की जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।

- फ्लेक्सी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50–55% लार्ज कैप, 20–25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।

हर साल बढ़ाएं एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचें

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी भूल रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अक्सर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड

लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया शानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशक को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।

किस फंड का कैसा रिटर्न

- पिछले 10 वर्षों के आंकड़ों के अनुसार निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप डायरेक्ट फंड ने करीब 21.27 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया। इस प्रदर्शन के आधार पर 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 6.87 लाख रुपये हो गया। यह फंड लंबे समय से स्मॉल कैप श्रेणी में बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंडों में गिना जाता है।
- इनवेस्को इंडिया मिड कैप डायरेक्ट फंड दूसरे स्थान पर रहा। इसने लगभग 20.03 प्रतिशत का वार्षिक रिटर्न दिया और 1 लाख का निवेश करीब 6.20 लाख तक पहुंच गया।
- एक्सिस स्मॉल कैप फंड ने 19.51 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न के साथ निवेश को लगभग 5.94 लाख, जबकि एडेलवाइस मिड कैप फंड ने 19.47 प्रतिशत रिटर्न देकर इसे 5.92 लाख रुपये तक पहुंचाया।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।

- एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ इंडिया मैन्युफैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।

एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरों, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

मित्रता दिवस विशेष

दुनिया भर के वैज्ञानिक शोधों और व्यावहारिक अध्ययनों से यह स्पष्ट है कि दोस्ती केवल मौज-मस्ती करने के लिए नहीं या केवल समय बिताने का माध्यम नहीं है। यह इंसानी जीवन की एक बुनियादी जैविक के साथ ही मनोवैज्ञानिक आवश्यकता भी है। यह हमें सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है, मानसिक सुकून प्रदान करती है। यही नहीं खुशहाल जीवन का आधार भी होती है दोस्ती। तो आइए, आज मित्रता दिवस पर हम खुद से वादा करें कि अपने दोस्तों का साथ कभी नहीं छोड़ेंगे।

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

सफलता-सुकून-समृद्धि खुशहाल जीवन का आधार दोस्ती

इस दुनिया में हमारी पहचान विभिन्न प्रकार के आपसी संबंधों के ताने-बाने से बुनी होती है। इन संबंधों में दोस्ती यानी मित्रता को सबसे पवित्र, निःस्वार्थ और सहज माना जाता है। आधुनिक भाग-दौड़ भरी जिंदगी, व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा और मानसिक तनाव के इस दौर में दोस्ती केवल एक सामाजिक रिश्ता भर नहीं है, बल्कि हमारे ओवरऑल डेवलपमेंट और वेलबीइंग का एक जरिया भी है। अतीत गवाह है कि श्रीकृष्ण-सुदामा की सहज मित्रता से लेकर आधुनिक कॉर्पोरेट जगत के सह-संस्थापकों की पार्टनरशिप तक, दोस्ती ने हर युग में जीवन को एक नई दिशा दी है। वैश्विक स्तर पर हुए विभिन्न शोधों, मनोवैज्ञानिक अध्ययनों और न्यूरोसाइंस के निष्कर्षों से भी यह सिद्ध हुआ है कि एक सच्चा दोस्त हमारे जीवन में सफलता का वाहक, मानसिक सुकून का ढाल, समृद्धि का मार्गदर्शक और जीवन को सरल बनाने वाला सबसे बड़ा कारक होता है।

तनाव में होती है कमी: हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक दीर्घकालिक अध्ययन के अनुसार, जो व्यक्ति अच्छे सामाजिक संबंधों और गहरे दोस्तों के बीच रहते हैं, वे अधिक खुश और तनावमुक्त रहते हैं। जब हम किसी विश्वसनीय मित्र से अपनी बातें साझा करते हैं, तो हमारे मस्तिष्क में 'ऑक्सीटोसिन' और 'डोपामाइन' जैसे हैप्पी हार्मोन का स्राव होता है। यह प्रक्रिया कोर्टिसोल नामक तनाव उत्पन्न करने वाले हार्मोन के स्तर को तेजी से कम करती है, जिससे मानसिक सुकून मिलता है।

करियर सक्सेस में सहायक: अमेरिकी समाजशास्त्री मार्क ग्रेनोवेटर के 'द स्ट्रेंथ ऑफ वीक टाइज' सिद्धांत और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में हुए शोध बताते हैं कि प्रोफेशनल लाइफ में सफलता का सीधा संबंध आपके मित्रों के दायरे और नेटवर्किंग से है। दोस्त न केवल आपको

नए अवसरों की जानकारी देते हैं, बल्कि आपके कौशल को निखारने में रचनात्मक आलोचना भी करते हैं। कार्यस्थल पर एक अच्छा मित्र होने से कर्मचारी की उत्पादकता में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई है।

शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार: 'प्लॉस मेडिसिन' पत्रिका में प्रकाशित 148 अध्ययनों के एक मेटा एनालाइसिस के अनुसार, जिन लोगों का सामाजिक जीवन और मित्रों का दायरा मजबूत होता है, उनके समय से पूर्व डेथ की आशंका 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अकेलेपन का स्वास्थ्य पर डेली 15 सिगरेट पीने जैसा असर होता है। दोस्त हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और बीमारियों से लड़ने की इच्छाशक्ति देते हैं।

खुले आर्थिक समृद्धि का मार्ग: दुनिया के कई बड़े व्यापारिक साम्राज्य जैसे गूगल (लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन) या एप्पल (स्टीव जॉब्स और स्टीव वोज्नियाक) गहरी दोस्ती की नींव पर बने हैं। बर्कले यूनिवर्सिटी के एक आर्थिक अध्ययन के अनुसार, मित्रों के बीच आपसी विश्वास के कारण जोखिम लेने की क्षमता बढ़ती है। जब मित्र मिलकर किसी विचार पर काम करते हैं, तो वित्तीय समृद्धि के रास्ते अधिक सुगम और सुरक्षित हो जाते हैं।

संघर्ष करने की क्षमता में इजाफा: मनोवैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जब व्यक्ति किसी कठिन समस्या का सामना अकेले करता है, तो उसे वह समस्या बहुत बड़ी लगती है। वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के एक प्रसिद्ध प्रयोग (हिल विजुअलाइजेशन स्टडी) में पाया गया कि दोस्तों की उपस्थिति जीवन की मुश्किलों को सरल बना देती है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का विकास: कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के अनुसार, बचपन और किशोरावस्था में बने गहरे दोस्त व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता को बढ़ाते हैं। दोस्तों के साथ रहकर हम सहानुभूति, साझा करना और दूसरों के दृष्टिकोण को समझना सीखते हैं।

अवसाद-अकेलेपन से सुरक्षा: शिकागो विश्वविद्यालय के कॉग्निटिव एंड सोशल न्यूरोसाइंस केंद्र के अध्ययनों के अनुसार, अकेलापन मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो शारीरिक दर्द के लिए जिम्मेदार होते हैं। इसके विपरीत, मजबूत दोस्ती एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। अवसाद या किसी बड़े व्यक्तिगत नुकसान (जैसे नौकरी जाना या प्रियजन की मृत्यु) के समय दोस्तों का भावनात्मक समर्थन मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।

बढ़े निर्णय लेने की क्षमता: येल यूनिवर्सिटी के एक न्यूरोइकोनॉमिक्स अध्ययन के अनुसार, संकट के समय मित्र हमारे लिए एक 'बाहरी पर्यवेक्षक' की भूमिका निभाते हैं। जब हमारा मस्तिष्क तनाव के कारण सही निर्णय नहीं ले पाता, तब सच्चे दोस्त हमें पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर सोचने में मदद करते हैं। उनकी सलाह से हमारी निर्णय प्रक्रिया सरल और सटीक हो जाती है, जो अंततः हमारी समृद्धि का प्रमुख कारण बनती है।

रचनात्मकता-नवाचार को बढ़ावा: मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी के एक शोध के अनुसार, मित्रों के समूह में होने वाली ब्रेन स्टॉर्मिंग से मस्तिष्क में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। दोस्तों के साथ बिना किसी डर या झिझक के विचारों को व्यक्त करने की स्वतंत्रता होती है। यही स्वतंत्रता रचनात्मकता और नए आविष्कारों को जन्म देती है, जो आधुनिक संदर्भों में अर्थव्यवस्था में सफलता का मुख्य आधार हैं। *

वृद्धावस्था में संज्ञानात्मक स्वास्थ्य की रक्षा

ओल्ड एज में होने वाली डिमेंशिया की समस्या पर द लैंसेट में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती उम्र में मानसिक सक्रियता और याददाश्त बनाए रखने के लिए दोस्तों के साथ सामाजिक रूप से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। जो बुजुर्ग नियमित रूप से अपने दोस्तों से मिलते हैं और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेते हैं, उनमें अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा भी 60 प्रतिशत तक कम पाया गया है।

तकनीक ने हमारी जीवनशैली को ही नहीं, दोस्त बनाने के तरीके को भी बदल दिया है। आज सोशल मीडिया के जरिए हम एक क्लिक पर दुनिया में किसी से भी दोस्ती कर सकते हैं। सबसे खूबसूरत इंसानी रिश्तों में से एक दोस्ती को तकनीक कैसे नए ढंग से परिभाषित कर रही है, इस बारे में आप भी जानिए।

फ्रेंड रिक्वेस्ट ने बदल दी दोस्त बनाने की परिभाषा

{ न्यू ट्रेंड / शैलेंद्र सिंह }

इस बात में संदेह नहीं कि सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद दोस्ती करना आसान हो गया है। इसके पहले दुनिया में कहीं भी किसी से दोस्ती करना इतना आसान न था कि किसी को दो लाइन की एक लिखित रिक्वेस्ट भेजो और अमूमन 90 फीसदी से ज्यादा मौकों पर दोस्ती हो जाती है। ये है दोस्ती का नया तरीका यानी फ्रेंड रिक्वेस्ट। यह तरीका सोशल मीडिया के पहले दुनिया के पास नहीं था।

बन सकते हैं हजारों दोस्त: आज अपने देश में कम से कम 60 फीसदी ऐसे वयस्क हैं, जिनके सोशल मीडिया पर एक हजार या इससे ज्यादा दोस्त हैं। 10 फीसदी तो ऐसे लोग हैं, जिनके दोस्तों की इस अभासी दुनिया में संख्या पांच हजार के आस-पास है और एक से डेढ़ फीसदी ऐसे लोग भी हैं, जिनके दोस्तों की संख्या हजारों नहीं दसियों हजार से ऊपर है। दरअसल, ये दोस्त नहीं फॉलोवर्स कहलाते हैं।

दुनिया भर में कर सकते हैं दोस्ती: दुनिया में एक और बड़ा धमाका सोशल मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद हुआ। चाहे आप देश या दुनिया के कितने ही पिछड़े इलाके में रह रहे हों, लेकिन सोशल मीडिया के चलते आप देश-विदेश कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। ऐसे लोगों के साथ जिन्हें न कभी देखा हो, न कभी उनसे मुलाकात हुई हो, न उनके बारे में कुछ ज्यादा जानते हों और न ही उनके आपके विचार, रुचियां और सपने एक जैसे हों। इसके बाद भी चाहें तो आप सोशल मीडिया के जरिए ऐसे विपरीत रुचियों के लोगों के साथ भी सहजता से देश-विदेश में दोस्ती कर सकते हैं। अब दोस्ती के लिए न बहुत हैसियत की जरूरत है, न बहुत पैसे की, न सामाजिक प्रभुत्व या न ही किसी क्षेत्र विशेष में उल्लेखनीय होने की जरूरत है। दोस्ती के लिए अब सिर्फ एक ही चीज की जरूरत है- आपके पास मोबाइल या कंप्यूटर हो, उसमें इंटरनेट का कनेक्शन हो। बस इतने भर से आप देश-विदेश में कहीं भी दोस्ती कर सकते हैं। दोस्ती की दुनिया में ये असाधारण परिवर्तन है, जो इंटरनेट और सोशल मीडिया के आने के पहले कभी नहीं हुआ था।

हर सीमा, सरहद से परे: दोस्ती हमेशा से इंसानी रिश्तों की सबसे खूबसूरत कड़ी रही है। कभी ये स्कूल, कॉलेज, पड़ोस या कार्यस्थल तक सीमित रहती थी, लेकिन जब से संपर्क करने का सबसे तीव्र माध्यम इंटरनेट अस्तित्व में आया और फिर सोशल मीडिया जैसे आभासी प्लेटफॉर्म बने। उसके बाद से दोस्ती की परिभाषा, उसकी अवधारणा हमेशा-हमेशा के लिए बदल गई। अब दोस्ती का दायरा स्थानीय नहीं है बल्कि वैश्विक हो चुका है। इंस्टाग्राम, फेसबुक, लिंक्डइन, एक्स, डिस्कॉर्ड, रेडिट और अन्य सोशल मीडिया मंचों ने दुनिया भर के करोड़ों लोगों को दोस्ती के एक ऐसे साझा मंच से जोड़ा है, जिसकी पहले कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

अपनी रुचि के लोगों से दोस्ती: सोशल मीडिया की सुविधा ने तरह-तरह के समूहों को जन्म दिया है। मान लीजिए, आप लेखक हैं और आपको दूसरे लेखकों के साथ बातचीत करना, उठना-बैठना अच्छा लगता है, तो चाहें तो आप देश-विदेश के हजारों लेखकों से ही अपनी दोस्ती बना लें और दिन-रात उनके साथ ही मस्त रहें। मतलब यह कि सोशल मीडिया ने दोस्ती को एक ऐसा उपभोक्ता उत्पाद बना दिया है, जिसे आप अपनी चाहत और सुविधा के हिसाब से किसी भी रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

हर वर्ग को हो रहा फायदा: इंटरनेट और सोशल मीडिया ने इस दूरस्थ दोस्ती में कुछ इस तरह का रंग भरा है कि आज युवा ही नहीं तमाम वरिष्ठ नागरिक भी इस ऑनलाइन दोस्ती का खूब आनंद ले रहे हैं। यह ऑनलाइन दोस्ती सिर्फ मनोरंजन या जिज्ञासा तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसने कारोबार की दुनिया में भी बड़ी जबर्दस्त भूमिका निभाई है। यानी ऑनलाइन दोस्ती हर वर्ग को फायदा पहुंचा रही है। *

{ गजल / ओम निश्चल }

दोस्त के हंसते ही...

मुस्कराने से अमलतास भी खिल उठता था
दोस्त के हंसते ही आकाश भी खिल उठता था
उसके आने से आ जाती थी घर में रौनक
उसके होने से मधुमास भी खिल उठता था
ऐसे मिलता था वो जन्मों से हो रिश्ता जैसे
पास बैठा हुआ उल्लास भी खिल उठता था
उसकी यादों में मुकम्मल-सा जहां है अपना
उसके होने का अहसास भी खिल उठता था
छेनी से उसकी तराशी थी कुछ ऐसी मूरत
उसकी जुंबिश से नक्काश भी खिल उठता था
हाथ रखता था वो यूं कांधे पे करीने से
उसके छूने से विश्वास भी खिल उठता था

{ लघुकथाएं }

पुरानी बेंच

एआई इमेज

एक लंबे समय बाद अरुण का गांव लौटना हुआ। गांव में बहुत कुछ बदल गया था। पगडंडियों ने सड़क का रूप धारण कर लिया था। उसका अपना स्कूल नए भवन में शिफ्ट हो चुका था, नए फर्नीचर से सजा नया विद्यालय भवन देख मन कुछ प्रसन्न था तो कहीं मन में अवसाद भी था। स्कूल का पुराना सामान नीलाम किया जा रहा था। भारी कदमों से अरुण भी इस नीलामी में जा पहुंचा। कबाड़ के ढेर में पड़ी एक टूटी-फूटी लकड़ी की बेंच देखकर अरुण ठिठक कर रुक गया। 'इसे भी बेचेंगे?' उसने प्रधानाचार्य से पूछा। 'हां, अब इसका कोई उपयोग नहीं।' अरुण ने उस बेंच पर बड़े प्यार से हाथ फेरा। उस पर परकार (कंपास) से उकेरे गए दो अक्षर अब भी सुस्पष्ट रूप से अंकित थे। 'अ' और 'स'। उसके चेहरे पर एकाएक कई भाव, कई रंग आए और चले गए। वह और समीर हमेशा इसी बेंच पर बैठा करते थे। अंगूठे के साथ पूरा हाथ घुमाते हुए दोनों ने एकदम पक्की दोस्ती का दम भरते हुए कहा था, 'चाहे जहां रहें, अपनी यह दोस्ती कभी नहीं टूटेगी।' समय के साथ, अपनी-अपनी नौकरी के चलते, दोनों दूर तो हुए पर उनकी दोस्ती का धागा पूरी मजबूती से बंधा रहा। अरुण बेंच पर बैठ गया और अपने पास की खाली जगह पर प्यार से हाथ फेरते हुए भर्राए स्वर में बोला, 'समीर! तू चल न मेरे साथ, आज भी मैं अकेला नहीं बैठूंगा।' अरुण ने वह बेंच खरीद ली। लोग हैरानी से उसे देख रहे थे। बेंच को सीने से लगाते हुए वह बोला, 'समीर दोस्त था मेरा। युद्ध में दुश्मन से लोहा लेते हुए शहीद हो गया। पर हमारी दोस्ती आज भी इसी बेंच पर बैठी मेरा इंतजार कर रही है।' *

- डॉ. यशोधरा भटनागर

अपनों से दोस्ती

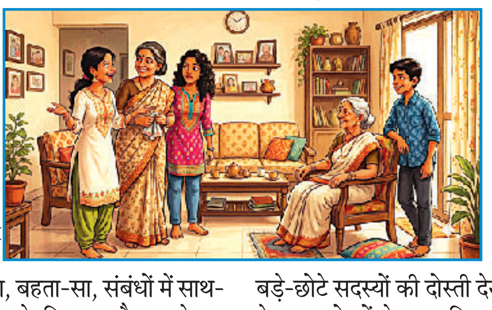

एआई इमेज

हंसती-खिलखिलाती उसकी फ्रेंड ठीक उसी अल्हड़ अंदाज में अपने घर के भीतर दाखिल हुई, जैसे कॉलेज कैंपस, बाजार या सिनेमा हॉल में सहेलियों के साथ रहती है। अपनों के साथ भी खुलकर बातें, सीधे-सच्चे सवाल और खुशनुमा व्यवहार का खुलापन। मां, दादी और छोटे भाई से दिनभर की बातें और शिकायतें। न कुछ पूछने में उलझन ना ही कुछ कहने में अटकाव। सब कुछ तरल-सा, बहता-सा, संबंधों में साथ-स्नेह के सही मायने समझाता-सा। उसके लिए यह हैरान-परेशान करने वाले दृश्य थे। वे दोनों बहनें तो घर के भीतर आते ही एक ठहरा ठिठका-सा रंग-ढंग ओढ़ लेती हैं। चाहे कहीं से भी लौटें घर के आंगन में पांव धरते ही कुछ अलग-सी ही हो जाती हैं। हर बात में बड़ों की प्रतिक्रिया के प्रति सजग। आज सहेली के साथ उसके घर आकर अपनों का यह मैत्री भाव देखा तो लगा जैसे बहुत कुछ छूट रहा है, उनके जीवन से, मन से, रिश्तों से। मित्रता जो नहीं है, उनकी एक-दूसरे से। रिश्तों की औपचारिक सजगता और कभी सम्मान तो कभी सधापन रखने के नाम पर, सखा भाव को पनपने का अवसर ही ना मिला। उस घर के बड़े-छोटे सदस्यों की दोस्ती देख यही सोचते हुए विदा हुई कि 'घर के बाहर दोस्तों के साथ खिलखिलाने, मन की कहने का परिवेश अगर घर में ही हो तो, यह दुनिया की सबसे प्यारी दोस्ती होगी।' उसने मन ही मन तय कर लिया कि अपने घर में भी मित्रता का माहौल बनाने की कोशिश करेगी। *

- डॉ. मोनिका शर्मा

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

संगीत के अनछुए सुर

पत्रकार, लेखक और चित्रकार देव प्रकाश चौधरी की हालिया प्रकाशित किताब 'शब्द उठान सुर तिहाई' ऐसी संगीतमय किताब है, जिसके हर पन्ने पर सुर हैं, संगीत की राग-रागिनियां हैं। इन रागिनियों से निकले हैं संगीत साधकों के जीवन साधना से जुड़े अनेक किस्से। पुस्तक उस्ताद फैयाज खान की संगीत साधना के एक किस्से से शुरू होती है। एक बार जब फैयाज खान, ट्रेन के डिब्बे में बैठे सुरों की साधना में लीन होते हैं। अंग्रेज गार्ड खिड़की के बाहर खड़ा होकर सुरों के सागर में गोते लगाने लगता है। गाड़ी के चलने का वक्त निकलने लगता है और स्टेशन मास्टर बेचैन हो उठता है, मगर गार्ड हरी झंडी नहीं दिखाता। वह कहता है, 'भीतर फरिश्ता गा रहा है।' यह पुस्तक भारतीय संगीत और नृत्य की समृद्ध परंपरा का जीवंत दस्तावेज है। इसमें पंडित बिरजू महाराज के नृत्य में समाहित अभिनय, कथा और संगीत का अद्भुत समन्वय है। बनारस के घाटों पर मंदिरों की गूंजती घंटियों के बीच बिस्मिल्लाह खां की शहनाई की सुर-लहरियां हैं। उस्ताद अमीर खां की रूहानी गायिकी की गहराई है, तो मेवाती घराने के दैदीप्यमान सितारे पंडित जसराज का वह प्रेरक प्रसंग भी है, जिसमें वे तबला वादन से गायन की ओर अग्रसर होते हैं। ये किस्से सुर और संगीत की जादुई शक्ति से हमारा परिचय कराते हैं। लेखक की संवेदना से भरी भाषा ने इसे और आत्मीय, और कलात्मक बना दिया है। *

पुस्तक: शब्द उठान सुर तिहाई, **लेखक:** देव प्रकाश चौधरी
मूल्य: 225 रुपए, **प्रकाशक:** सर्व भाषा ट्रस्ट, नई दिल्ली

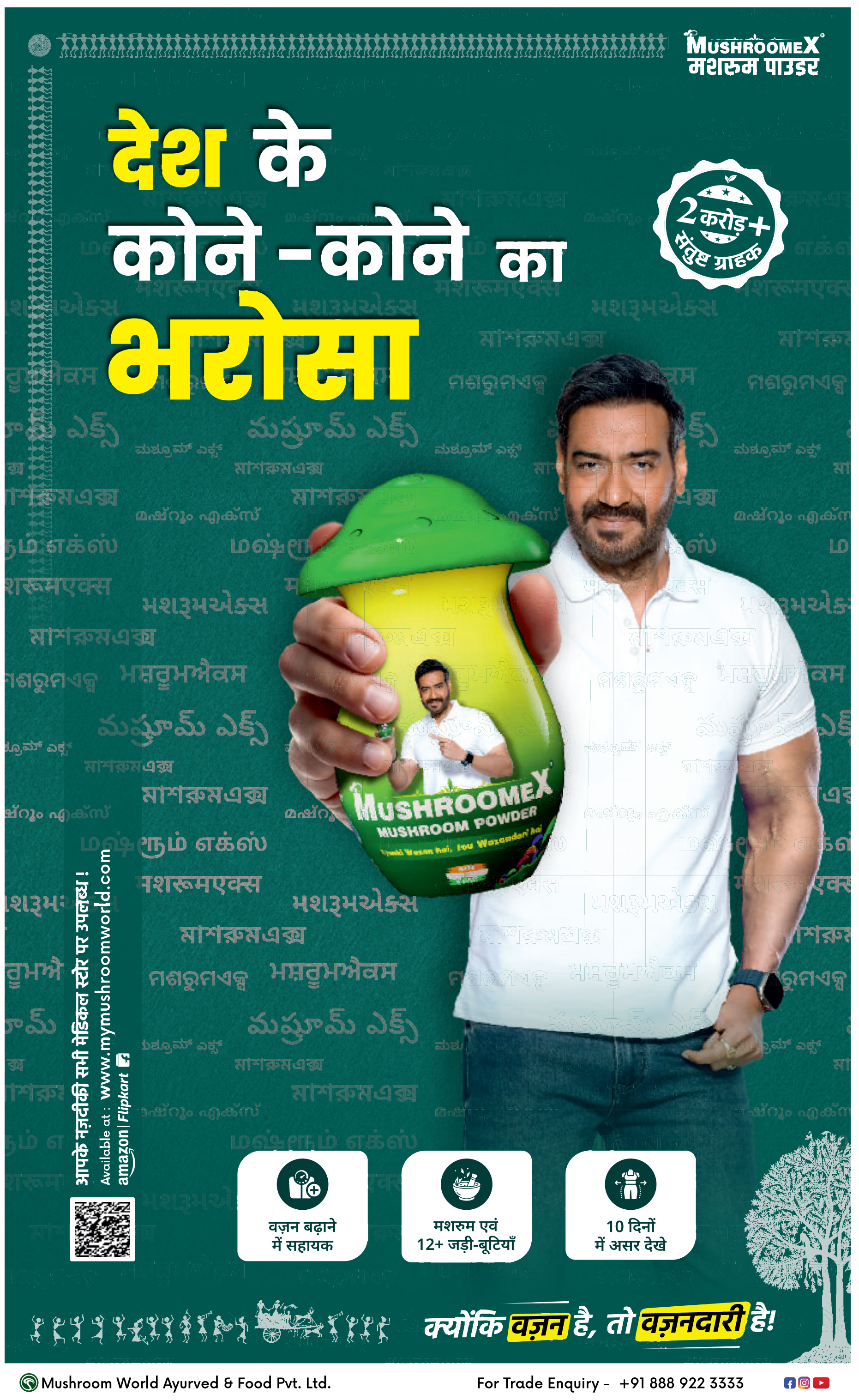

क्षेत्रीय चुनावों के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद हुआ यह विरोध प्रदर्शन

पीओके में हिंसा की आग लाहौर तक पहुंची, हिरासत में कई प्रदर्शनकारी

जून से हो रहे हैं बड़े पैमाने पर विरोध-प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के लाहौर प्रेस क्लब के बाहर पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कई लोगों को हिरासत में लिया है। ये लोग पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हुई हिंसा के खिलाफ एकजुटता जताने के लिए इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारियों के हाथों में प्लेकार्ड और पीओके के झंडे थे और वे नारे लगा रहे थे। जैसे ही रैली शुरू हुई, पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कार्रवाई की और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस अधिकारियों ने हिरासत में लिए गए लोगों को अपनी गाड़ियों में बिठाया और प्रदर्शन को खत्म करा दिया। यह विरोध प्रदर्शन पीओके में क्षेत्रीय चुनावों के दौरान हुई हिंसक झड़पों के बाद हुआ।

पुलिस गोलीबारी में कई लोगों की मौत

27 जुलाई को रावलाकोट और कोटली में हिंसा भड़की थी। कोटली में विरोधी राजनीतिक गुटों के बीच झड़प में एक कार्यकर्ता की मौत हुई। जेएएसी का दावा है कि सुरक्षा बलों की फायरिंग में कई लोग मारे गए और कई घायल हुए। पुलिस के मुताबिक उनके दो जवान भी घायल हुए थे। रावलाकोट में विरोध प्रदर्शन के लिए कई स्थानीय लोग सड़कों पर उतरे थे, जानकारी के मुताबिक, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने कथित तौर पर उन पर गोलियां चला दीं, जिससे कई लोगों की मौत हो गई। कई रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि इस हिंसा के बाद पीओके के कई हिस्सों में इंटरनेट सेवाएं सस्पेंड कर दी गईं। बता दें, जून की शुरुआत से ही बड़े पैमाने पर यहां विरोध-प्रदर्शन देखने को मिले हैं।

चार दिनों में 50 नागरिकों की मौत

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में पिछले तीन-चार दिनों से जारी हिंसा और विरोध प्रदर्शनों को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। जम्मू-कश्मीर जॉइंट पीपुल्स एक्शन कमेटी (जेएएसी) के सदस्य सरदार उमर नजीर कश्मीरी ने कहा है कि बीते कुछ दिनों में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 50 से ज्यादा लोगों की जान गई है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। उन्होंने इसे बर्बर आतंकवाद बताया। इसी बीच पाकिस्तान के इस्लामाबाद में 31 जुलाई को एक बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें पूर्व सीनेटर मुश्ताक खान समेत कई पाकिस्तानी और कश्मीरी लोग शामिल हुए। इस प्रदर्शन को लेकर उमर नजीर कश्मीरी ने आभार जताया है।

शांतिपूर्ण प्रदर्शन में की गई गोलीबारी

उमर नजीर कश्मीरी ने बताया कि वे रावलाकोट के डी-चौक पर अपने धरना स्थल पर मौजूद हैं और यह धरना लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दिनों में बड़े पैमाने पर लोगों की जान गई है और कई साथी घायल हुए हैं। उनका आरोप है कि शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे लोगों पर सीधी गोलीबारी की गई, जिसकी वजह से इतनी मौतें हुईं।

लगातार तूल पकड़ता जा रहा मामला

नजीर ने कहा कि 31 जुलाई को सीनेटर मुश्ताक साहब ने इस्लामाबाद के जी-10 मरकज में एक बड़ी रैली बुलाई थी। इस रैली में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी और कश्मीरी लोग शामिल हुए और उन्होंने अपनी एकजुटता दिखाई। उमर नजीर कश्मीरी ने पाकिस्तान और कश्मीर के उन सभी लोगों का भी आभार जताया, जिन्होंने इस्लामाबाद में एकजुट होकर यह बड़ा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक प्रदर्शन था। उमर नजीर कश्मीरी ने उम्मीद जताई कि आगे भी लोग इसी तरह उनके साथ खड़े रहेंगे और उनकी आवाज को मजबूती से उठाते रहेंगे। यह पूरा मामला पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चल रहे विरोध आंदोलन से जुड़ा हुआ है, जो लगातार तूल पकड़ता जा रहा है।

'विदेशों में नियम मानते हैं भारत में कचरा फैलाते हैं'

बॉम्बे हाईकोर्ट ने नागरिकों के रवैये पर जताई नाराजगी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारत में लोगों के गंदगी फैलाने और विदेश जाकर नियमों का पालन करने की आदत पर सख्त नाराजगी जताई है। जस्टिस जी एस कुलकर्णी और जस्टिस आरती साठे की बेंच ने कहा कि लोग विदेश में चॉकलेट का रैपर भी डस्टबिन में डालते हैं, लेकिन भारत में सड़क पर बेझिझक कचरा फेंक देते हैं।

कोर्ट ने पूछा कि क्या यह आजादी और लोकतंत्र की कीमत है। कोर्ट कांजुरमार्ग डंपिंग ग्राउंड के पास रहने वाले लोगों की सेहत और प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति साफ माहौल चाहता है तो समाज के प्रति उसकी भी जिम्मेदारी बनती है कि वह सफाई बनाए रखे। बेंच ने कहा कि नागरिक अधिकारियों को इस मामले में सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

समुद्र तटों पर फैले कचरे का भी जिक्र

कोर्ट ने शहर के समुद्र तटों पर फैले प्लास्टिक कचरे का भी जिक्र किया और सवाल उठाया कि क्या हम एक सभ्य समाज में रह रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि मुंबई की मुख्य सड़कों और गलियों में रोजाना कचरा फैला रहता है, जिससे सेहत और सफाई से जुड़ी गंभीर समस्याएं पैदा होती हैं। बृहन्मुंबई महानगरपालिका के 'स्वच्छ मुंबई, सुंदर मुंबई, आपली मुंबई' लोगो का हवाला देते हुए कोर्ट ने कहा कि इसका मकसद तो साफ है, लेकिन नागरिकों की लापरवाही और प्रशासन की सुस्ती से यह मकसद पूरा नहीं हो पा रहा। कोर्ट ने कहा कि हर वार्ड में सफाई व्यवस्था को असरदार बनाना बेहद जरूरी है ताकि सड़कों को कूड़ा फेंकने की जगह न बनाया जाए। बेंच ने राजाबाई टावर और हाई कोर्ट बिल्डिंग जैसी ऐतिहासिक जगहों के पास नगर निगम के कचरा ट्रकों की लापरवाही पर भी चिंता जताई। कोर्ट ने कहा कि इन जगहों पर आने वाले विदेशी पर्यटकों को भी सड़कों पर बिखरा कचरा दिखता है। कोर्ट ने नगर निगम को एक हफ्ते के अंदर ठोस कार्रवाई करने का निर्देश दिया, वरना कोर्ट खुद आदेश जारी करेगा।

स्पेन-मोरक्को सीमा संकट 67 हुई मृतक संख्या

सेउटा (स्पेन)। मोरक्को के साथ स्पेन के सेउटा सीमा संकट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है। स्पेन सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्पेन सरकार ने कहा कि मृतकों में कुछ ऐसे लोग शामिल हैं जो डूब गए और कुछ 'ब्रेकवॉटर बैरियर' को पार करने की भगदड़ में मारे गए। स्पेन ने घोषणा की कि वह ब्रेकवाटर (लहररोधी बांध) की बाड़ के साथ एक अवरोधक दीवार खड़ी कर रहा है। इससे पहले बृहस्पतिवार और शुक्रवार को करीब 60000 प्रवासी स्पेन के इस क्षेत्र (सेउटा) में घुस गये थे। शनिवार सुबह तैरकर सेउटा के ताराजल तट पर पहुंचे कुछ थके-हारे प्रवासियों को सैनिकों ने सीमा के पार वापस भेज दिया।

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation Limited
(A Government of Chhattisgarh Undertaking)
1st Floor. Udyog Bhawan. Ring Road No.1. Telibandha, Raipur (C.G.) – 492006
CIN: U45203CT1981SG001853, PAN: AABCM6288N.
GST Regn No. 22AABCM6288N5ZY. Phone: 0771-6621000
Fax: 0771-2583794 Website: www.csidc.in,
Email: address:csidc.cg@gov.nic.in.csidc_raipur@yahoo.com

REQUEST FOR PROPOSAL (RFP)
(Through e-Procurement Portal Only)

CSIDC/I.A. CHHATI/RFP/04/2026 Raipur, Dated 31/07/2026

Chhattisgarh State Industrial Development Corporation (CSIDC) a Government of Chhattisgarh Undertaking constituted under the Companies Act, 1956 engaged in Industrial Infrastructure Development & Other Related Activities in the State envisages to develop "Industrial Area" at Chhati, Dhamtari, Chhattisgarh.

"Request for Proposal" (RFP) is for planning designing, financing, construction. development, marketing, operation & maintenance of proposed **DEVELOPMENT OF INDUSTRIAL AREA UNDER PUBLIC PRIVATE PARTNERSHIP (PPP) MODE IN DBFOT MODEL AT CHHATI, DHAMTARI, CHHATTISGARH** on leasehold as is where is basis.

Land	Area of land (in Acre/SQM)	Proposed Project
Chhati, Dhamtari	40 Acres (approx.) (Leasehold on as is where is basis)	Development of Industrial Area

The RFP document containing detailed terms & condition, scope of work and other details is available for download from the web portal (website) **https://eproc.cgstate.gov.in** and shall be submitted online only Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.
NOTE: The interested tenders for online submission of tender may contact CG e-Proc Helpdesk, Operated by Mjunction Servies Limited. they may reach Helpdesk using 18004199140 (from 9 AM to 11 PM) (therein press 2 for CG e-Proc) or you can email them at Helpdesk **eproc@cgswan.gov.in.**
Tenderer may contact to Chief Engineer, CSIDC (Mob. No. +91 99264-80284) Udyog Bhawan in working hours on working days to clear their doubts if any before online submission of the tender.

S.- 48626 **Chief Engineer**

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001
Great Place To Work Certified

ईओआई क्रमांक : IOC-DRM/EOI/Wagon Loading/2026-27 दिनांक : 01.08.2026

ईओआई सूचना (EOI NOTICE)

दल्ली एवं राजहरा साइडिंग्स, दल्ली-राजहरा लौह अयस्क खदान, भिलाई इस्पात संयंत्र में रेलवे वैगन लोडिंग कार्य हेतु ठेकेदार की नियुक्ति के लिए अभिरुचि अभिव्यक्ति आमंत्रण।
ईओआई दस्तावेज़ सेल की वेबसाइट www.sailtenders.co.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं।
1. ईओआई प्रस्तुत करने की समय-सारणी
क) दस्तावेज़ डाउनलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:00 बजे तक)
ख) भरे हुए दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 31.08.2026 (दोपहर 01:30 बजे तक)
ग) प्री-बिड बैठक : 10.08.2026 (प्रातः 11:00 बजे)
घ) प्री-बिड बैठक का स्थान : मुख्य महाप्रबंधक (खदान-आईओसी) कार्यालय, दल्ली-राजहरा, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ – 491228

2. किसी भी प्रकार की जानकारी / स्पष्टीकरण हेतु निम्नलिखित अधिकारियों से संपर्क करें :
(क) उप महाप्रबंधक (टीएंडडी) श्री वी. के. सिंह, दल्ली मैकेनिकल माइंस (संपर्क नं. : 9407982944, ई-मेल : vksingh6@sail.in)
(ख) सहायक महाप्रबंधक (टीएंडडी) श्री पी. के. रामटेके, राजहरा मैकेनिकल माइंस (संपर्क नं. : 9407984111, ई-मेल : pramteke@sail.in)

विज्ञापन क्र.-बीएसपी-05 / 26-27 / दिनांक : 01 / 08 / 2026
पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : L27109DL1973GOI006454.Website: www.sail.co.in
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

दिल्ली पुलिस ने पकड़ी 20 करोड़ की कोकीन

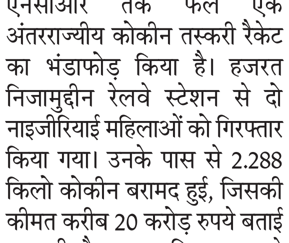

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मुंबई से दिल्ली-एनसीआर तक फैले एक अंतरराज्यीय कोकीन तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से दो नाइजीरियाई महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से 2.288 किलो कोकीन बरामद हुई, जिसकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपये बताई जा रही है। अब पुलिस इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। दरअसल, 31 जुलाई को हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट गश्त कर रही थी। इसी दौरान पुलिस की नजर सामान लेकर घूम रही दो संदिग्ध महिलाओं पर पड़ी। दोनों की गतिविधियां असामान्य लगीं, जिसके बाद उन्हें रोककर पूछताछ की गई। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद तलाशी ली गई तो एक महिला के सामान से 11 पैकेट मिले। बरामद पैकेटों की जांच के लिए क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब के विशेषज्ञों को बुलाया गया। जांच में पुष्टि हुई कि सभी पैकेटों में कोकीन थी। कुल 2.288 किलो कोकीन बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है। इसके बाद हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(3) और 29 के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

CAVEAT NOTICE

It is most humbly and respectfully submitted that the Directorate of Public Instruction, Chhattisgarh), under the aegis of the School Education Department, Government of Chhattisgarh, has initiated a recruitment process to fill up various vacant posts of Assistant Teacher and Teacher under the E and T Cadres within the state. That, for recruitment to the post of Assistant Teacher, a brief advertisement bearing Letter No.ESTB-101/207/2025/72 was officially published/ issued on 16.04.2026. Through this process, applications have been invited for a total of 2,292 vacant posts (795 in the E-Cadre and 1,497 in the T-Cadre). The detailed advertisement has been hosted on the official portals of the Chhattisgarh Professional Examination Board (CG Vyapam)/Chhattisgarh Staff Selection Board. Further, for recruitment to the post of Teacher (covering subjects such as Hindi, Sanskrit, English, Mathematics, Social Science, and Agriculture), a brief advertisement bearing Letter No. ESTB-101/207/2025/131 was officially issued on 28.07.2026 for filling up a total of 1,654 vacant posts. The online application process for the same is scheduled to commence in the upcoming days via the official website of the Chhattisgarh Staff Selection Board.

It is apprehended that the aggrieved persons/proposed petitioners may approach this Hon'ble Court challenging the aforesaid proceedings initiated for filling up the aforesaid posts including the conditions prescribed in this regard, by way of preferring petitions and may pray for an interim order against the same as well. In the event of filing of such a petition, it would be imminent in the interest of justice to afford an opportunity of being heard to the Caveators/State Government before passing any order whatsoever.

The address for notice to the caveator is being given hereinbelow.

"The Advocate General,
Office of the Advocate General,
Chhattisgarh High Court Campus,
Bodri, Bilaspur (CG.)"

BILASPUR
DATED

(SHASHANK THAKUR ADDL. AG)
G-262702502/1 COUNSEL FOR THE CAVEATOR/STATE

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क्र./03/संपत्तिकर/स्वामित्व हस्तांतरण/2026-27/7353 **संपत्ति स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आम सूचना** कोरबा, दिनांक 27/7/2026

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत निम्नलिखित व्यक्तियों का स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुए है. जिस पर आम सूचना प्रकाशन के 30 दिवस बाद निर्णय लिया जायेगा। इस हस्तांतरण के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति मय प्रमाण के नगर पालिक निगम कार्यालय साकेत भवन आई.टी.आई. रामपुर कोरबा (छ.ग.) में प्रस्तुत की जा सकेगी।

क्र.	स्वामित्व हस्तांतरणकर्ता (विक्रेता) का नाम एवं पता	हस्तांतरण के प्रकार	हस्तांतरिता (क्रेता) का नाम एवं पता	खसरा नंबर	रकबा	वार्ड क्र.	भवन / प्लाट नंबर	भूमि/ भवन
1	श्री धनेश्वर प्रसाद राठौर पिता श्री टेकराम राठौर, निवासी क्वा. नं. एस. एफ. 511, छराविमं आवासीय परिसर, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर	श्रीमती सरस्वती राठौर पति श्री धरम सिंह राठौर, निवासी क्वा. न. एस.ई. 649, छराविमं. आवासीय परिसर, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	595	142.14 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर 38.10 वर्गमीटर का निर्मित मकान	34	LIG-102	भूमि, भवन
2	श्री सत्यवत सिंह सोमवंशी पिता श्री के डी सोमवंशी, निवासी मिशन रोड, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्रीमती खीलकुमारी कौशिक पति श्री मनमोहन लाल कौशिक, निवासी- तरदा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	819/3	80.94 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर निर्मित मकान	5	78	भूमि, भवन
3	डॉ. श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल पिता श्री आर. पी. अग्रवाल एवं श्रीमती शशि अग्रवाल पति डॉ. श्री रविन्द्र कुमार, निवासी- नेहरू नगर, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्री अनिल कुमार अग्रवाल पिता श्री गूगन राम अग्रवाल, निवासी अनंत इमेजिन, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	505/6	46.00 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर 1485 वर्गफीट का निर्मित आरसीसी युक्त व्यावसायिक भवन	12	525/1	भूमि, भवन
4	श्रीमती सुभद्रा गुप्ता पति श्री आर. एस. गुप्ता, निवासी गांधी चौक, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्रीमती सीमा जायसवाल पति श्री सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल, निवासी गांधी चौक, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	892/5	645.83 वर्गफीट भूमि एवं उस पर निर्मित मकान	5	78	भूमि, भवन
5	श्री पुनुराम देवांगन पिता बरातु राम देवांगन से श्रीमती देवकी बाई देवांगन पति स्व. श्री पुनुराम देवांगन एवं संगीता देवांगन पिता स्व. श्री पुनुराम देवांगन, निवासी कुंआ, भट्ठा, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत हकत्याग पत्र एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्री मुकेश कुमार देवांगन पिता स्व श्री पुनुराम देवांगन, निवासी कुंआ, भट्ठा, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	216/6	2943 वर्गफीट भूमि एवं उस पर निर्मित मकान	28	855/3 में से	भूमि, भवन
6	श्री अभिषेक जैन पिता श्री विशाल जैन एवं श्रीमती कमलेश जैन पति श्री विशाल जैन, निवासी एल आई जी 01 दीनदयाल हा. बोर्ड कालोनी, दादरखुर्द, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा के आधार पर	श्री मुकेश प्रसाद पिता श्री अशोक कुमार, निवासी मकान नम्बर 686, मुडापार, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	320	123.17 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर पर निर्मित भवन	34	LIG-01	भूमि, भवन
7	श्री ओम प्रकाश सलूजा पिता स्व श्री सुन्दर दास सलूजा एव श्रीमती शीला सलूजा पति श्री ओम प्रकाश सलूजा से श्रीमती पूजा विश्वकर्मा पति श्री राकेश कुमार विश्वकर्मा, निवासी पं. रविशंकर शुक्ल नगर, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा के आधार पर	श्री उत्तम कुमार साहू पिता श्री मन्नी लाल एवं श्रीमती अर्चना साहू पति श्री उत्तम कुमार साहू निवासी क्वा. नं. 113/1, न्यू रेल्वे कालोनी, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	274/1/ध में से	216 वर्गमीटर भूमि एवं उस पर निर्मित मकान	26	MIG-II/42	भूमि, भवन

नोट :- निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पत्र पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

हमास की मदद, तुर्किये नागरिक ब्रिटेन में गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। ब्रिटेन में तुर्किये के एक नागरिक को एक फर्जी अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता संगठन के माध्यम से हमास को धन एवं अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने की कथित साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस्तांबुल निवासी मोहम्मद यूसुफ हसन (45) को शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उसे न्यूयॉर्क लाए जाने से पहले प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

मैनहट्टन में अमेरिकी अटॉर्नी जेमी मैकडोनाल्ड ने कहा कि हसन ने मानवीय सहायता की आड़ में हमास को खाद्य सामग्री, अन्य आवश्यक वस्तुएं और धन उपलब्ध कराने के लिए संगठन के शीर्ष नेतृत्व के साथ मिलकर काम किया। अमेरिका ने हमास को विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि अमेरिका में हसन की ओर से किस अधिवक्ता द्वारा पैरवी की जाएगी। हसन के खिलाफ लगाए गए आरोपों में हमास को सामग्री सहायता उपलब्ध कराने की साजिश रचना, आतंकवाद के वित्तपोषण की साजिश रचना तथा आतंकवाद के वित्तपोषण में संलिप्त होना शामिल है। इनमें से प्रत्येक आरोप में अधिकतम 20 वर्ष के कारावास का प्रावधान है। अमेरिका की सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति में आरोप लगाया गया है कि हसन 2023 से हमास के शासी निकाय के सदस्य और वरिष्ठ नेता गाजी हमद के साथ मिलकर काम कर रहा था।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises
Government of India.
Khadi India

प्रत्रांकः राकाछग/ग्रा.वि.यो./ सामान्य/2026–27/ दिनांक 31.07.2026

-:: आवेदन आमंत्रण सूचना ::-

खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर द्वारा ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत वर्ष 2026-27 के लिए मधुमक्खी पालन, फुटवियर निर्माण, फुटवेयर मरम्मत, एसी रिपेयरिंग, मोबाईल रिपेयरिंग, सिलाई मशीन,, टर्न वूड क्राफ्ट, ईमली प्रसंस्करण, मसाला एवं कॉण्डीमेंट्स, पॉपकॉर्न मशीन, विद्युत कुम्हारी चाक, पेपर मेशी तथा पेपर प्लेट एवं दोना निर्माण के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश के बेरोजगार युवक / युवतियों द्वारा योजना के नियमानुसार टूल्स किट्स वितरण कर स्वरोजगार संवर्धन हेतु आवेदन आमंत्रित है।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग के प्रधान कार्यालय, मुम्बई से वर्टिकल / उद्योग अंतर्गत प्राप्त लक्ष्यों के आधार पर निम्नलिखित शर्तों एवं पात्रता पूर्ण करने के पश्चात आवेदकों का चयनकिया जावेगा। चयनित आवेदको को योजना के नियमानुसार प्रशिक्षण उपरांत निम्न शर्तों के अनुसार उपरोक्त उद्योगों में मशीनरी / टूल किट्स प्रदान करने का प्रावधान है।

क्र.	विवरण	एस.सी./एस.टी	सामान्य/अन्य	बी.पी.एल. श्रेणी
1	स्वयं का अंशदान (मशीनरी लागत)	10 प्रतिशत	20 प्रतिशत	0 प्रतिशत
2	प्रशिक्षण शुल्क	निःशुल्क	निःशुल्क	निःशुल्क
3	मधुमक्खी पालन के मामले में प्रशिक्षण शुल्क	एस.सी./एस.टी/ महिला / दिव्यांगजन के लियेप्रशिक्षण निःशुल्क है।		
		अन्य सभी आवेदकों के लिये ₹500/- रूपये शुल्क देय होगा।		

पात्रता-
1. आवेदन के समय आवेदनकर्ता की आयु 18 वर्ष से कम तथा 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए,
2. एक परिवार से एक सदस्य ही योजना का लाभ ले सकता है,
3. योजना के नियमानुसार आवंटित श्रेणीवार (अनुसूचित जाति/ जनजाति/ बीपीएल) लक्ष्यांक के अनुसार बेरोजगार युवक/युवतियों को वरीयता दी जायेगी।
4. उपरोक्त वर्णित किसी भी ग्रामोद्योग अंतर्गत आवेदन हेतु पूर्व में किसी भी केन्द्र राज्य शासन के कार्यालय से समान गतिविधी में औजार एवं उपकरण प्राप्त किया गया हो वे व्यक्ति आवेदन के पात्र नहीं होंगे। जिसके लिए आवेदक को घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा ।
5. आत्मसमर्पित नक्सली / उग्रवादी / रक्षा कार्मिक एवं अर्धसैनिक बलों की विधवाओं तथा उग्रवाद प्रभावित परिवार आदि के पुर्नवास / पुर्नस्थापन हेतु व्यक्तियों को भी वरियता दी जायेगी।
6. केवीआईसी, केवीआईबी, नाबार्ड, कृषि विज्ञान केंद्र, कृषि अथवा उद्यानिकी बोर्ड, पात्र गैर-सरकारी संगठन, आरसेटी/रूडसेटी, आईटीआई आदि द्वारा संबंधित उद्योगों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके व्यक्ति ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त करने के पात्र होंगे।

आवश्यक दस्तावेजः- आवेदक आवेदन में अपना नाम, पिता का नाम, माता का नाम, पूर्ण पता, आधार नंबर, जन्मतिथि, मोबाईल नंबर, शैक्षणिक योग्यता, पासपोर्ट साईज फोटो, जाति / वर्ग, बैंक का नाम, खाता संख्या, आईएफएससी कोड, बीपीएल कार्ड आदि समस्त दस्तावेजों की स्वप्रमाणित छायाप्रति प्रस्तुत करना होगा ।

राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, प्रथम तल, गांधी भवन, कंकाली पारा, रायपुर (soraipur.kvic@gov.in) में भेजने एवं व्यक्तिगत / डाक द्वारा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.08.2026 को कार्यालयीन समय तक है।

अधिक जानकारी एवं आवेदन के प्रारूप हेतु राज्य कार्यालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग, रायपुर के दूरभाष क्रमांक 0771-2886428 पर सम्पर्क कर सकते है ।

सहायक निदेशक- (प्रभारी)

प्रथम तल गांधी भवन, केयूर भुषण स्मृति परिसर, कंकाली पारा,रायपुर- 492001
1st floor,Gandhi Bhavan, keyur Bhushan Smiriti Campus, Kankali para, Raipur - 492001
दूरभाष /Tele : 0771-2886428, ई मेल / E-mail:- soraipur.kvic@gov.in
GSTIN No. 22AAAAK8320N1ZO, GSTIN No. 22JBP02531E1DG (TDS Under GST)

HDFC BANK HDFC Bank Ltd.
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001
Tel: 0771-4243149/149 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

ई-नीलामी विक्रय सूचना
नीलामी की तिथि एवं समय :- 25-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से सुबह 11.00 बजे
(बिक्री समाप्त होने तक 5 मिनट के असीमित विस्तार के साथ)

एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत् माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) बिक्री के लिए ई-नीलामी बिक्री नोटिस जारी करता है। वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और सुरक्षाहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के तहत अचल संपत्तियों की संख्या, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के प्रावधानों के साथ पठित।
एतद द्वारा सामान्य रूप से जनता को और विशेष रूप से उधारकर्ता (ओं) और गारंटीकर्ता (ओं) को कॉलम (ए) में इंगित किया गया है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति (बंध) कॉलम (सी) में वर्णित है जो सुरक्षित व्यक्ति को गिरवी रखी गई है। लेनदार, जिसका भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कॉलम (डी) में वर्णित सुरक्षित लेनदार द्वारा लिया गया है, 'जैसा है जहां है', 'जैसा है' पर बेचा जाएगा। क्या है', और 'जो कुछ भी है' नीचे दिए गए विवरण के अनुसार:
एतद्द्वारा, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 9(1) के परन्तुक के अंतर्गत कॉलम (ए) में दर्शाए गए संबंधित उधारकर्ता/बंधककर्ता(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारियों, कानूनी प्रतिनिधियों (ज्ञात या अज्ञात), निष्पादक(ओं), प्रशासक(ओं), उत्तराधिकारी(ओं) और समनुदेशितियों को, जैसा भी मामला हो, सूचना दी जाती है।
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड सुरक्षित लेनदार की वेबसाइट यानी www.hdfcbank.com में दिए गए लिंक को देखें।

	(A)	(B)	(C)	(D)	(E)	(F) / (G)
स. क्रं.	ऋणी(यों) का नाम	वसूल की जाने वाली बकाया राशि (प्रतिभूत ऋण) (रु.)*	अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति का विवरण (1 वर्गमीटर 10.76 वर्गफुट के बराबर है)	कब्जे का प्रकार	आरक्षित मूल्य (रु.)	ब्याना जमा राशि (रु.) / बोली वृद्धि राशि (रु.)
1.	**श्री सराफ विशाल,** मकान नंबर-01, तुलसी विला, खम्हारडीह रोड, शंकर नगर, रायपुर - छत्तीसगढ़, पिन - 492001 - भारत। **श्री सराफ विशाल** विशाल इंटरप्राइजेज, दुकान नंबर-15, नयापारा, लेकर लाइन, रायपुर - 492001. **श्रीमती सराफ दिव्या** हाउस नंबर-01, तुलसी विला खम्हारडीह रोड, शंकर नगर, रायपुर - छत्तीसगढ़, पिन - 492001 - भारत।	₹ 40,18,857/- 31 मार्च 24* की स्थिति में	फ्लैट-03, मंजिल-7, ओवरसीज पाम रिसॉर्ट्स, ब्लॉक ए, स.क्र., खसरा नं. 91/1-2; प.ह.नं. 44, ग्राम- सड्डू, रायपुर, छत्तीसगढ़, कुल क्षेत्रफल- 1470.13 वर्ग फुट, कारपेट एरिया- 925.25 वर्ग फुट, **लेटिट्यूड- 21.284361, लांगिट्यूड-81.698556.**	भौतिक	₹47,05,000/-	₹4,70,500/- / ₹ 10,000/-
2.	**श्री साहू खिलेश्वर** 173, स्टेशन मरोदा, उत्तम टेलर्स, बीआरपी कॉलोनी, भिलाई नगर, सिविक सेंटर, भिलाई-दुर्ग 490006. **श्रीमती साहू दीपिका** 173, स्टेशन मरोदा, उत्तम टेलर्स, बीआरपी कॉलोनी, भिलाई नगर, सिविक सेंटर, भिलाई-दुर्ग 490006.	₹ 5,75,548/- 31 मई 2023* की स्थिति में	फ्लैट-एलआईजी-309, ग्रुप-5, फ्लोर-3, दीनदयाल आवास, योजना कौरिनभाटा, क्र.सं., ख. क्रमांक 328; ग्राम-कौरिनभाटा, तहसील-राजनांदगांव छ.ग., कुल बुआ क्षेत्रफल=487 वर्गफीट। (45.26 वर्गमीटर) **लेटिट्यूड-21.088282, लांगिट्यूड-81.009706.**	भौतिक	₹3,50,000/-	₹35,000/- / ₹ 5,000/-

सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 14-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे
बोली की अंतिम तिथि :-22-अगस्त-2026, शाम 5.00 बजे के पहले

* साथ में अतिरिक्त ब्याज, जैसा लागू हो, भुगतान की तारीख और/या उसकी प्राप्ति तक किए गए आकस्मिक व्यय, लागत, प्रभार आदि।
ऋणभार/दावों का खुलासा: आइटम सीरियल नंबर 01 पर सोसाइटी का Rs. 55,000/- का बकाया मेंटेनेंस चार्ज है (इसमें अतिरिक्त शुल्क आदि शामिल नहीं हैं, जो लग चुके हैं या लग सकते हैं)। प्रॉपर्टी खरीदने वाले को यह बकाया रकम अनिवार्य रूप से चुकानी होगी। कृपया ध्यान दें कि यह रिज़र्व प्राइस के अलावा है। खरीदार को यह रकम सीधे सोसाइटी को चुकानी होगी।
HDFC के अधिकृत अधिकारी की जानकारी और समझ के अनुसार, अचल संपत्तियों/सुरक्षित संपत्तियों पर कोई बोझ (encumbrance) नहीं है।
संपत्ति के निरीक्षण से संबंधित किसी भी सहायता के लिए, या ई-नीलामी बोली दस्तावेज प्राप्त करने के लिए और किसी भी अन्य प्रश्न के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी श्री लोकेश माहोरे से टेलीफोन नंबर 871800900 या श्री अंशुल अग्रवाल से टेलीफोन नंबर 9713436260 या मेसर्स वैल्यू ट्रस्ट कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड से संपर्क करें; ई-मेल: Auction.Manager@BidDeal.in ; संपर्क नंबर: +919266604643.
सावधानी नोट: बड़े पैमाने पर ई-बोलीदाताओं को सूचित किया जाता है कि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड और उसके अधिकृत अधिकारी नीलामी बिक्री नोटिस में उल्लिखित अचल संपत्ति के संबंध में नकद लेनदेन नहीं करते हैं। नाम और अचल संपत्ति की बिक्री से निपटने के लिए एचडीएफसी बैंक लिमिटेड द्वारा अधिकृत एजेंसी/दलाल, यदि कोई हो, का संपर्क विवरण केवल ऊपर उल्लिखित पते पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है।

दिनांक: 02 अगस्त, 2026
स्थान: रायपुर, राजनांदगांव
रजिस्टर्ड पता-एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
प्राधिकृत अधिकारी
ASA

प्रथम पृष्ठ का शेष

छग में उद्योग-...

और निदेशक सुनील बलानी, चैतन्य ग्रुप के एमडी अशोक खूबचंदानी, कोलंबिया विवि के प्रो चांसलर हरजीत सिंह हुरा, रियल ग्रुप के चेयरमैन और समाजसेवी राजेश अग्रवाल से अलग-अलग मुद्दों पर चर्चा की। निचोड़ यही रहा कि बदलाव तो आया है और विकास का यह दौर जारी रहा तो रायपुर का नाम देश के टॉप शहरों में शुमार हो जाएगा।

पर्यटन क्षेत्र में...

जिनकी सरकार रहती है, उसकी ही तारीफ करते हैं। श्री अग्रवाल ने कहा, मुझे लगता है कि छत्तीसगढ़ में पर्यटन के क्षेत्र में और काम करने की जरूरत है। प्रदेश में पर्यटन के कई स्थान हैं, अगर इनकी तरफ ध्यान देकर इनका विकास किया जाए तो अपने प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में बहुत इजाफा हो सकता है।

सरकार व्यापारियों के...

में काम करती है। सरकार व्यापारियों के लिए ऐसी नीति बनाती है जिससे व्यापारियों को कोई परेशानी नहीं होती है। श्री थौरानी ने कहा, छत्तीसगढ़ में स्टील और कोयले का भी भरपूर भंडार है। यहां पर कई चीजें ऐसी हैं जिनका सीधा निर्यात हो सकता है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। श्री थौरानी ने इस बात को सिरे से नकारा कि रायपुर में नकली सामानों का कारोबार होता है। उन्होंने कहा, व्यापारी वर्ग ट्रेड लाइसेंस का विरोध कर रहा है। उन्होंने कहा, उनको उम्मीद है कि सरकार व्यापारियों के हित में फैसला करेगी।

रायपुर की पहचान...

अलग बनने के बाद रायपुर राजधानी बना है तो यहां पर उद्योग, मेडिकल, होटलों से लेकर हर क्षेत्र में अच्छा विकास हुआ है। राज्य सरकार की उद्योग नीति के कारण यहां पर नए-नए उद्योग आ रहे हैं। लगातार विकास हो रहा है। आज रायपुर की पहचान अपने देश में ही नहीं विदेशों में भी हो रही है। श्री पारवानी ने कहा, योजनाएं तो अच्छी बनती हैं, लेकिन इसके क्रियान्वयन में परेशानी होती है। योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम भी तेजी से होना चाहिए।

रायपुर बन रहा...

भी दूसरे शहरों में जाना पड़ा है। ऐसे में यहां पर उच्च स्तरीय सुविधाओं के लिए मैंने यहां पर अस्पताल प्रारंभ करने का काम किया है। आज रायपुर में देश के बड़े-बड़े ग्रुप के अस्पताल आने को तैयार है। रायपुर अब हेल्थ हब बनते जा रहा है। पहले बड़े डॉक्टर रायपुर आने से कतराते थे, लेकिन आज रायपुर आने को हर शहर के डॉक्टर तैयार रहते हैं। आज हमारे रायपुर में नागपुर से भी ज्यादा सुविधाएं हैं। श्री बलानी ने कहा, अस्पताल का कारोबार सेवा के साथ मुनाफा का भी कारोबार है। मुनाफा पहले भी देखा जाता था आज भी देखा जाता है। इसमें कुछ गलत नहीं है। मशीनों पर लाखों-करोड़ खर्च करने पड़ते हैं।

हर काम मन...

मानकर ही लड़ते हैं। पार्टी जैसा निर्देश करती है, वैसा काम करते हैं। उन्होंने 1989-1990 में मध्यप्रदेश राज्य के समय विधायक चुनाव से लेकर अब तक पार्टी के निर्देश पर ही आगे बढ़े हैं। मध्यप्रदेश की तुलना तालाब से की। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यहां विधायक रहे, उन्होंने इसकी तुलना कुंए से की और अब लोकसभा सदस्य बनने पर कहा अब समुद्र में तैरने के जैसा है। यहां बड़ा काम है, लोगों की भलाई के अलावा अन्य विषयों पर भी सार्थक चर्चा कर देश के विकास में सहभागी बन रहे हैं।

अब विकास कार्य हो रहे हैं-

पिछले पाचं साल के सरकार में रायपुर के नाम उपलब्धि कम रही। विकास का काम ठप हो गया था। आज विकास के काम हो रहे हैं। रायपुर में यातायात बड़ी समस्या है, इसे सुधारने कचना ओव्हर ब्रिज का निर्माण, रिंग रोड की सर्विस रोड़ 10 मीटर चौड़ी होगी। 4 सर्कुलर ब्रिज बनेगा। मल्टीस्प्स्यलिटी हास्पिटल यहां आ रहे हैं। नए स्कूल, कॉलेज भी यहां आ रहे हैं। विकास की गति बढ़ी है और लोगों का जीवन स्तर सुधर रहा है।

चिट्ठी लिखने के सवाल पर बोले-
डिजिटल के दौर में भी अखबार की प्रतिष्ठा है -

सांसद बनने के बाद विभाग को अधिक पत्र लिखे जाने के बारे में उन्होंने बताया कि मैं साढ़े 18 साल मंत्री रहा। मैंने देखा कि लिखकर दिए जाने वाले पत्रों और दस्तावेजों पर एक्शन होता है। वह फाइलों में दर्ज होता है। वह कभी समाप्त नहीं होता, बल्कि इतिहास बनता है। डिजिटल दौर में चिट्ठी लिखने के सवाल पर चुटकी भी ली। बोले-टीवी, डिजिटल मीडिया आने के बाद भी अखबारों की अपनी प्रतिष्ठा है। अखबार आज भी हैं। उन्होंने कहा कि भूपेश सरकार के समय भी 5 साल में मैंने बहुत से पत्र लिखे। समस्या समाधान के लिए भी पत्रों के माध्यम से सरकार को सुझाव दिए जाते हैं। अतः अब भी कई मामलों में सरकार को पत्र लिखकर इससे अवगत कराता हूं।

नया रायपुर, पुराने रायपुर की कीमत पर विकसित न हो-

रायपुर और नवा रायपुर में से प्राथमिकता किसे देंगे इस सवाल पर उन्होंन साफ कहा कि नया रायपुर 21वीं सदी का शहर है। नया रायपुर पुराने रायपुर की कीमत पर विकसित नहीं होना चाहिए। शिक्षा, स्वास्थ्य मनोरंजन किसी भी शहर के लिए जरूरी होते हैं। विकसित रायपुर में इसे और ज्यादा बढ़ाने की आवश्यकता है। शारदा चौक सड़क चौड़ी करण को लेकर उन्होंने कहा, जनता चाहती है कि इसका चौडीकरण हो, लेकिन सरकारी पेंच में कई कार्य उलझ जाते हैं। अब यह पाइप लाइन से निकल कर बाहर आ गई है, जो जल्द पूरी होगा। विकास कार्यों से कभी संतुष्ट नहीं होना चाहिए। शहर का टैक्स कलेक्शन बढ़ा है, उसके अनुरूप शहर की जरूरतें पूरी होनी चाहिए।

बिल्ली के भाग से छींका नहीं टूटता-

कांग्रेस और साय सरकार की तुलना और कांग्रेस की सरकार बनाने की उम्मीदों को लेकर उन्होंने कहा, बिल्ली के भाग से छींका नहीं टूटता। हालांकि राजनीति में उम्मीद सबको रखनी चाहिए। जिस कार्य की उम्मीद रखें वह पूरा हो रहा है कि नहीं अलग मामला है। कांग्रेस में सर फुट्टोवल उनके लिए सबसे पहले हैं। दोनों सरकार की तुलना के बारे में कहा, पांचों उंगलियां बराबर नहीं होतीं। सब अलग-अलग होते हैं। दोनों सरकारों की तुलना की जा सकती है। चुनाव परिणाम ने भूपेश सरकार के कामकाज को बता दिया। ढाई साल की सरकार में अच्छे काम हो रहे हैं। साय सरकार के काम को बहुत अच्छा बताया। वहीं मोदी सरकार के कामकाज को और अच्छा बताया। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस काम को हाथ में लेते हैं, उसे धरातल पर उतारते हैं। पीएम आवास हो या जल जीवन मिशन सबमें अच्छा काम हो रहा है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उपर लाने का काम केंद्र सरकार ने किया है।

आतंक के शिकार...

भाई के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द गांव लाने की मांग की। उसने कहा कि परिवार अंतिम दर्शन कर अपने बेटे को सम्मानपूर्वक विदाई देना चाहता है। कुलगाम की इस दर्दनाक घटना ने एक बार फिर प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

पेपर लीक कानून...

होगी। कानून के अनुसार, प्रश्नपत्र लीक कराने या परीक्षाओं में अनुचित साधनों का इस्तेमाल करने के दोषियों को कम से कम पांच वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष के कारावास तथा 50 लाख रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। संगठित अपराध के मामलों में संशोधित कानून में न्यूनतम सात वर्ष के कारावास और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। सरकार ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) -2026 प्रश्नपत्र लीक को लेकर दिल्ली और देश के अन्य हिस्सों में छात्रों के व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बीच इस विधेयक को जल्द पारित कराने पर जोर दिया था।

2024 में लाया...

अनुचित साधनों तथा संबंधित अपराधों से निपटने के लिए कोई विशेष व्यापक कानून नहीं था।

सोने की बरसात...

ट्राईगेन मॉर्निंग नदेवेलो को शिकस्त देकर भारत की झोली में एक और गोल्ड मेडल डाला। महिला मुक्केबाजों ने रिंग में अपना पूरा दबदबा बनाए रखा। शनिवार को अरुंधति चौधरी, प्रीति पवार, जैस्मिन लांबोरिया, साक्षी चौधरी और प्रिया घंघास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इसके अलावा स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने भी दमदार खेल दिखाते हुए भारत के लिए सिल्वर मेडल जीता। भारत की प्रीति पवार ने कनाडा की स्कार्लेट डेलगाडो को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से धूल चटाकर देश को दिन का पहला मुक्केबाजी गोल्ड दिलाया। इसके बाद जैस्मिन लंबोरिया ने बॉक्सिंग का दूसरा गोल्ड मेडल डाला।

शहीद की पत्नी...

(मिनिस्ट्रियल) के पद पर अनुकंपा नियुक्ति दी गई थी। नियुक्ति के साथ उन्हें नियमानुसार वेतनमान भी स्वीकृत किया गया था। बाद में पुलिस अधीक्षक, बालोद ने 14 जनवरी 2020 को आदेश जारी कर उनका मूल वेतन 35,400 रुपए से घटाकर 25,300 रुपए कर दिया। इसी तरह ग्रेड पे भी 4,200 रुपए से घटाकर 2,400 रुपए कर दिया गया।

घर में घुसकर...

रिपोर्ट के बाद मौत के कारणों का खुलासा होगा। चर्चा है कि गांव वालों ने तेंदुए को लाठी -डंडे से पीट-पीटकर मार डाला। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार धमतरी वनमंडल के बिरगुड़ी परिक्षेत्र अंतर्गत पंडरीपानी बीट के आरक्षित वन खंड में शुक्रवार की रात करीब 12 से 1 बजे के बीच कर्राघाटी निवासी गांधी नेताम (55 वर्ष) के घर तेंदूआ घुसा और उस पर हमला कर घायल कर दिया। गांधी नेताम ने अपने बचाव के लिए आवाज लगाई तो तेंदुआ वहां से भागकर 500 मीटर दूर अंजोरसिंह (30 वर्ष) के घर में घुस गया। अंजोरसिंह ने अपने बचाव के लिए पास के ग्रामीण धरम नेताम को फोन के माध्यम बुलाया। धरम नेताम और विशेश्वर अंजोर सिंह के घर पहुंचे, जहां वन्यप्राणी तेंदुआ को भगाने का प्रयास किया। इसी दरम्यान तेंदुआ ने धरमसिंह पर हमला कर दिया। धरम के बचाव में अंजोरसिंह और विशेश्वर ने लाठी लेकर तेंदुआ को भगाया। तीन व्यक्ति किसी तरह अपने आप को बचाकर घर के अंदर घुस गए। कुछ देर बाद वह तेंदुआ पुनः उसके घर में आ गया। हमला करने का प्रयास किया तो वे जान बचाकर पीछे के दरवाजे से भागे। सुबह ग्रामीण जब अपने घर पहुंचे तो तेंदुआ मृत अवस्था में पड़ा मिला। इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही संयुक्त वनमंडलाधिकारी बिरगुड़ी एसएस नाविक, संजय रौतिया उप वनमंडलाधिकारी नगरी, धीरेंद्र साहू वन क्षेत्रपाल बिरगुड़ी, संदीप सोम वन क्षेत्रपाल नगरी एवं बिरगुड़ी परिक्षेत्र के कर्मचारी मौका स्थल पर पहुंचे। घायल व्यक्तियों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल नगरी में भर्ती कराया गया। नियमानुसार प्राथमिक उपचार के लिए घायलों के परिजनों को तत्काल सहायता राशि दी गई।

लालकिले से पहली...

को ही गाने की सरकारी अनुमति थी। रक्षा सूत्रों ने बताया कि संसद ने हाल ही में वंदे मातरम विधेयक को अपनी मंजूरी प्रदान की है। जिसके बाद देश के इतिहास में यह पहला ऐसा सुनहरा मौका होगा। जब स्वतंत्रता दिवस जैसे बड़े और महत्वपूर्ण राष्ट्रीय पर्व के दौरान इसका पहली बार लालकिले से पूर्ण रूप से गायन किया जाएगा। जो प्रत्येक देशवासी को न केवल गौरवान्वित करेगा। बल्कि उनमें राष्ट्रप्रेम की भावना को भी बढ़ाएगा। बताते चलें कि भारत वर्तमान समय में वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। जिसकी वजह से पहले केंद्र सरकार ने 26 जनवरी 2026 को गणतंत्र दिवस समारोह की थीम के लिए भी इसे ही चुना था।

मिलिट्री बैंड की होगी परफॉर्मेंस -

सूत्रों ने कहा कि 15 अगस्त से पहले ही पूरा देश एक प्रकार से जश्न-ए-आज़ादी के रंग में रंगा हुआ नजर आएगा। 8 से 15 अगस्त तक हर राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में तीनों सशस्त्र सेनाओं (सेना, वायुसेना और नौसेना) और केंद्रीय अर्धसैन्यबलों के बैंड अपनी शानदार और सुरमयी परफॉर्मेंस देंगे। जिनकी संख्या लगभग 340 होगी। मिलिट्री बैंड की परफॉर्मेंस में आम देशवासियों की जुबान पर चढ़े हुए देशभक्ति के कई प्रचलित गीत, आकर्षक धुनें बजाई जाएंगी। जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देंगी। अर्धसैन्यबलों के बैंड में असम राइफल्स, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) मुख्य हैं। राजधानी दिल्ली में 8 से 15 अगस्त के दौरान लालकिला, कुतुब मीनार, कनॉट प्लेस (सीपी), राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) और इंडिया गेट शामिल हैं।

1937 से गाए जा रहे सिर्फ 2 छंद -

वंदे मातरम की रचना बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वर्ष 1875 में संस्कृत और बांग्ला की मिश्रित भाषा में की थी। इसके कुछ वर्षों के बाद इसे 1882 में चट्टोपाध्याय के प्रसिद्ध आनंदमठ उपन्यास में प्रकाशित किया गया। 1905 में बंगाल विभाजन के वक्त यह गीत अंग्रेजों के खिलाफ जन आंदोलन का बड़ा नारा बना। लेकिन बाद में धार्मिक संदर्भों पर विवाद से बचने के लिए कांग्रेस ने इसके शुरुआती दो छंद गाने की ही आधिकारिक मंजूरी प्रदान की थी। आजादी के बाद 24 जनवरी 1950 को डॉ.राजेंद्र प्रसाद ने संविधान सभा में इसे राष्ट्रगान यानी जन-गण-मन के समकक्ष सम्मान देते हुए राष्ट्रीय गीत घोषित किया था। भारत पर ब्रिटिश राज के दौरान वंदे मातरम का गायन सबसे पहले कांग्रेस के कोलकाता में हुए राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान रविंद्र नाथ टैगोर ने किया था।

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें

सीला मलहम®
अंदर की खुजली व बदबू के लिये, चिंगार पानी, शिला, छितरी सफेद दाग, पुरानी खुजली एवं शरीर में जलन तथा मिठी खुजली में केवल तीन दिनों में असर देखें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल थ्रीव्हीलर शोरूम में सेल्स मैनेजर, सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मालवा टीवीएस ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा 8827948333, 8103515508 (41543)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल टूव्हीलर शोरूम में फील्ड सेल्स एग्जीक्यूटिव युवक, युवतियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जिंदल मालवा टीवीएस बिलासपुर 8827948333, 8103515508 (41544)

आवश्यकता है- कुक की आवश्यकता है जो पिज्जा बर्गर एवं फास्ट फूड बना सके। सैलरी योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- Cafe Aura Loyla school road vasant vihar chowk rajkishor nagar bilaspur 8103087764 (41551)

आवश्यकता है- सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार शोरूम में गार्ड (आयु 30वर्ष से 45वर्ष, ऊंचाई 5'-5", योग्यता 12वीं पास हो। वेतन 11000 से शुरु, तिफरा, सिरगिट्टी, चकरभाठा, बोदरी निवासी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक उमा सिक्युरिटी सर्विसेज बहतराई स्टेडियम चौक 99816 30084, 9981630042 (41536)

आवश्यकता है
(1) प्रशिक्षण अधिकारी- 10पद (इले. आई.टी.आई., डिप्लोमा इले. बीई. मैकेनिकल, डिप्लोमा मैकेनिकल)
(2) कम्प्यूटर ऑपरेटर- 5पद (PGDCA, MCA, BCA)
(3) प्यून- 5पद (10वीं पास)
साक्षात्कार- 08/08/2026 दिन शनिवार (10.30 से 4 तक)
सम्पर्क करें- न्यू महाराणा आई.टी.आई. लोधीपारा, पुराना सरकंडा, बिलासपुर 9203914561, 9425225997

आवश्यकता है- रेडीमेड शोरूम हेतु अनुभवी सेल्समैन/ सेल्सगर्ल की। वेतन- योग्यतानुसार। आधार सहित सम्पर्क- भारत किड्स वियर B-1 मेन रोड सुपर मार्केट रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक बिलासपुर 7049481000, 9826681000 (41546)

आवश्यकता है- शिक्षिकाओं की (प्री-नर्सरी से 8वीं) स्पोकन इंग्लिश, बीएड, कम्प्यूटर अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन योग्यतानुसार। फोटो सहित बायोडाटा व्हाट्सएप्प करें- BBVM इंग्लिश मीडियम स्कूल कस्तूरबा नगर, सिन्धी कॉलोनी, बिलासपुर 93006 54801, 7489885833 (41525)

आवश्यकता है- जिलास्तरीय कंपनी भर्तीपद- फॉरेस्टगार्ड, क्लर्क, वनपाल, चपरासी, हेतु 10वी+12वी पास लड़के लड़कियां, उम्र (18 -42) सैलरी- 26500/- - 42500/- आवेदन हेतु - मार्कसीट, आधारकार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप / कॉल करे- 9005465772 (118)

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित साड़ी शॉप में अनुभवी सेल्समैन-6 (लड़के), हेल्पर-6 (लड़के/ लड़की) और 2 फ्लोर मैनेजर (लड़के/ लड़की) की। वेतन योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- 97554 98703, 7987065573 वसंत साड़ी सेन्टर, सदर बाजार, बिलासपुर (41540)

आवश्यकता है- बिजी सॉफ्टवेयर के अनुभवी कम्प्यूटर जानकार एकाउंटेंट की आवश्यकता है। अनुभव न्यूनतम 2वर्ष बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गजानन ग्लास मामा भांजा तालाब पुराना हाईकोर्ट रोड शिव टॉकीज बिलासपुर 91110 67200 (41548)

आवश्यकता है- बिलासपुर सरकण्डा, गतौरी, रतनपुर अशोक नगर, राजकिशोर नगर के लिए चौकीदार, सुरक्षा गार्ड की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9691059371, 9039355895 (41542)

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीकल दुकान में माल निकालने एवं कार्य करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- भारती इलेक्ट्रीकल तेलीपारा मेन रोड बिलासपुर (41531)

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग कार्य एवं स्वीपर लेट्रिंग, बाथरूम की सफाई हेतु चाहिए सिर्फ नशा मुक्त ही सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898, 98279 40898 (41547)

आवश्यकता है- बिलासपुर में प्राइवेट लिमिटेड फर्म में एकाउंटेंट चाहिए। योग्यता Tally Prime GST रिटर्न TDS, TCS, Audit का अनुभवी। वेतन 25000 से 40000, Full time अनुभवी उम्मीदवार Resume Whatsapp करें- 9575042811 (41527)

आवश्यकता है- घर के काम हेतु महिलाओं/ लड़कियों की आवश्यकता है फुल टाइम रहना खाना फ्री एवं वेतन 9000 महीना, 6घंटे- 5000 महीना। केवल जरूरतमंद ही सम्पर्क करें- 86000 12354, केरा रोड, जांजगीर (41532)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कार्य हेतु (युवक/ युवतियां) सेल्समैन, ऑफिस स्टाफ, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राईवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- एकता मेडिकल एजेन्सी गंगा नगर फेस-2, मंगला चौक, बिलासपुर 8319675178, 9407600099 (1193)

आवश्यकता है- एक प्रतिष्ठित कलेक्शन एजेंसी को जशपुर/लैलूंगा /पत्थलगांव में निम्नलिखित पदों की आवश्यकता हैं फील्ड एग्जीक्यूटिव पद -15, Contact : 7000324697 पताः- ई-जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स (0068)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- परसदा (सकरी) दीनदयाल हाउसिंग बोर्ड कंस्ट्रक्शन साईट में रहकर सिर्फ चौकीदारी काम करने हेतु चौकीदार की आवश्यकता है वेतन 7000 प्रतिमाह 40वर्ष से ऊपर वाले ही सम्पर्क करें- 98274 04638 (41550)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, ड्राईवर ई-आटो एवं इलेक्ट्रीशियन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सी-15 ग्राउंड फ्लोर, नारायण प्लाजा बिलासपुर 96855 42250, 6264550163, 7049098581 (41545)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर- 2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (41535)

आवश्यकता है- फोटो स्टूडियो में कम्प्यूटर एवं फोटो कॉपी कार्य हेतु लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर 6260689286 (41549)

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग हेतु लड़की एवं महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000- 6000 कमीशन +बोनस, अनुभवी को प्राथमिकता बिलासपुर मो. 9232795464, 79874 84831 (116)

आवश्यकता है- घरेलू सभी काम कर सके, झाड़ू पोछा, साफ सफाई, बर्तन धोने हेतु लड़की / महिला चाहिए जरूरतमंद को प्राथमिकता। पता- पुराना बस स्टैण्ड करबला रोड, रामकुमार पेन्टर गली, बिलासपुर 9098752111 (41530)

आवश्यकता है- मार्केटिंग मैनेजर- 5 पद, फिल्ड ऑफिसर-10 पद, काउंसलर- 1 पद, टेलीकॉलर- 2 पद की आवश्यकता है वेतन- 6000 से 15000, योग्यता- ग्रेजुएट, सम्पर्क करें- सुपर मार्केट अग्रसेन चौक बिलासपुर 9039980553 (1499)

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में सामान छोड़ने, लाने हेतु लड़की/ लड़कों योग्यता 10वी, 12वी (स्वयं की बाइक अनिवार्य) एवं ड्राईवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्रीविनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (5419)

आवश्यकता है- साड़ी एवं रेडीमेड दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कियों एवं लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- आकांक्षा स्टोर बिलासा चौक शनिचरी बाजार बिलासपुर 98279 16580, 9827887934 (41506)

Advertisement Booking Time 10.30 AM To 4.00 PM

आवश्यकता है- UTN Shop में सर्वे हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सैलरी 10000 से 15000 एवं रिसेप्शनिस्ट- 1पद सैलरी 6000, सम्पर्क करें- शॉप नं.-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 7999594790 7806007192 (41529)

आवश्यकता है- साड़ियों की दुकान में कार्य हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। सेल्समैन पेमेंट 16000+1%, हेल्पर पेमेंट 9500, सेल्सगर्ल वेतन 13000+1%, गर्ल हेल्पर वेतन- 7500 (उम्र 18 से 30वर्ष तक) सम्पर्क करें- 9691342085 (41523)

आवश्यकता है- फेब्रिकेशन कार्य हेतु 4 वेल्डर, 8 हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- सुबह 10बजे से शाम 6बजे तक पता- उमेश इंजीनियरिंग धुरीपारा, मंगला बिलासपुर 9098220011, 80858 88288 (41514)

बेचना है

बेचना है- हाईकोर्ट छतौना प्लॉट 25×50 50×50 आसमा सिटी उस्लापुर 25×60 सकरी परसदा हाउसिंग 25×50, 50×50 व्यापार विहार मेन रोड दुकान 470 वर्गफुट 365 वर्गफुट प्लॉट 22×75 रायपुर मेन रोड परसदा 55×135 रतनपुर रोड मदनपुर 1.29 एकड़ चंदेला नगर रिंग रोड-2 मकान 3BHK गुलाब नगर राजकिशोर नगर 25×50, 32×30 सम्पर्क- 98278 96182, 9827955199 (41526)

बेचना है- 2BHK फ्लैट चतुर्थ फ्लोर पर फालसिलिंग सहित 26लाख में उसलापुर ओवरब्रिज से पहले शुभम विहार डामर मेन रोड से 200मी. बटरफ़्लाई अपार्टमेंट में सम्पर्क-JBS infra-homes construction हेमूनगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41539)

बेचना है- आसमां सिटी फेस 2 में गार्डन फेसिंग 1714 वर्गफुट आवासीय प्लॉट एवं धुरीपारा मंगला में 2000 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट तत्काल बेचना है। सम्पर्क करें- 6265418733, 7647087929 (41533)

बेचना है- शहर के पॉश एरिया रिंग रोड नं-2 में स्वर्ण जयंती नगर गणेश हेरिटेज में सर्वसुविधायुक्त 3BHK फर्निश्ड फ्लैट 4th floor में बेचना है (पार्किंग सुविधा उपलब्ध) सम्पर्क करें- 8120751000, 9981 163443 (1500)

बेचना है- बिलासपुर नया हाईकोर्ट के पास काली ढाबा के सामने 5168 वर्गफुट प्लॉट एवं मोपका में कमर्शियल डायवर्सन किया हुआ 2500 वर्गफुट प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें 7898855268 (ब्रोकर क्षमा करें) (41541)

बेचना है- 2BHK फ्लैट तृतीय फ्लोर, 29लाख लिफ्ट पार्किंग हेमू नगर साई मंदिर के पास पाम अपार्टमेंट में डामर मेन रोड से 300मी. सम्पर्क- JBS infra-homes construction हेमू नगर मुर्राभट्टा तोरवा 9300000195 (41538)

बेचना है- ग्राम निपनिया थाना सीपत तहसील बेलतरा जिला बिलासपुर से 22KM दूर 10एकड़ जमीन बेचना है। चारों ओर फेंसिंग, दो ट्यूबवेल की सुविधा केवल इच्छुक व्यक्ति ही सम्पर्क करें- 9827972720, 8435344962 (41524)

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586
- हिबिस्कस मार्केटिंग एण्ड एडवरटाइजमेंट:- मो. 8109229025

बॉक्सिंग में रिकॉर्ड, पैरा और एथलेटिक्स में चमके सितारे

एजेंसी ▶▶| ग्लास्गो

नरेंदर ने पुरुषों की 90 प्लस किलो स्पर्धा में रजत पदक जीता और भारत ने राष्ट्रमंडल खेलों की मुक्केबाजी स्पर्धा में शनिवार को अपने अभियान का समापन रिकॉर्ड सात स्वर्ण पदकों के साथ किया। नरेंदर को पुरुषों के 90 प्लस किलो में इंग्लैंड के डामार थॉमस ने 5-0 से हराया। वहीं पैरा एथलेटिक्स में सोमन राणा (स्वर्ण) और शुभम जुयाल (रजत) ने पुरुष शॉटपुट एफ57 में भारत को डबल सफलता दिलाई। एथलेटिक्स में ट्रिपल जंप में प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु ने सफलता हासिल की।

मुक्केबाजी में शीर्ष स्थान पर भारत

भारत ने मुक्केबाजी में सात स्वर्ण और तीन रजत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। राष्ट्रमंडल खेलों में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले अंकुश पंघाल ने पुरुषों के 80 किग्रा वजन वर्ग के फाइनल में इंग्लैंड के दिमेजी शिट्टू को हराकर भारत को सातवां स्वर्ण पदक दिलाया।

लवलीना को रजत पदक से करना पड़ा संतोष

सचिन सिवाच ने इससे पहले पुरुषों के 60 किग्रा वजन वर्ग के रोमांचक फाइनल में नामीबिया के ट्रायागेन मॉर्निंग एनडेवेलो को हराकर स्वर्ण पदक जीता। यह भारत का छठा स्वर्ण पदक रहा। हालांकि ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन को महिलाओं के 70 किलोवर्ग के फाइनल में आस्ट्रेलिया की एम्मा सू ग्रीनट्री से खंडित फैसले में 4-1 से मिली हार से रजत पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले भारतीय मुक्केबाज जैसमीन लंबोरिया, प्रीति पवार, साक्षी चौधरी , अरूंधति चौधरी और प्रिया घंघास ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने वजन वर्गों में स्वर्ण पदक जीते जबकि पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में जादूमणि सिंह को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अरुंधति ने इंग्लैंड की शेंटेले रीड को महिलाओं के 70 किलोवर्ग के फाइनल में 5-0 से हराया।

100 मीटर टी47 दौड़ में भारत को गोल्ड के साथ सिल्वर

इसके बाद 'पुरुषों की 100 मीटर टी47 दौड़' में भारत ने गोल्ड के साथ सिल्वर मेडल हासिल किया। दिलीप महादु गावित ने 10.71 सेकंड के समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि मोहम्मद बासिल मोर्सिंगनाकथ ने 10.83 सेकंड के साथ सिल्वर अपने नाम किया। इस स्पर्धा का ब्रॉन्ज इंग्लैंड के केविन सैंटोस (10.85 सेकंड) ने हासिल किया।

पदक तालिका

क्रम	देश	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल पदक
1	ऑस्ट्रेलिया	61	37	50	148
2	इंग्लैंड	24	40	34	98
3	कनाडा	18	18	21	57
4	भारत	13	16	08	37
5	स्कॉटलैंड	11	08	17	36
6	नाइजीरिया	10	06	05	21
7	वेल्स	08	10	12	30
8	न्यूजीलैंड	08	10	09	27
9	मलेशिया	08	03	03	14
10	दक्षिण अफ्रीका	07	10	10	27

भारत 13 स्वर्ण, 16 रजत और 8 कांस्य पदक से कुल 37 पदक जीतकर तालिका में चौथे स्थान पर है

भारत ने जूडो में जीते रिकॉर्ड चार पदक

जूडो खिलाड़ी उन्नति शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं के 63 किग्रा से कम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर भारत का इस स्पर्धा में ऐतिहासिक अभियान जारी रखा। यह जूडो में भारत का रिकॉर्ड चौथा पदक है। उन्नति ने शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए अपने पैर से दक्षिण अफ्रीका की स्काई नोएस्टर स्काई का संतुलन बिगाड़ा और फिर उन्हें पीठ के बल पटककर इप्पोन हासिल कर मुकाबला महज एक मिनट सात सेकेंड में खत्म कर कांस्य पदक जीत लिया। यह कांस्य पदक भारत का जूडो में चौथा पदक था, जिससे देश का राष्ट्रमंडल खेलों में इस स्पर्धा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी है। भारत के इस ऐतिहासिक अभियान की अगुआई हर्ष सिंह (पुरुष 60 किग्रा) और अस्मिता डे (महिला 48 किग्रा) ने की। दोनों अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रमंडल खेलों की जूडो प्रतियोगिता में भारत के पहले स्वर्ण पदक विजेता बने। यामिनी मौर्य ने महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत के रिकॉर्ड पदक अभियान में अपना योगदान दिया।

पैरा स्पोर्ट्स में शानदार प्रदर्शन : 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल

एजेंसी ▶▶| ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन के साथ भारत का 'पैरा इवेंट्स' में अभियान समाप्त हुआ, जिसमें देश ने कुल 7 मेडल जीते। इनमें 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे।

झंडू कुमार देश के लिए कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में मेडल का खाता खोलने वाले भारतीय रहे। दो ग्रुप वाले मुकाबले में झंडू ने 130.9 के बेस्ट रिजल्ट के साथ 'ग्रुप-बी' में टॉप किया। उन्होंने युगांडा के डेनिस म्बाजीरा (114.1) और ऑस्ट्रेलिया के बेन राइट (110.9) को आसानी से पीछे छोड़ते हुए मेडल की दौड़ में जगह बनाई।

तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय की मौजूदगी

इसके अलावा, तीन इवेंट्स में पोडियम पर दो भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी रही। इसमें महिलाओं का शॉट पुट एफ57, पुरुषों का शॉट पुट एफ57 और पुरुषों की 100 मीटर एफ47 रेस शामिल रही। 'विमेंस शॉट पुट एफ57' प्रतियोगिता में देश को एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल हाथ लगा। पैरा एथलीट शर्मिला धनखड़ ने फाइनल में 9.81 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो करते हुए पहला स्थान हासिल किया। वहीं, शिल्पा कंचुगरकोप्पालु शायला ने 7.26 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ ब्रॉन्ज जीता।

त्रिकूद : चित्रावेल ने रजत और प्रभु ने जीता कांस्य

भारत के त्रिकूद खिलाड़ियों प्रवीण चित्रावेल और सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रवीण चित्रावेल ने इस बार अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 16.58 मीटर की कूद लगाकर रजत पदक जीता। उनके हमवतन सेल्वा प्रभु तिरुमरन ने 16.52 मीटर की छलांग से कांस्य पदक हासिल किया। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनका पहला बड़ा पदक है। जमैका के जॉर्डन स्कॉट ने 16.72 मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले पैरा एथलेटिक्स के पुरुषों की टी54 1500 मीटर फाइनल स्पर्धा में भारत के रमेश शनमुगम तीन मिनट 23.59 सेकेंड का समय लेकर सातवें स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश : पांचवें नंबर पर रही महिला टीम

ओंटारियो। भारतीय महिला टीम ने 5-6वें स्थान के प्लेऑफ में इंग्लैंड को 2-0 से हराकर विश्व स्क्वाश जूनियर टीम चैंपियनशिप में पांचवां स्थान हासिल किया। रुद्र सिंह ने रेखा केमेसी को 11-5, 8-11, 11-5, 11-6 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सान्वी कलांकी ने ईव पार्किंस पर 11-6, 11-9, 11-9 से जीत हासिल की। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 2-0 से हराकर प्ले-ऑफ में जगह बनाई थी। इस मुकाबले में सान्वी ने टीना मा को 11-6, 11-9, 11-4 से और रुद्र ने सर्बनी मैत्रा को 10-12, 11-5, 11-1, 11-2 से हराया। भारतीय पुरुष टीम ने इस प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

श्रीलंका दौरा : वॉर्मअप मैच का शेड्यूल बदला, अब 3 दिन का होगा मुकाबला

कोलंबों में अभ्यास मैच 7 से 9 अगस्त तक चलेगा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीम इंडिया अगस्त में दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी। टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले दोनों टीमों के बीच एक वॉर्मअप मैच खेला जाएगा। इस इकलौते वार्म-अप मैच के शेड्यूल में बड़ा बदलाव किया गया है। पहले यह मुकाबला 4 दिन का तय हुआ था, लेकिन अब इसे घटाकर 3 दिन का कर दिया गया है। यह अभ्यास मैच कोलंबो के एनसीसी ग्राउंड में 7 अगस्त से शुरू होगा और 9 अगस्त तक चलेगा। इस टेस्ट सीरीज के लिए बीसीसीआई की सेलेक्शन कमेटी ने टीम इंडिया के स्क्वॉड का ऐलान कर दिया है।

4 को कोलंबो के लिए रवाना होगी टीम इंडिया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और टीम मैनेजमेंट को इस बदलाव की जानकारी दे दी गई है। हालांकि, मैच का समय कम करने की कोई ठोस वजह सामने नहीं आई है। भारतीय टीम 4 अगस्त को कोलंबो के लिए रवाना होगी। 3 दिन का यह अभ्यास मैच खत्म होने के बाद टीम गॉल के लिए रवाना होगी, जहां 15 अगस्त से पहला टेस्ट मैच खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मैच 23 अगस्त से कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में होगा। फैंस के लिए अच्छी बात यह है कि इस वॉर्म-अप मैच का लाइव प्रसारण किया जाएगा।

साई सुदर्शन हो रहे तेजी से रिकवर

टेस्ट सीरीज की शुरुआत से पहले भारतीय टीम के लिए खिलाड़ियों की फिटनेस को लेकर कुछ अच्छी खबर आई है। चोट की समस्या से जूझ रहे साई सुदर्शन तेजी से रिकवर हो रहे हैं। पैर के अंगूठे में चोट के कारण सुदर्शन का टीम में चयन उनकी फिटनेस पर निर्भर था, लेकिन अब उन्होंने बेंगलुरु में अपना रीहैब पूरा कर लिया है और दोबारा बल्लेबाजी का अभ्यास भी शुरू कर दिया है। वहीं जसप्रीत गुमराह अब घुटने की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं।

दलीप ट्रॉफी : सेंट्रल जोन के कप्तान बने पाटीदार, रिंकू सिंह संभालेंगे उपकप्तानी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अपनी कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को लगातार 2 बार आईपीएल का खिताब जिताने वाले रजत पादीटार को दलीप ट्रॉफी में सेंट्रल जोन का कप्तान बनाया गया है।

वहीं, बाएं हाथ के विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। दलीप ट्रॉफी की शुरुआत 23 अगस्त से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होगी।

स्टैंड-बाय में छह खिलाड़ी

सेंट्रल जोन चयन समिति ने टूर्नामेंट के दौरान किसी भी मेन स्क्वाड सदस्य को होने वाली किसी भी संभावित चोट को कवर करने के लिए अमनदीप खरे, मयंक मिश्रा, सौरभ रावत, भार्गव मेराई, कुणाल यादव और कुमार कार्तिकेय की छह सदस्यीय खिलाड़ियों की स्टैंड-बाय सूची भी बनाई है।

गत चैंपियन हैं सेंट्रल जोन

सेंट्रल जोन गत चैंपियन है। टीम ने पिछला संस्करण फाइनल में साउथ जोन को हराकर जीता था। यह टीम का सातवां खिताब है। दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन की 15 सदस्यीय मजबूत दल का ऐलान किया गया है। बल्लेबाजी में पाटीदार, रिंकू सिंह, अमन मोखाड़े, कुणाल चंदेला, आयुष पांडे, आर्यन जुयाल और यश राठौड़ जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं, गेंदबाजी में तेज और स्पिन गेंदबाजों का बेहतरीन मिश्रण है। तेज गेंदबाजी में यश ठाकुर, अरशद खान, आर्यन पांडे और नचिकेत भूटे को मौका दिया गया है। वहीं, स्पिन गेंदबाजी की जिम्मेदारी सारांश जैन, हर्ष दुबे और जीशान अंसारी को सौंपी गई है।

एडवर्ड्स ने छोड़ी नीदरलैंड्स टीम की कप्तानी, बास डी लीडे संभालेंगे कमान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

स्कॉट एडवर्ड्स ने नीदरलैंड्स क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने 56 वनडे इंटरनेशनल मुकाबलों में टीम की कप्तानी की। एडवर्ड्स की जगह पर ऑलराउंडर बास डी लीडे आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कैंपेन के बाकी मैचों के लिए टीम की कमान संभालेंगे। यूट्रेक्ट में लीग 2 के मैच खत्म होने के बाद, एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में बताया। एडवर्ड्स ने कहा कि अब लीडरशिप की भूमिका छोड़ने और एक खिलाड़ी के तौर पर बड़ी भूमिका निभाने पर ध्यान देने का सही समय है। एडवर्ड्स ने अपनी टीम के साथियों से कहा, मुझे खेद है कि मैं आप लोगों के सामने यह बात अचानक रख रहा हूं, लेकिन मैं अब से कप्तान का पद छोड़ रहा हूं। मेरा मानना है कि यह एक ऐसा मामला है जिस पर रयान कुक और मैंने बात की है और मैंने कई अन्य लोगों से भी इस बारे में चर्चा की है।

विरोध के बाद इन्फेंटिनो ने रद्द की योजना

जेनेवा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने दुनिया के हर कोने से भारी विरोध के बाद विश्व कप के मुनाफे को निजी इक्विटी कंपनियों को बेचने की अपनी विवादास्पद योजना को रद्द कर दिया है। इन्फेंटिनो ने यह फैसला तब किया जब एशिया की फुटबॉल संस्था ने यूरोप और उत्तरी अमेरिका के साथ मिलकर इसका विरोध किया तथा व्हाइट हाउस की एक समिति में शामिल रहे उनके वरिष्ठ सलाहकार ने खुलकर इसका विरोध करते हुए इस्तीफा दे दिया था। इन्फेंटिनो ने कहा, ' सभी पक्षों के विचार जानने के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि इस योजना ने ऐसे विभाजन पैदा कर दिए हैं, जो मूल उद्देश्य के हित में नहीं हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा उद्देश्य हमेशा एकजुट रहना और सुधार करना रहा है और भविष्य में भी ऐसा ही होगा। इसलिए यह प्रस्ताव आगे नहीं बढ़ेगा।'

लंदन में चला कुलदीप का जादू स्टोक्स को भेजा पवेलियन

- कुलदीप ने यॉर्कशर की वनडे कप में जीत में निभाई अहम भूमिका

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स को आउट किया और यॉर्कशर की वनडे कप में डरहम पर जीत में अहम भूमिका निभाई।

कुलदीप ने स्टोक्स (12) को जॉर्ज हिल के हाथों कैच आउट कराने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट के विशेषज्ञ कॉलिन एकरमैन (26) को भी आउट किया। कुलदीप ने 10 ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए, जिससे यॉर्कशर ने डरहम को 48.1 ओवरों में केवल 165 रन पर ढेर कर दिया। जेम्स व्हार्टन (नाबाद 68) और सैम व्हाइटमैन (नाबाद 52) ने अर्धशतक बनाए और यॉर्कशर ने 41 ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

सोने की नीलामी की सूचना

बजाज फाईनान्स लिमिटेड ("BFL"); पंजीकृत कार्यालय: मुंबई–पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे– 411035

BAJAJ FINANCE

ऋणियों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित ऋणियों ने बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद लोन का भुगतान या आवश्यक मार्जिन जमा नहीं किया है। इस कारण, ऋणियों द्वारा लोन के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में गिरवी रखे गए सोने की नीलामी "जैसा है, जहाँ है" के आधार पर निम्नलिखित शर्तों के अनुसार की जाएगी: 1. क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (सोने का विवरण एवं सकल वजन) की सम्पूर्ण जानकारी देखें, 2. बोलीदाताओं के लिए सभी नियम एवं शर्तें निम्न लिंक पर उपलब्ध हैं: All about our Terms and Conditions - Bajaj Finance Limited 3. सभी बोलीदाताओं को नीलामी से पूर्व ₹25,000/- की अग्रिम जमा राशि (EMD) ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना अनिवार्य है; 4. नीलामी स्थल पर प्रातः 10 बजे वैध पहचान एवं पते के प्रमाण के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। नीलामी की तिथि में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित किया जाएगा। बोली प्रस्तुत करना उपरोक्त नियमों एवं शर्तों की स्वीकृति माना जाएगा। अधिक जानकारी के लिए wecare@bajajfinserv.in पर संपर्क करें।

(10-09-26) **अंबिकापुर - अंबेडकर चौक**: PLI4GOL16937471, 20342987, 29729188, 29719143. **भिलाई - जी.ई. रोड:** PBX2GOL18464025, 20124113, 30408568, 32483193, 34916255. **भिलाई - कृष्णा थिएटर रोड:** PMM8GOL34073268. (11-09-26): **भिलाई - सिरसा गेट चौक:** PMM9GOL16828720. **भिलाई - स्मृति नगर:** PLL2GOL31827814. **चांपा - बारपाली चौक:** PPA1GOL31389855. (12-09-26) **बिलासपुर - अग्रसेन चौक:** PGJ8GOL19610405, 20369357, 20534505, 29841308, 30082563, 30242305, 30806137, 31769817, 32299843, 33043278, 33866314, 34044297, 34517137, 34918903. (15-09-26) **बिलासपुर - सरकंडा:** P42HGOL16810786, 29866989, 30071079, 30064032, 30888378, 31270636, 32068590, 32695073, 33015899, 33676954. **दुर्ग - महाराजा चौक:** PMW4GOL30509837. **दुर्ग - स्टेशन रोड:** P08IGOL32075149. **जगदलपुर - गुरु गोविंद सिंह चौक:** PQV4GOL31196606, 32283075, 32461757, 33607348, 33608063. **कोरबा - सीएसईबी चौक:** PEQ2GOL18652019, 23560322, 33857963, 34868530. (16-09-26) **कटघोरा - बीजीएल:** PNY8GOL18654340, 20932378, 21625515, 32483594, 32673834, 32669438, 32849335, 33361346, 33829055, 34232398, 35158157. (17-09-26) **कोरबा - कोसाबाड़ी:** PLI5GOL17014831, 35085301. **मनेन्द्रगढ़ - बीजीएल:** PNU9GOL18658596, 20548021, 20698044, 21130122, 29630184. **मुंगेली - मेन रोड:** POY9GOL29620273, 32328426. (18-09-26) **रायपुर - जी.ई. रोड:** PCZ6GOL30070325, 33659357. **रायपुर - पचपेड़ी नाका:** PLI9GOL30528881, 34503432. **रायपुर - तेलीबांधा रोड:** PF45GOL19438807, 20754480, 29895545, 33037366, 33348479. (21-09-26) **राजनांदगांव - जी.ई. रोड:** PEN6GOL29627117, 31049737, 32038697, 32479575. **व्यापार विहार - बिलासपुर:** PLI7GOL32526095.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक
CHHATTISGARH GRAMIN BANK
क्षेत्रीय कार्यालय- अम्बिकापुर, कुसुमतारा कॉम्प्लेक्स, द्वितीय तल, हनुमान गली, न्यू महामाया रोड, अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ.ग.)
Telephone :6232033095 , 6232033100, Email – adv.ro.amb@cgbank.in

नियम- 8(1) कब्जा नोटिस (अचल सम्पति)

जबकि वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत एवं धारा 13(12), 13(2) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8 एवं 9 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के निम्न अधोहस्ताक्षरकर्ता प्राधिकृत अधिकारी ने मांग सूचना पत्र जारी किया था, जिसमें निम्नलिखित उधार लेने वालों का उल्लिखित राशि ब्याज सहित नोटिस पावती की तारीख से 60 दिनों के भीतर भुगतान करने के लिए कहा गया था। इन उल्लिखित ऋणियों द्वारा राशि भुगतान करने में असफल हो जाने पर ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं और आमजनता को एतद् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13(4) के तहत उक्त पठित नियम हस्ताक्षरकर्ता ने उपरोक्तानुसार वर्णित सम्पत्ति का आधिपत्य की तिथि को अपने कब्जे **(Symbolic)** में ले लिया है। ऋणियों को विशेष रूप से एवं आम जनता को एतद् द्वारा सावधान किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति के बाबत किये गये कोई भी व्यवहार पर **छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक** के उपरोक्त राशि एवं उस पर ब्याज के अधीन भार **(CHARGE)** देय होगा।

क्र.	ऋणी/ जमानतदार का नाम	अचल संपत्ति का विवरण	मांग सूचना जारी तिथि एवं राशि (रू. में)	आधिपत्य की तिथि
01	**ऋणी- 1. मेसर्स लक्जर, प्रोपराइटर श्रीमती सुनीता अग्रवाल** के माध्यम से, **2. श्रीमती सुनीता अग्रवाल पति- अनिल कुमार अग्रवाल, प्रोप. मेसर्स लक्जर** एवं **बंधककर्ता।**	**श्रीमती सुनीता अग्रवाल पति अनिल कुमार अग्रवाल** की भूमि एवं भवन वाली पूरी संपत्ति जो प्लॉट नं./खसरा नं.- **334/165**, प.ह.नं. 16, ग्राम- फंदुरडिहारी, रा.नि.मं.- अंबिकापुर-4, तहसील- अंबिकापुर, जिला- सरगुजा (छत्तीसगढ़) प्लॉट का क्षेत्रफल- **0.017** हेक्टेयर पर स्थित संपत्ति के समस्त भाग तथा अंश। डायवर्टेड भूमि का सालाना आय- 2920 रुपये। **चौहद्दी खसरा न. 334/165: उत्तर में-** कालीराम अग्रवाल का प्लॉट, **दक्षिण में-** अंबिकेश्वर तिवारी का प्लॉट, **पूर्व में-** पक्की सड़क, **पश्चिम में-** 5-फीट चौड़ी गली।	**16/05/2026** ₹ **60,10,515/-** + ब्याज + अन्य व्यय	**31/07/2026**

आस्तियों का प्रतिभूतिकरण तथा हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 के तहत 30 दिनों का विक्रय हेतु अनिवार्य सूचना

ऋणियों/जमानतदारों/बंधककर्ताओं को सूचित किया जाता है कि इस नोटिस के छपने की तारीख से 30 दिनों के अंदर वे सम्पूर्ण ऋण राशि, ब्याज एवं खर्चों का भुगतान कर देवें अन्यथा उक्त वर्णित सम्पत्ति की नीलामी कर दी जावेगी तथा उसके बाद ऋण एवं ब्याज की वसूली खर्च सहित ऋणी एवं जमानतदारों से की जावेगी।

दिनांक- 01.08.2026, स्थान- अंबिकापुर (छ.ग.) मुख्य प्रबंधक, छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक

जनकपुर में 12 हाथियों का आतंक युवक ने भागकर बचाई जान

बैकुण्ठपुर/जनकपुर। एमसीबी जिले के जनकपुर पार्क परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम च्यूल और ढाब क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगभग एक दर्जन हाथियों का दल विचरण कर रहा है। हाथियों की लगातार मौजूदगी से क्षेत्र के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है।

वन विभाग द्वारा प्रभावित गांवों में मुनादी कराकर लोगों से सतर्क रहने और हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है। इसी बीच शुक्रवार 31 जुलाई की शाम करीब 5:15 बजे ग्राम च्यूल और ढाब के बीच समार लोटरर जंगल के पास एक बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार सुनील नामक युवक का अचानक हाथियों के दल से सामना हो गया। युवक ने सूझबूझ दिखाते हुए किसी तरह भागकर अपनी जान बचा ली, लेकिन उसकी मोटरसाइकिल मौके पर ही छूट गई। हाथियों ने बाइक को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों के दल की सटीक लोकेशन समय पर नहीं मिलने के कारण हमेशा अनहोनी की आशंका बनी रहती है। उनका आरोप है कि यदि समय रहते सही जानकारी मिले तो लोग प्रभावित क्षेत्रों में जाने से बच सकते हैं और जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। गौरतलब है कि इससे पहले भी जनकपुर पार्क परिक्षेत्र के गांवों में हाथियों के हमले में दो ग्रामीणों की जान जा चुकी है। ऐसे में फिर से 12 हाथियों के दल के विचरण ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

मजबूत अधोसंरचना और उद्योग अनुकूल नीतियों से तेजी से आगे बढ़ रहा राज्य : साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को लाभांडी स्थित एक निजी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सीजी टेंट एंड डेकोर एक्सपो-2026 में शामिल हुए। उन्होंने प्रदर्शनी का अवलोकन कर विभिन्न स्टॉलों का निरीक्षण किया और देशभर से आए टेंट एवं इवेंट उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों से संवाद किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन उद्योगों को नई दिशा देने, आधुनिक तकनीक से जोड़ने और व्यापारिक अवसर बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ उद्योग और व्यापार के लिए तेजी से उभरता हुआ राज्य है। नई उद्योग नीति को देश-विदेश में सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर बन रहे हैं। सरकार उद्योग, व्यापार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के साथ युवाओं के लिए अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार सृजित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि टेंट एवं इवेंट उद्योग आज तेजी से बदल रहा है। आधुनिक तकनीक, बेहतर डिज़ाइन और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं इसकी नई पहचान हैं। तीन दिवसीय एक्सपो में देशभर के विशेषज्ञ, निर्माता और व्यवसायी नई तकनीक, उपकरण और उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं।

इससे स्थानीय उद्यमियों को आधुनिक बाजार की मांग समझने और अपने कारोबार को प्रतिस्पर्धी बनाने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विवाह, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और शासकीय आयोजनों में टेंट उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह क्षेत्र हजारों लोगों को रोजगार और स्वरोजगार उपलब्ध करा रहा है। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह भी इससे जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में सड़क, रेल और हवाई संपर्क को मजबूत किया जा रहा है। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल ने भी संबोधित करते हुए व्यापार को शासन की योजनाओं से जोड़कर आगे बढ़ाने पर जोर दिया। इस अवसर पर टेंट ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विपुल सिंह, प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह दुआ, रंजीत कौर दुआ, गुरदीप सिंह अजामनी, इंदरजीत सिंह, रविंदर सिंह छाबड़ा, प्रवीण भुतड़ा और पारस होरा सहित देशभर से आए व्यवसायी एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

ये हैं अब तक नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी घड़ियां, करोड़ों में है कीमत

नई दिल्ली। घड़ियां अब केवल समय देखने के काम ही नहीं आतीं। ज्यादातर लोगों के लिए ये विलासिता, प्रतिष्ठा और सफलता का प्रतीक बन चुकी हैं। कई लक्जरी ब्रांड घड़ियां बनाते हैं, जो अपनी असाधारण कारीगरी के चलते लाखों में बिकती हैं। हालांकि, कुछ दुर्लभ घड़ियों को हासिल करने के लिए लोग लाखों क्या, करोड़ों रुपये खर्च करने से भी पीछे नहीं हटते हैं। इसी कड़ी में हम आपको नीलामी में बिकने वाली सबसे महंगी घड़ियों के बारे में बताने वाले हैं।

कार से तस्करी करते पकड़ा गया 13 लाख का गांजा, 4 आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिर्रा

कार से गांजे की अवैध तस्करी करते बिर्रा पुलिस ने 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 26 किलो से अधिक गांजा बरामद किया गया है। जब्त गांजे की कीमत 13 लाख रुपए बताई जा रही है। पकड़े गए तस्करों में दो महिला और दो पुरूष शामिल है।

इस संबंध में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शनिवार 1 अगस्त को बिर्रा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भटगांव जिला सारंगढ़ के तरफ से महानदी पुल पार कर गांजा की तस्करी की जा रही है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने जाल बिछाया। बसंतपुर के पास मोटर सायकल के चालकों द्वारा एक कार को पायलेटिंग करते हुए कार में अवैध रूप से गांजा का परिवहन करते पुलिस ने आरोपियों को धर दबोचा। कार की तलाशी लेने पर अलग अलग पैकेट में कुल 26 किलो 800 ग्राम गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने जैजैपुर थाना क्षेत्र के ग्राम ओडेकेरा निवासी 22 वर्षीय विजय बघेल पिता शिवशंकर बघेल, जैजैपुर निवासी 41 वर्षीय उत्तम चन्द्रा पिता यादराम चन्द्रा, हसौद थाना क्षेत्र के देवरघटा निवासी 55 वर्षीय भूरीबाई बघेल पति ऋषि कुमार बघेल और महासमुंद जिला के पदमपुर निवासी 28 वर्षीय सव्या शर्मा पति पद्मलोचन शर्मा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से जब्त गांजा की कीमत 13 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपियों के विरुद्ध थाना बिर्रा पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

300 टन सोने से लदी ट्रेन, जो 80 साल पहले सुरंग में घुसी पर कभी बाहर नहीं निकली

ट्रेनें हर देश के लिए आवाजाही का सबसे बड़ा जरिया है. देश की सबसे बड़ी आबादी इसी से सफर करती है, लेकिन कई बार ये ट्रेनें रहस्य का हिस्सा बन जाती है। मिस्ट्री ट्रेनों की सीरीज में आज उस ट्रेन की कहानी, जो 300 टन सोने के साथ सुरंग में घुसी तो जरूर, लेकिन आज तक उससे बाहर नहीं निकली। सोने से लदी इस ट्रेन की आज भी तलाश की जा रही है। चूंकि ट्रेन में अरबों-खरबों रुपये की कीमत का सोना लदा है इसलिए सालों गुजर जाने के बाद आज भी तलाश की जा रही है, लेकिन आज तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com